देशबन्धु

जबलपुर, शुक्रवार 25 अगस्त 2023 | वर्ष –67 | अंक –289 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ क्या भारत ग्लासनोस्ट...
■ सीबीआई, ईडी को... 04
■ जापान ने समुद्र में रेडियोएक्टिव पानी...
■ क्षेत्रीय देशों के साथ अफगानिस्तान के ... 09
■ उत्पादन कमी से चढ़े मेंथा तेल के भाव...
■ रिफंड का वक्त घटाकर 10 दिन करने... 11
■ हम दूसरी बार महिला हॉकी..
■ अच्छा लगा कि लोग टेस्ट.. 10

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री आज जबलपुर में करेंगे सु-राज कॉलोनी योजना का शुभारंभ

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 25 अगस्त को शाम 4 बजे जबलपुर में सु–राज कॉलोनी योजना का शुभारंभ करेंगे। साथ ही अनाधिकृत कॉलोनियों के पात्र घोषित होने के बाद वहां अधो–संरचना विकास एवं भवन अनुज्ञा प्रदाय करेंगे। मुख्यमंत्री जबलपुर जिले के प्रवास पर शुक्रवार 25 अगस्त को सुबह 11.30 बजे भोपाल से हेलीकॉप्टर द्वारा कटंगी के समीप ग्राम गुबरा में बने अस्थाई हेलीपेड पहुँचेंगे । मुख्यमंत्री श्री चौहान सुबह 11.40 बजे कटंगी में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा दोपहर 1.25 बजे गुबरा से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर दोपहर 1.45 बजे रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर स्थित हेलीपेड पहुँचेंगे । मुख्यमंत्री श्री चौहान जबलपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद शाम 6.45 बजे वायुयान द्वारा भोपाल प्रस्थान करेंगे ।

कांग्रेस ने राजस्थान में नियुक्त किए चार समन्वयक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चार समन्वयक नियुक्त करके अन्य दो सचिवों को चुनाव पर्यवेक्षक के साथ संबद्ध किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सांसद रंजिता रंजन, पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत, विधायक किरन चौधरी तथा पूर्व सांसद श्मशेर सिंह दुल्लो को यह जिम्मेदारी सौंपी है और उन्हें तत्काल प्रभाव से अपना काम शुरु करने के लिए कहा है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई—पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- भारतीय कुश्ती संघ को यूडब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित का दिया गया है

चुहिया- हां प्रिये- सियासी कुश्ती के चक्कर में खिलाड़ियों का भविष्य दांव पर लग रहा है।

छिन्दवाड़ा के जनदर्शन में उमड़ी भीड़

पांढुर्णा प्रदेश का 55वां जिला बनेगा : शिवराज

जामसांवली हनुमान मंदिर में श्री हनुमान लोक का निर्माण होगा मुख्यमंत्री ने किया भूमिपूजन

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पांढुर्णा प्रदेश का 55वां जिला बनेगा। नवीन जिले में पांढुर्णा, सौंसर तहसील और नांदनवाड़ी उप तहसील को मिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक की तर्ज पर जामसांवली हनुमान मंदिर में श्री हनुमान लोक का निर्माण किया जाएगा। लगभग 26.50 एकड़ क्षेत्र में प्रथम चरण में 35 करोड़ रुपये से अधिक लागत से श्री हनुमान लोक के निर्माण का कार्य आरंभ होगा।

मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा जिले के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर जाम सांवली में श्री हनुमान लोक का विधि–विधान से भूमि पूजन कर यह घोषणा की। उन्होंने मंदिर में श्री बजरंगवली के दर्शन–पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि और उन्नति की कामना की। कृषि मंत्री तथा छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी श्री कमल पटेल साथ थे।

छिंदवाड़ा में बन रहे श्री हनुमान लोक में प्रथम चरण में मराठवाड़ा वास्तु–कला से प्रेरित भव्य प्रवेश द्वार से भगवान के विराट स्वरूप की छवि दिखेगी। मुख्य प्रवेश द्वार से प्रथम प्रांगण तक 500 मीटर लंबा चिरंजीवी पथ बनेगा। पथ और प्रथम प्रांगण के 90 हजार वर्गफुट क्षेत्र में कलाकृतियों से अंजनी पुत्र हनुमान जी >>शेष पृष्ठ 2 पर

'विक्रम' और 'प्रज्ञान' ने चांद पर शुरु किये जरूरी वैज्ञानिक प्रयोग

*प्रज्ञान रोवर चांद के दक्षिणी ध्रुव पर चहलकदमी कर रहा है। इसके साथ ही रोवर ने ''**मेड इन इंडिया, मेड फोर मून**'' का संदेश दिया है।*

नई दिल्ली/ श्रीहरिकोटा। चंद्रयान–3 ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग का इतिहास रचने के बाद अब वह काम शुरू कर दिया है जिसके लिए उसे चन्द्रमा पर भेजा गया है। विक्रम लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग के करीब तीन घंटे बाद उसके अंदर से प्रज्ञान रोवर बाहर निकला। इसरो ने जानकारी दी है कि रोवर ने अपना काम शुरू कर दिया है। पृथ्वी के हिसाब से अगले 14 दिन (चांद पर एक दिन) तक प्रज्ञान रोवर चांद की सतह पर साइंटिफिक एक्सपेरिमेंट करता रहेगा। प्रज्ञान रोवर विक्रम लैंडर में लगे रैंप की मदद से चन्द्रमा की सतह पर उतरा है। रोवर का वजन 26 किलो है और वैज्ञानिक प्रयोग करने के लिए इसको आधुनिक सेंसर से लैस किया गया है। प्रज्ञान रोवर चन्द्रमा की सतह पर लैंडर से 500 मीटर के दायरे में धीरे–धीरे घूम सकता है।

लैंडर और रोवर पर लगे हैं ये पेलोड्स

विक्रम लैंडर में कुल चार पेलोड्स लगे हैं। इनमें रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव आयनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर यानी रंभा चांद की सतह पर सूरज से आने वाले प्लाज्मा कणों के घनत्व, मात्रा और बदलाव की जांच करेगा। रंभा चंद्रमा की सतह के पास इलेक्ट्रॉन और आयनों का अध्ययन करेगा और समय के साथ वह कैसे बदलते हैं इसका भी पता लगाएगा।

वहीं लैंडर में लगा चास्टे चांद की सतह की गर्मी यानी तापमान की जांच करेगा। चांद की सतह पर थर्मो फिजिकल एक्सपेरिमेंट ध्रुवीय क्षेत्र के पास चंद्र सतह के थर्मल गुणों का अध्ययन करेगा। चांद भूकंपीय गतिविधि उपकरण लैंडिंग स्थल के पास चांद पर आने वाले भूकंप को मापेगा और चंद्रमा की परत और मेंटल की संरचना का अध्ययन भी करेगा। वहीं लेजर रेट्रोरेफ्लेक्टर ऐरे इसरो द्वारा भेजा गया एक पैसिव प्रयोग है जो भविष्य के मिशनों के लिए चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव का लेज़र की मदद से बहुत सटीक माप लेगा। यह भविष्य के मिशन में बहुत कारगर साबित होगा। >>शेष पृष्ठ 2 पर

ये मुख्य काम करेगा प्रज्ञान रोवर

- 500 मीटर के दायरे में घूम सकता है प्रज्ञान रोवर
- चांद की सतह के थर्मल गुणों का अध्ययन करेगा
- चांद की परत और मेंटल की संरचना का अध्ययन करेगा
- रासायनिक और खनिज संरचना जांचेगा
- चांद की सतह पर पानी खोजेगा
- चट्टानों में विभिन्न तत्वों का और खनिजों का पता लगाएगा
- सूरज से आने वाले प्लाज्मा कणों के घनत्व मात्रा और बदलाव को भी जांचेगा
- प्रज्ञान रोवर चांद के भूकम्पों की जांच के अलावा अन्य गतिविधियां भी रिकार्ड करेगा

चन्द्रमा की सतह पर अशोक चिन्ह की अमिट छाप छोड़ रहा प्रज्ञान रोवर

18 साल के प्रज्ञानानंद ने कार्लसन को वर्ल्ड कप के लिए तरसाया

विश्व में सबसे कम उम्र के उपविजेता बने

टाई–ब्रेकर में हारकर भी रचा इतिहास

नई दिल्ली। नॉर्वे के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने फिडे विश्वकप फाइनल के पहले टाईब्रेकर में भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानानंदा ने खिताब के लिए तरसा दिया और प्रज्ञानानंदा विश्व में सबसे कम उम्र के उपविजेता बन गए हैं। हालांकि कार्लसन ने खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल में पहले दो राउंड में नजीता नहीं निकला और ये दोनों गेम ड्रॉ पर समाप्त हुए। विश्वकप के विजेता का फैसला गुरुवार को टाईब्रेकर के जरिए हुआ, जहां 25 मिनट के पहले रैपिड गेम में कार्लसन ने बाजी मारी है।

(विस्तृत समाचाार खेल पृष्ठ पर देखें)

ब्रिक्स में 6 नए देश शामिल

अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, यूएई को सदस्य बनाया

अब 11 सदस्यीय समूह बना, एक जनवरी 2024 से प्रभावी

जोहान्सबर्ग, (एजेंसियां)। ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका के आर्थिक–कूटनीतिक समूह ब्रिक्स का विस्तार करके इसमें अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) छह नए देशों को बतौर पूर्ण सदस्य शामिल किया गया है।

ब्रिक्स के 15वें शिखर सम्मेलन के समापन अवसर पर मेजबान दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरल रामाफोसा ने ब्रिक्स नेताओं के एक संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिक्स के विस्तार का यह पहला चरण है और इन छह देशों की सदस्यता एक जनवरी 2024 से प्रभावी होगी। अगले चरण के लिए संभावित सदस्यों के नामों को, विचार के लिए

अगली शिखर बैठक में रखा जाएगा। इस प्रकार से पांच सदस्यीय ब्रिक्स में अब 11 सदस्य हो जाएंगे।

श्री रामाफोसा ने कहा, इस शिखर सम्मेलन ने ब्रिक्स, लोगों के बीच आदान–प्रदान और दोस्ती और सहयोग को बढ़ाने के महत्व की पुष्टि की है।

यूनाईटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने रद्द की भारतीय कुश्ती महासंघ की सदस्यता

नई दिल्ली। भारतीय पहलवानों को गुरुवार को बड़ा झटका लगा। रेसलिंग की अंतरराष्ट्रीय संस्था यूनाईटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय रेसलिंग फेडरेशन को सस्पेंड कर दिया है। इसके ही भारतीय रेसलिंग संघ की सदस्यता रद्द हो गई। भारतीय रेसलर वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियन गेम्स की तैयारियों में लगे हुए हैं और ऐसे में यह उनके लिए बहुत बुरी खबर है।

भारतीय पहलवानों की बढ़ी मुश्किल–यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने यह फैसला भारतीय फेडरेशन के चुनाव न होने के कारण लिया है। भारतीय रेसलिंग फेडरेशन के चुनाव जून में आयोजित होने थे लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो पाया है। रेसलिंग फेडरेशन की सदस्यता रद्द होने का मतलब है कि भारतीय खिलाड़ी तिरंगे तले नहीं खेल पाएंगे। भारतीय पहलवान अब ब्रेलग्रेड में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में तिरंगे तले नहीं बल्कि यूडब्ल्यूडब्ल्यू के झंडे तले खेलेंगे। साथ ही जो भी पहलवान यहां पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करेंगे उसे एनओसी कोटा माना जाएगा।

तिरंगे तले नहीं खेल पाएंगे पहलवान

मई के महीने में यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने जंतर–मंतर में अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान भारत के शीर्ष पहलवानों को हिरासत में लिए जाने की निंदा की थी। इसी दौरान उन्होंने भारतीय रेसलिंग फेडरेशन को निलंबित करने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा था, 'चुनाव के लिए दी गई 45 दिन की समय सीमा का सम्मान किया जाए। इसके भीतर चुनाव नहीं होने पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया को निलंबित किया जा सकता है, जिससे खिलाड़ी तटस्थ ध्वज तले खेलेंगे।' खेल मंत्रालय की दखल के बाद एड हॉक कमेटी को चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। 11 जुलाई को भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव होने थे।

कुल्लू में देखते ही देखते कई इमारतें हुईं जमींदोज

कुछ सेकेंड में बह गए 8 घर

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश में बारी बारिश का कहर जारी है। यहां दो बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गई है। कई जगहों पर लैंडस्लाइड हो रही है। ताजा मामला कुल्लू जिले के आनी उपमंडल का है। यहां कुछ सेकेण्ड में देखते ही देखते ही एक 4 मंजिला इमारत जमींदोज हो गई।

इसके अलावा लैंड स्लाइड के कारण सात और ईमारतें भी मलबे में बदल चुकी हैं। इन सारी इमारतों को असुरक्षित घोषित कर दिया गया था। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हिमाचल के लोग हर घड़ी दहशत में जी रहे हैं। फिलहाल किसी के मौत ही सूचना नहीं मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना कुल्लू जिले के आनी बस स्टैंड के पास हुई है। दरअसल, आनी बस स्टैंड के पास की इमारत के पीछे भूस्खलन हो रहा था। नाले का पानी बिल्डिंग के पीछे ही गिर रहा था। घटना के बाद आस–पास अफरा–तफरी मच गई।

नेपाल में बस पलटने से 6 भारतीय सहित 7 की मौत

काठमांडू। नेपाल में गुरुवार तड़के एक सड़क दुर्घटना में छह भारतीय तीर्थयात्रियों सहित सात लोगों की मौत हो गई। काठमांडू से जनकपुर की तरफ जा रही बस रात 2 बजे चुरियामाई मंदिर के दक्षिण में एक नदी तट पर पलट गई। हादसे में बस सड़क से लगभग 50 मीटर नीचे गिर गई। 'काठमांडू पोस्ट' ने सिमारा के क्षेत्रीय पुलिस कार्यालय के उपाधीक्षक प्रदीप बहादुर छेत्री के हवाले से बताया कि मृतकों में महोत्तरी जिले के लोहारपट्टी का रहने वाला एक नेपाली और राजस्थान के छह भारतीय नागरिक शामिल हैं।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ. पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

सिनेमा

69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा

आलिया-कृति सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और अल्लू अर्जुन सर्वश्रेष्ठ अभिनेता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भारतीय कलाकारों के लिए हमेशा से खास रहा है और गुरुवार को दिल्ली में 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की घोषणा हुई है। हर बार की तरह इस बार भी सभी की निगाहे बेस्ट एक्टर और बेस्ट एक्ट्रेस के अवॉर्ड पर टिकी हुई थीं। इस साल बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड आलिया भट्ट और कृति सेनन ने अपने नाम किया।

वहीं बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार अल्लू अर्जुन ने जीता। ये पुरस्कार वर्ष 2021 के लिए दिए गए। यह देश के सबसे प्रतिष्ठित और बहुप्रतीक्षित पुरस्कारों में से एक हैं। इस साल राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में फिल्म सरदार उधम, आरआरआर, गंगूबाई काठियावाड़ी और द कश्मीर फाइल्स का जलवा देखने को मिला। विक्की कौशल अभिनीत फिल्म

सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म बनी सरदार उधम

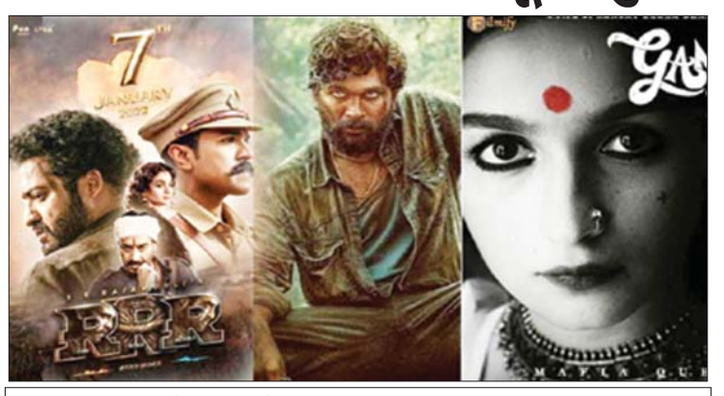

'सरदार उधम' ने पांच अवॉर्ड अपने नाम किए, जिनमें सबसे प्रमुख 'बेस्ट हिंदी फीचर फिल्म' का अवॉर्ड रहा। फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने किया था।

इस साल बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार दो अभिनेत्रियों को मिला है। आलिया भट्ट और कृति सेनन ने बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार अपने नाम किया है। आलिया भट्ट को जहां फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में किए गए शानदार अभिनय के लिए पुरस्कृत किया गया, वहीं कृति सेनन ने फिल्म %मिमी% के लिए यह अवॉर्ड अपने नाम किया। बेस्ट एक्टर की बात करें तो यह अवॉर्ड इस साल साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने 'पुष्पा: द राइज' में अपने दमदार और शानदार अभिनय के लिए जीता।

बेस्ट प्लेबैक मेल का अवॉर्ड 'आआरआर' के 'कोमुराम भीमुडो' गाने के सिंगर काला भैरव को मिला, वहीं बेस्ट प्लेबैक फीमेल का अवॉर्ड श्रेया घोषाल ने अपने नाम किया। सर्वश्रेष्ठ सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड पंकज त्रिपाठी ने फिल्म 'मिमी' के लिए जीता और >>शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

मौजूदा आपराधिक कानूनों को बदलने की मांग करने वाले विधेयकों की होगी जांच

नई दिल्ली। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और साक्ष्य अधिनियम को बदलने वाले विधेयकों की जांच के लिए गुरुवार को एक संसदीय पैनल की बैठक हुई। गृह सचिव अजय भल्ला समिति के सदस्यों के समक्ष तीन विधेयकों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक पर एक प्रस्तुति देने वाले हैं। तीनों बिल मौजूदा कानूनों में आमूल-चूल परिवर्तन की मांग करते हैं, जिन्हें गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में औपनिवेशिक विरासत के रूप में वर्णित किया था। गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले सत्र में तीनों बिल को पेश किया था। सरकार द्वारा संसद के अगले सत्र में अद्यतन विधेयक पेश करने के लिए स्थायी समिति को तीन महीने में अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

कांग्रेस ने त्रिपुरा के कार्यकारी अध्यक्ष को किया निष्कासित

भाजपा से नजदीकी बढ़ाने का था शक

नई दिल्ली। त्रिपुरा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बिलाल मियां को उनके पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद पार्टी से निकाल दिया गया है। अब उनके भाजपा में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। पार्टी के नेता ने कहा कि मियां के इस्तीफा देने के बाद उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया है।

हाल ही में सिपाहीजला जिले के सोनामुरा में उनके आवास पर त्रिपुरा के वरिष्ठ नेता रतन लाल नाथ और सुशांत चौधरी की बैठक के बाद निष्कासन का फैसला लिया गया। बिलाल मियां को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में छह साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित किया गया है।

नितिन गडकरी पेश करेंगे इथेनॉल पर दौड़ने वाली कार

पेट्रोल-डीजल-सीएनजी और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बाद अब जल्द इथेनॉल ईंधन से चलने वाली कारें भी सड़क पर दौड़ती नजर आएंगी. हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस बात की जानकारी दी है कि अगले हफ्ते वह इथेनॉल ईंधन पर दौड़ने वाली कार को पेश करने वाले हैं.

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अगले हफ्ते 29 अगस्त को इथेनॉल फ्यूल पर दौड़ने वाली कार निर्माता कंपनी टोयोटा की सबसे पॉपुलर कार इनोवा को पेश करेंगे. इससे पहले नितिन गडकरी टोयोटा कंपनी की मिराई ईवी कार को पेश कर चुके हैं, इस कार को पिछले साल पेश किया गया था.

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में मिंट सस्टेनेबिलिटी सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस बात की जानकारी दी है कि वह 29 अगस्त को 100 फीसदी इथेनॉल ईंधन से चलने वाली टोयोटा की इनोवा कार को पेश करने वाले हैं. टोयोटा की ये कार पहली बीएस-6 (स्टेज-2) फ्लेक्स-ईंधन आधारित कार होगी. फिलहाल इस कार के बारे में अभी अधिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि 2004 में जब पेट्रोल की कीमतों में इजाफा हो रहा था तब उन्होंने जैव ईंधन में रुचि लेनी शुरू की थी।

अंतरिक्ष उद्योग, शिक्षाविदों ने ऐतिहासिक चंद्रयान की लैंडिंग पर जताई खुशी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष उद्योग ने बुधवार को भारत के चंद्रमा के सतह के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 लैंडर को सफलतापूर्वक उतारे जाने पर इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जमकर सराहना की। भारतीय अंतरिक्ष संघ ने कहा कि यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अंतरिक्ष की बढ़ती पहुंच को रेखांकित करती है और चुनौतीपूर्ण अभियानों को पूरा करने में भारत के अटूट संकल्प और दृढ़ता को प्रदर्शित करती है। एसोसिएशन ने कहा कि इसके अलावा, यह चंद्रमा पर स्थायी संरचनाएं स्थापित करने के मकसद से उभरते ल्यूनगर एक्सप्लोरेशन युग में भारत की भागीदारी के लिए सकारात्मक संकेत है। 14 जुलाई, 2023 को श्रीहरिकोटा से लांच किए गए चंद्रयान-3 मिशन में विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर प्रमुख घटक हैं। हालांकि इसरो के इस मिशन में कई निजी कंपनियों ने योगदान दिया है। जैसे लार्सन एंड टुब्रो, वालचंदनगर इंडस्ट्रीज, सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स, गोदरेज एंड बॉयस और अनंत टेक्नोलॉजीज। सफल लैंडिंग भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र की क्षमता को दर्शाती है और भारत को पूरी दुनिया के उन कुछ देशों में शामिल करती है जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। भारतीय अंतरिक्ष संघ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट (सेवानिवृत्त) ने कहा, यह निजी क्षेत्र के लिए रोमांचक अवसरों का भी अग्रदूत है। अनंत टेक्नोलॉजीज (एटीएल) के संस्थापक और सीएमडी डॉ सुब्बा राव पावुलुरी ने कंपनी को मौका देने के लिए इसरो का आभार व्यक्त किया। हैदराबाद में मुख्यालय वाली यह कंपनी इसरो के सभी लॉन्च वाहन और उपग्रह मिशनों में योगदान दे रही है। एटीएल ने इस मिशन के लिए कई एवियोनिक्स पैकेजों के निर्माण में भाग लेकर चंद्रयान -3 लॉन्च वाहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चंद्रयान की लैंडिंग के साथ ही भारत को मिलेगा खजाना

चेन्नई, 23 अगस्त (एजेंसियां)। चंद्रयान की सफल लैंडिंग के साथ ही भारत को चंद्रमा का खजाना हाथ लग जाएगा। दरअसल, चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव वह हिस्सा है जो विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए हमेशा से रहस्य रहा है। दक्षिणी ध्रुव पर वह जगह है जहां पर कुछ हिस्सों में एकदम अंधेरा है तो कुछ पर रोशनी नजर आती है। इसके करीब धूप-पानी दोनों है। कुछ हिस्सों में स्थाई रूप से छाया के साथ बर्फ जमा होने की बातें भी सामने आई है। अमेरिकी अंतरिक्ष संस्थान नासा का दावा है कि, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के कुछ गड्ढों पर तो अरबों वर्षों से सूरज की रोशनी नहीं पहुंची है। इन गड्ढों वाली जगह का तापमान -203 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। दुनिया के वैज्ञानिकों का मानना है कि, चंद्रमा पर यह बर्फ दरअसल अंतरिक्ष का सोना है। इसका खनन पीने के पानी के लिए किया जा सकता है। साथ ही साथ या सांस लेने के लिए जरूरी ऑक्सीजन और रॉकेट फ्यूल के लिए भी इसे हाइड्रोजन में बांटा जा सकता है। जबकि वैज्ञानिकों की राय है कि, इस ईंधन का प्रयोग न सिर्फ पारंपरिक अंतरिक्ष यान के लिए किया जाएगा, बल्कि उन हजारों उपग्रहों के लिए भी किया जा सकता है उन्हें अलग-अलग मकसद के लिए अंतरिक्ष में भेजा जाता है।

- **सोने से भी ज्यादा कीमती है यह बर्फ**
- **विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए हमेशा से रहस्य रहा चांद का दक्षिणी ध्रुव**

न्यायालय - आयुक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम श्रम न्यायालय कोर्ट क्रं. 67, जिला एवं सत्र न्यायालय जिला जबलपुर म.प्र.

प्रकरण क्रमांक 55/wc Act/2023/Fetal Miss

मूल प्रकरण क्रमांक ......

सूचना-पत्र

उपरोक्त प्रकरण क्रमांक 55/WC Act/2023/Fetal Miss में सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि मृतक स्व. श्री लल्लन कुमार यादव की मृत्यु नियोक्ता /1. दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के नियोजन के दौरान घटित दुर्घटना के परिणाम स्वरुप दिनांक 30.01.2023 को हो गई है। नियोक्ता/बीमा कंपनी ने क्षतिधन राशि रु. 15,12,450/- (पन्द्रह लाख बारह हजार चार सौ पचास रू. मात्र) न्यायालय में जमा कराये हैं। उपरोक्त जमा क्षतिधन राशि के वितरण हेतु आश्रितों की जांच व साक्ष्य हेतु दिनांक 26.09.2023 नियत की गई है।

उपरोक्त प्रकरण में मृतक स्व. श्री लल्लन कुमार यादव के जो भी व्यक्ति कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधि. 1923 की धारा 2 (डी) के अन्तर्गत आश्रितों की श्रेणी में आते हो वे दिनांक 26.09.2023 को 11.00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर आश्रित होने संबंधी प्रार्थना पत्र पेश करे साथ ही पहचान संबंधी दस्तावेज परिचय पत्र, आधार कार्ड, परिवार पत्र बैंक की पास बुक, ग्राम पंचायत या स्थानीय निकाय का प्रमाण पत्र पेश करे तथा आश्रितों के फोटो शासकीय अधिकारी व नोटरी से प्रमाणित करवा कर पेश करे नाबालिग बच्चे हों तो उनकी स्कूल की अंकसूची साथ लावें।

आज दिनांक 23/08/2023 को मेरे हस्ताक्षर व मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

(श्री कृष्णा डागलिया) आयुक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम श्रम न्यायालय जबलपुर म.प्र.

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर जिला- जबलपुर

रा.प्र.क्र./0623/अ -6/2023-24

जबलपुर, दिनांक 29/08/2023

//आम इश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम अंधुवा प.ह.नं. 17 तहसील गोरखपुर-1 जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरप्रीत सिंह अरोरा, जसलोक सिंह अरोरा पिता महेन्दर सिंह अरोरा जाति अरोरा निवासी म.नं. 203 गुप्तेश्वर चंदिकांचल अपार्टमेंट मदन महल कृपाल चौक जबलपुर के द्वारा ग्राम अंधुवा बंदोबस्त नम्बर 03 प.ह.नं. 17 में स्थित भूमि खसरा नंबर 152/2 रकवा क्रमशः प्लाट नं. सी.87-1 1000 वर्गफुट भूमि/0.8000 हैक्ट. पंजीकृत विक्रय पत्र क्रमांक ... दिनांक 10/09/2023 के माध्यम से क्रय कर राजस्व अभिलेखों में नामांतरण हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति हो तो लिखित में आपत्ति मय दस्तावेज दस्तावेज पेशी दिनांक 29/08/2023 तक इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा। यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 27/06/2023
पेशी दिनांक- 29/08/2023

अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर, जबलपुर

र.नं. 1040

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर जिला- जबलपुर

रा.प्र.क्र./0623/अ -6/2023-24

जबलपुर, दिनांक 23/08/2023

//आम इश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम तेवर प.ह.नं. 29 तहसील गोरखपुर-1 जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती वलवीर कौर भुल्लर पति स्व. हरभजन सिंह भुल्लर जाति ... निवासी 783/3 राधास्वामी सतसंग भवन रोड़, गुप्तेश्वर जबलपुर के द्वारा ग्राम तेवर बंदोबस्त नम्बर 229 प.ह.नं. 29 में स्थित भूमि खसरा नंबर 152 रकवा क्रमशः 0.14 हैक्ट. पंजीकृत क्रमांक वसीयत दिनांक 14/04/2000 के माध्यम से क्रय कर राजस्व अभिलेखों में नामांतरण हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति हो तो लिखित में आपत्ति मय दस्तावेज पेशी दिनांक 31/08/2023 तक इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा। यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 23/08/2023
पेशी दिनांक- 31/08/2023

अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर, जबलपुर

र.नं. 1036

निविदा/ नियुक्ति/ जाहिरात

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/0359/अ-6/2023-24

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमा सराफ/स्व. दानवीर सराफ नि. फ्लैट नं. 101 गंगोत्री अपार्टमेंट 7/2/16 स्वरुप नगर ने नजूल ब्लॉक नं. 5 प्लाट नं. 19/1, 21/2 निर्मित रकवा/ रकवा 2571 व.फु./अवि हिस्सा ... ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं..... खसरा नं.... रकवा.... व.फु./हे. विक्रय पत्र/हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक ... मृत्यु दिनांक 02.03.2023 को हो जाने के कारण वारसान हक/क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, शपथ पत्र, खसरा की छाया प्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 5 प्लाट नं. 19/1, 21/2 निर्मित रकवा/रकवा 2571 व.फु./अवि. हिस्साा ...ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं. .... खसरा नं... रकवा... व.फु./हे. डॉ. दानवीर सराफ, सुदर्शन सराफ, अनूप सराफ एवं अन्य के नाम दर्ज हैं। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 29.08.2023 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 18.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक-18/08/2023
पेशी दिनांक-29/08/2023

तहसीलदार रांझी, जबलपुर

र.नं. 1033

कार्यालय सम्पदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कालेज के पास धनवंतरी नगर जबलपुर - 482003
ई-मेल - eohbjbp@mp.gov.in,
फोन नंबर 0761 2670707

फी-होल्ड की आपत्ति आमंत्रण हेतु सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 555 श्री सुरेन्द्र कुमार जैन पिता स्व. श्री पी एल जैन के द्वारा उक्त भूखण्ड को फ्री होल्ड करने हेतु नियमानुसार निर्धारित राशि जमा कर इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा श्री सुरेन्द्र कुमार जैन पिता स्व. श्री पी एल जैन को आवंटित शिवनगर दमोहनाका जबलपुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 555 फ्री होल्ड किया जावेगा एवं किसी भी संस्था / व्यक्ति का दावा मान्य नहीं होगा।

सम्पदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

र.नं. 1037

नाम परिवर्तन सूचना

मैं दीपक जैन पिता स्व. श्री गोपाल चंद्र जैन निवासी- 1670/1, नव आदर्श कालोनी, मेहता पेट्रोल पंप के पीछे, गढ़ा रोड जबलपुर म.प्र. शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूं कि-

1. यह कि मैं उक्त पते पर स्थायी निवासरत हूँ ।
2. यह कि मेरी 11वीं, की अंकसूची में त्रुटिवश मेरा नाम दीपक कुमार जैन दर्ज हो गया है।
3. यह कि, मुझे दीपक जैन के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा पढ़ा जाता है जो कि मेरे आधार कार्ड नं. 9071 1990 0712 एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। मुझे मेरे इसी नाम से जाना पहचाना, लिखा पढ़ा जावे।

सही नाम- दीपक जैन
गलत नाम- दीपक कुमार जैन

र.नं. 1034

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर जिला- जबलपुर

रा.प्र.क्रं/0601/अ-6/2021-22
जबलपुर, दिनांक 23.8.23

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम लमती प.ह.नं. 17 तहसील गोरखपुर-1 जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका चेतना पाठक पति/पिता सुनील शेखर पाठक जाति पाठक निवासी कंचन विहार विजय नगर जबलपुर के द्वारा ग्राम लमती बंदोबस्त नंबर 642 प.ह.नं. 17 में स्थित भूमि खसरा नंबर 37 रकवा क्रमशः एरिया 30 फुट बाई 35 याने 1050 वर्गफुट पंजीकृत विक्रय पत्र क्रमांक .... दिनांक 16/7/98 के माध्यम से क्रय कर राजस्व अभिलेखों में नामांतरण हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति हो तो लिखित में आपत्ति मय दस्तावेज पेशी दिनांक 31.08.23 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-23/06/2023
पेशी दिनांक-31/08/2023

अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर, जबलपुर

र.नं. 1032

न्यायालय - आयुक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम श्रम न्यायालय कोर्ट क्रं. 67, जिला एवं सत्र न्यायालय जिला जबलपुर म.प्र.

प्रकरण क्रमांक 146-A/wc Act/2023/Fetal Miss

मूल प्रकरण क्रमांक 106/2022/फैटल

सूचना-पत्र

उपरोक्त प्रकरण क्रमांक 146-ए/WC Act/2023/Fetal Miss में सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि मृतक स्व. श्री शंकर लाल कुशवाहा की मृत्यु नियोक्ता /1. प्राइम लॉजिस्टिक के नियोजन के दौरान घटित दुर्घटना के परिणाम स्वरुप दिनांक 12.06.2022 को हो गई है। नियोक्ता/बीमा कंपनी ने क्षतिधन राशि रु. 10,75,000/- (दस लाख पछत्तार हजार रू. मात्र) न्यायालय में जमा कराये हैं। उपरोक्त जमा क्षतिधन राशि के वितरण हेतु आश्रितों की जांच व साक्ष्य हेतु दिनांक 05.09.2023 नियत की गई है।

उपरोक्त प्रकरण में मृतक स्व. श्री शंकरलाल कुशवाहा के जो भी व्यक्ति कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधि. 1923 की धारा 2 (डी) के अन्तर्गत आश्रितों की श्रेणी में आते हो वे दिनांक 05.09.2023 को 11.00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर आश्रित होने संबंधी प्रार्थना पत्र पेश करे साथ ही पहचान संबंधी दस्तावेज परिचय पत्र, आधार कार्ड, परिवार पत्र बैंक की पास बुक, ग्राम पंचायत या स्थानीय निकाय का प्रमाण पत्र पेश करे तथा आश्रितों के फोटो शासकीय अधिकारी व नोटरी से प्रमाणित करवा कर पेश करे नाबालिग बच्चे हों तो उनकी स्कूल की अंकसूची साथ लावें।

आज दिनांक 21/08/2023 को मेरे हस्ताक्षर व मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

(श्री कृष्णा डागलिया) आयुक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम श्रम न्यायालय जबलपुर म.प्र.

काबू में रहेगी ड्रैगन की हरकत

चंद्रयान-3 की सफलता, भारत के लिए कई मायनों में एक बड़े बदलाव का प्रतीक बनेगी। विकास की नई राहें खुलने के अलावा चंद्रयान-3 की कामयाबी, बॉर्डर की सुरक्षा के मोर्चे पर भी काफी मददगार साबित होगी। लद्दाख व दूसरे क्षेत्रों में चीन ने बॉर्डर पर नजर रखने और भारतीय सेना की गतिविधियों का पता लगाने के लिए 72 मिलिट्री सेटेलाइट छोड़ रखे हैं। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद ड्रैगन की दादागिरी खत्म की जा सकेगी। शत्रु राष्ट्र की हरकत काबू में रहेगी। स्पेस कमीशन के सदस्य डॉ. किरण कुमार ने बताया कि चंद्रयान की सफलता के बाद, चीन जो बहुत कम अंतराल पर बॉर्डर के किसी न किसी हिस्से में घुसपैठ का प्रयास करता रहता है, उसकी सेना की मिनट-टू-मिनट मूवमेंट का पता चल सकेगा। भारत, चीन को अपनी क्षमता दिखा सकता है। पाकिस्तान और दूसरे देशों से लगती सीमा पर भी सटीक निगरानी हो सकेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

पांढुर्णा प्रदेश का....

के बाल स्वरूप का मनोहारी चित्रण होगा। लगभग 62 हजार वर्गफुट क्षेत्र में मूर्तियों एवं कलाकृतियों के माध्यम से भक्त - शिरोमणि हनुमान जी के भक्ति स्वरूप का चित्रण होगा। रामलीला एवं अन्य धार्मिक आयोजनों के लिए जलाशय के तट पर 12 हजार वर्गफुट क्षेत्र में मुक्ताकाशी मंच बनेगा, संजीवनी बूटी लाने वाले भगवान के संकटमोचक स्वरूप से प्रेरणा लेकर परिसर में आयुर्वेदिक चिकित्सालय बनाया जाएगा।

श्री हनुमान लोक के समीप बहने वाली नदी तट के सौंदर्यीकरण एवं लैंडस्केपिंग के माध्यम से श्रद्धालुओं के बैठने आदि की व्यवस्था बनाई जाएगी। कम्युनिटी सेंटर, जन सुविधाएँ, ट्रस्ट ऑफिस, प्रशासनिक कार्यालय एवं कंट्रोल रूम आदि 37 हजार वर्गफुट में निर्मित किए जाएंगे। प्रसाद-पूजन सामग्री और भोजन आदि की व्यवस्था के लिए 120 दुकान एवं फूड कोर्ट बनेंगे। लगभग 400 चार पहिया एवं 400 दो पहिया वाहन क्षमता की डेढ़ लाख वर्गफुट क्षेत्र में पार्किंग विकसित की जाएगी।

द्वितीय चरण में होगा संजीवनी पथ का विकास- द्वितीय चरण में रामटेकरी पर्वत की परिक्रमा के लिए संजीवनी पथ का विकास, अष्टसिद्धि केंद्र एवं संस्कृत विद्यालय, योगशाला प्रवचन हॉल एवं ओपन एयर थियेटर, जाम नदी पर घाट निर्माण, वॉटर फ्रंट पाथ वे एवं सिटिंग एरिया, भक्त निवास, भोजनालय तथा गौ-शाला का निर्माण होगा।

विक्रम और प्रज्ञान.....

लैंडर के अलावा चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर में भी पेलोड्स लगे हैं। इनमें से लेजर प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप चांद की सतह की रासायनिक और खनिज संरचना की जांच करेगा। रोवर ही चन्द्रमा की सतह पर पानी को खोजेगा। इसके अलावा अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों में मैग्नीशियम, एल्यूमीनियम, सिलिकॉन, पोटेशियम, कैल्शियम, टाइटेनियम और लौह जैसे तत्वों का पता लगाने का काम करेगा।

आलिया-कृति को.....

बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस 'द कश्मीर फाइल्स' के लिए पल्लवी जोशी को मिला। जहां एक तरफ 'सरदार उधम' ने बेस्ट हिंदी फीचर फिल्म का अवॉर्ड जीता और दूसरी ओर, आर माधवन की 'रॉकेट्री: द नंबी इफेक्ट' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म श्रेणी में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला है।

कार्यालय नगर परिषद बरही, जिला कटनी (म.प्र.)

क्रमांक/800/न.प./ई.बिड/2023 बरही, दिनांक 23-08-2023

Email- emobarhi@mpurban.gov.in

// निविदा सूचना //

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि संबंधित क्षेत्र के सेवा प्रदाताओं से निम्नलिखित कार्य के लिए GEM से BoQ निविदा प्रक्रिया में माध्यम से दरें आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत निविदा कार्य से संबंधित समस्त अहर्ताएं एवं आवश्यक दस्तावेज www.gem.gov.in पर देखे जा सकते हैं। निविदा में यदि किसी प्रकार का कोई संशोधन किया जाता हैं, तो वो समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जाएगा, संशोधन को GEM पोर्टल पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

क्रमांक	जेम बिड दिनांक जारी दिनांक	बिड का विवरण	कार्य की लागत	अमानत राशि	निविदा की अंतिम तिथि
1	GEM/2023/B3821547/ 17/08/2023	30 मीटर का झंडा तिरंगा	10 लाख	30 हजार	02/09/2023

निविदा में ऑनलाईन भाग लेने की अंतिम तिथि - 02.09.2023 सुबह 10.30 बजे तक।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद बरही

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, सामान्य वनमंडल कटनी

फोन : 07622-227417 (कार्या.) Email-dfotktn@mp.gov.in महाराणा प्रताप वार्ड, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रं. 7 जबलपुर रोड झिंझरी कटनी (म.प्र.) 483501

सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

ई- निविदा विज्ञप्ति

वर्ष 2023-24 वनमंडल कटनी (सामान्य) के अंतर्गत विभिन्न योजना अंतर्गत अधीनस्थ परिक्षेत्रों में वृक्षारोपण क्षेत्र घिराव हेतु आर.सी.सी. फैंसिंग पोल्स एवं एंगल आयरन पोल्स सामग्री क्रय करने के लिए प्रदायकर्ताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्यप्रदेश के www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनांक से दिनांक 04.09.2023 को दोपहर 12.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं।

क्रं.	विवरण	
1.	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र वेबसाइड www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2.	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500/- रुपये (पांच सौ रुपये मात्र)
3.	धरोहर राशि	50,000/- रुपये (पचास हजार रुपये मात्र)
4.	निविदा प्रपत्र की ऑनलाईन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनांक से
5.	प्री-बिड मीटिंग	31.08.2023 को प्रातः 11.00 बजे से
6.	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 04.09.2023 को दोपहर 12.00 बजे तक
7.	निविदा खोलने की तिथि व समय	दिनांक 05.09.2023 को दोपहर 12.00 बजे

(गौरव शर्मा)
भा.व.से.
वनमण्डलाधिकारी, सामान्य वनमंडल कटनी

जी- 18727/23

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

In The Court of XXI, Civil Judge Class-II, District Court, Jabalpur presiding Officer:

फरहान मसूद कुरैशी

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCSA/ 0000778/2023)

श्रुति दुबे............वादी

Vs

आम जनता.... .....प्रतिवादी

Process Id- /2023

पेशी दि.:-25/09/2023

प्रेषिती-(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी श्रुति दुबे ने आपके विरूद्ध सिविल सूट वाद वास्ते घोषणा हेतु वाद मूल्यांकन 1000 रूपये के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 24 अगस्त 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- उपस्थिति एवं प्रकाशन नोटिस के साथ वाद वास्ते घोषणा हेतु वाद मूल्यांकन 1000 रूपये निर्णय दिनांक 20 अगस्त 2008 तथा आज्ञाप्ति एवं अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(फरहान एम. कुरैशी) इक्कीसवें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, जबलपुर (म.प्र.)

र.नं. 1038

In The Court of XXI, Civil Judge Class-II, District Court, Jabalpur presiding Officer:

फरहान मसूद कुरैशी

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCSA/ 0000366/2023)

कु. मुंगो उर्फ विजय कुमारी गोस्वामी........वादी

Vs

श्रीमान कार्य प्रबंधक/प्रभारी अधिकारी/प्रशासन (औ.) कृते महाप्रबांक/ओएफके.... .....प्रतिवादी

Process Id- /2023

पेशी दि.:-20/09/2023

प्रेषिती-(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी कु. मुंगो उर्फ विजय कुमारी गोस्वामी ने आपके विरूद्ध सिविल सूट ए वाद वास्ते घोषणा हेतु मूल्यांकन 500 रूपये न्याय शुल्क विधिक उत्तराधिकारी वारसान घोषित किए जाने हेतु आवेदन पत्र के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 22 अगस्त 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ दावा वास्ते घोषणा मूल्यांकन 500 रूपये न्याय शुल्क विधिक उत्तराधिकारी वारसान घोषित किए जाने हेतु आवेदन पत्र छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(फरहान एम. कुरैशी) इक्कीसवें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, जबलपुर (म.प्र.)

र.नं. 1043

In The Court of III Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur presiding Officer:

श्वेता तिवारी

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक

(MJC SUC/0000086/2023)

मदन मोहन परौहा.........आवेदक

Vs

आम जनता......... अनावेदक

Process Id- /2023

पेशी दि.:-15/09/2023

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता - जबलपुर म.प्र.
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मदन मोहन परौहा पता पोस्ट आफिस कूड़न ग्राम कूड़न जिला कटनी म.प्र. 483330 ने मृतक गोपाल कृष्ण परौहा निवासी पानी टंकी नं. कटरा, आधारताल जबलपुर की भारतीय डाकघर बचत बैंक द्वारा शाखा आनंद नगर जबलपुर में जमा राशि प्राप्ति हेतु सम्पत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 15 सितम्बर 2023 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 15 सितम्बर 2023 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 11 अगस्त 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा-

टिप्पणी -प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 कुल राशि 244000 रूपये दो लाख चौवालीस हजार रूपये की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(श्वेता तिवारी) तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जबलपुर, (म.प्र.)

र.नं. 1055

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAWAHARLAL NEHRU KRISHI VISHWA VIDYALAYA, JABALPUR

SHORT TENDER NOTICE

No. E.E./Tender/2023/891 Dated- 23.08.2023

Sealed tender are invited from Registered Contractor/ Firm in PWD/MES/CPWD by Registered post /Speed post only for Supply & Fixing Fencing of chain link mesh at D.P. of Registrar Feeder and Repair/ Renovation work of Floor of Poly house/ Green House, behind DRS Office, JNKVV. Jabalpur and Construction of Poultry Farm Unit & Mushroom Production Unit at C.O.A., Tikamgarh. The detailed specification and tender document can be obtained from the office of the undersigned on payment of Rs. 1,000/-.

The last date of issue of the tender document - 29.08.2023 up to 5.00 PM
The last date of submission of tender document - 05.09.2023 up to 5.00 PM
Date of opening of the tender - Next working day

IPRO/EE/2023/31 Executive Engineer

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

क्षेत्रीय कार्यालय- प्लाट नं. 1170, प्रथम तल, शिवमूला टावर, राइट टाउन, जबलपुर- 482002
फोनः 0761-2409203

ई- नीलामी द्वारा वाहन नीलामी की सूचना

वाहनों के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित वाहन जो **बैंक ऑफ बड़ौदा** प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी / प्रभारित है, जिसका कब्जा **बैंक ऑफ बड़ौदा** प्रतिभूत लेनदार के नीचे दी गई शाखा के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहाँ है जैसा है और जो कुछ भी है"** एवं **"दायित्व रहित के आधार पर"** निम्नलिखित वर्णित ऋणीयों से **बैंक ऑफ बड़ौदा** प्रतिभूत लेनदार की निम्न वर्णित बकाया राशि की वसूली हेतु ई- नीलामी द्वारा बेची जाएगी।

क्रं.	शाखा	उधारकर्ता/मालिक/ जमानतदार के नाम	ईएमडी खाता नं. एवं आईएफएससी कोड	21.08.2023 तक बकाया राशि (ब्याज व अन्य खर्च छोड़कर)	वाहन का विवरण	रजिस्ट्रेशन नं.	आरक्षित मूल्य (रू.)	ईएमडी 10%
1	उमरिया मो.नं. 7987431514	मेसर्स श्री शारदा ट्रेडर्स प्रोपराइटर श्री वीरेन्द्र सिंह सेंगर, वार्ड नं. 14, सुभाषगंज, उमरिया (म.प्र.)- 484661	49230015181219 BARB0UMARIA	443506.11/-	TATA SUMO	MP09 AC7965	90,000/-	9,000/-
					TATA SUMO	MP09 AC7966	1,32,374/-	13,237.4

ईएमडी, KYC दस्तावेज जमा करने की अंतिम दिनांक 28/09/2023, दोपहर 4.00 बजे तक **ई-नीलामी दिनांक 29/09/2023 दोपहर 2.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक**

विस्तृत नियम एवं शर्तें पोर्टल **https://www.bankofbaroda.com/e-auction.html** और सेवा प्रदाता वेबसाईट **https://bob.auctiontiger.net** में उपलब्ध हैं।

दिनांकः 25/8/2023, स्थानः जबलपुर **प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, जबलपुर**

देश-प्रदेश

उवाच

कांग्रेस ने छिंदवाड़ा में जो दशकों तक नहीं किया, भाजपा ने सालों में कर दिखाया

भोपाल, देशबन्धु। आज छिंदवाड़ा के लिए ऐतिहासिक दिन है, विकास की सौगातों से भरा दिन है। कांग्रेस की सरकारों ने दशकों लंबे अपने शासन में छिंदवाड़ा के लिए जो नहीं किया, वो भाजपा की सरकार ने कुछ सालों में कर दिया। भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने आज सैकड़ों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट छिंदवाड़ा जिले को दिए हैं। इनमें से माचागोरा जलाशय जहां जिले के 711 गांवों को हराभरा बनाएगा, वहीं, जाम सांवली में 314 करोड की लागत से बनने वाला भव्य हनुमान लोक लाखों हनुमान भक्तों की आस्था को प्रबल बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने सारणी को दी सौगातें, 4 हजार करोड़ से अधिक के पॉवर प्लांट के लिए किया भूमि पूजन, बोले-

प्रदेश में ऊर्जा की कोई कमी नहीं रहेगी

- तेंदूपत्ता संग्राहकों को हितलाभ वितरण, चरण पादुका का वितरण
- सारणी में खुलेगी आईटीआई, महाविद्यालय बगडोना का नाम शहीद सरदार विष्णु सिंह गोंड के नाम पर होगा

सारणी/बैतूल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शासकीय महाविद्यालय बगडोना का नाम शहीद सरदार विष्णु सिंह गोंड के नाम पर किया जाएगा। पर्यटन नगरी मठारदेव में रोपवे के लिए सर्वे कराएंगे। शासकीय महाविद्यालय बगडोना में वाणिज्य और विज्ञान के संकाय प्रारंभ होंगे। सारणी में आईटीआई खोली जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज बैतूल जिले के सारणी में तेंदूपत्ता संग्राहकों को हितलाभ वितरण एवं चरण पादुका योजना अंतर्गत सामग्री वितरण और विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। बैतूल जिले के सारणी में 4 हजार 563 करोड़ रुपए के पावर प्लांट का निर्माण किया जाएगा। सारणी में विकास के कई काम होंगे। प्रदेश में ऊर्जा की कोई कमी नहीं रहेगी। हर-घर में नलों मे माध्यम से पीने का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर वन मंत्री कुंवर विजय शाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री दुर्गादास उईके, क्षेत्रीय विधायक तथा जन प्रतिनिधि, जनजातीय भाई-बहन, लाड़ली बहना तथा अन्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम के प्रारंभ में कन्याओं का पूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री जन आवास योजना के अंतर्गत सभी पात्र भाई बहनों को रहने के लिए घर और पट्टा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षकों की समस्याओं को हल किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इसरो की टीम को चांद पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस सफलता पर पूरे देश को गर्व है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नौकरी और स्वरोजगार के लिए सीखो और कमाओ योजना शुरु की गई है। अभी एक लाख पदों पर भर्ती चल रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों की मेडीकल, इंजीनियरिंग एवं उच्च्च शिक्षा की फीस राज्य सरकार भरवाएगी। राज्य सरकार की ओर से अपने स्कूल में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी दी जा रही है। बारहवीं कक्षा में 75 प्रतिशत अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहनों की जिंदगी बदलने से ही मेरा मुख्यमंत्री बनना सार्थक होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी किसानों को 6 हजार रुपए सम्मान निधि दे रहे हैं। हमने भी किसानों को 6 हजार रुपए देने का निर्णय लिया है। इस प्रकार किसानों को साल में 12 हजार रुपए दिए जाएंगे।

छतों और मुंडेरों से बरसे पुष्प

मुख्यमंत्री का सारनी आगमन पर नागरिकों ने अपने शहर को भव्यता से सजाया। नगर में प्रवेश करते हुए जनदर्शन को निकले मुख्यमंत्री श्री चौहान का जगह-जगह पलक पांवड़े बिछाए नागरिकों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। कहीं घरों की छतों से, कहीं मुंडेरो से तो कहीं मंचों से पुष्प मालाओं से पुष्प वर्षा की । शाल श्रीफल से मुख्यमंत्री श्री चौहान का आत्मीय स्वागत करने को नागरिकों के समूह आतुर थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान गुरूवार को सारनी में तेंदुपत्ता संग्राहकों को मुख्यमंत्री चरण पादुका योजना अंतर्गत सामग्री व हितग्राहियों को हितलाभ वितरण कार्यक्रम से पूर्व जन दर्शन कर रहे थे। बड़ी संख्या में आई लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहनाओं ने मुख्यमंत्री श्री चौहान की आरती उतारकर, अपने भैया को राखी भेंट कर फूल माला पहनाकर आत्मीयता से स्वागत-सत्कार किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान कालीमाई तिराहे से जनदर्शन करते हुए शोभापुर बस स्टेंड होकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे। मार्ग पर स्वागत द्वारों और रंगबिरंगे गुब्बारों से पूरा शहर सजा हुआ था।

मुख्यमंत्री से रेल मंत्री वैष्णव ने की सौजन्य भेंट

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रेल मंत्री श्री वैष्णव के मुख्यमंत्री निवास आगमन पर पुष्प-गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्री श्री वैष्णव को प्रदेश में जारी विकास गतिविधियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा प्रदेश में रेल सुविधाओं के विस्तार के संबंध में चर्चा की।

क्षमा त्रिपाठी ने भाजपा की सदस्यता ली

भोपाल, देशबन्धु। न्यूज चैनल भारत 24 की पूर्व इंटरटेनमेंट प्रोग्रामिंग हेड क्षमा त्रिपाठी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। उन्हें केन्द्रीय मंत्री व चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय मंत्री व प्रदेश सह चुनाव प्रभारी अश्विनी वैष्णव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल की मौजूदगी में पदाधिकारियों की मौजूदगी में उन्हें पार्टी की सदस्यता प्रदान की गई।

राहुल गांधी का बड़ा बयान

4 राज्यों में चुनाव जीत रही कांग्रेस

लद्दाख, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों लेह लद्दाख दौरे पर हैं, जहां वे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जान रहे हैं। साथ ही चुनाव को लेकर भी उन्होंने लद्दाख के कारगिल में बातचीत की। इस दौरान राहुल गांधी ने बड़ा बयान दिया। राहुल गांधी ने कहा 4 राज्यों में आगामी विधानसभा में कांग्रेस चुनाव जीत रही है।

राहुल गांधी जिन 4 राज्यों की बात कर रहे थे, वे मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना हैं, जहां चंद महीनों में चुनाव होने हैं। इन्हीं 4 राज्यों में राहुल गांधी ने जीत का दावा किया है। साथ ही उन्होंने कर्नाटक चुनावा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ऐसा कहा जा रहा था कि कांग्रेस पार्टी का डाउनफॉल होगा, कर्नाटक में किसका डाउनफॉल हुआ, क्या कांग्रेस का हुआ? आगे राहुल गांधी ने कहा कि हिमाचल में किसका डाउनफॉल हुआ, कांग्रेस का हुआ? इन दोनों जगहों पर कांग्रेस ही आई। अभी मध्य प्रदेश में चुनाव है, छत्तीसगढ़ में चुनाव है, राजस्थान में चुनाव है, तेलंगाना में चुनाव है, आप देख लेना इन राज्यों में भाजपा का ही डाउनफॉल होगा। कांग्रेस को इन चारों जगहों पर जीत मिलेगी।

12, तुगलक लेन बंगले में वापस नहीं जाना चाहते

लोकसभा की सदस्यता बहाल होने के बाद भले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनका पुराना बंगला 12 तुगलक लेन उन्हें फिर से आवंटित कर दिया गया हो, लेकिन अब वे इसमें वापस नहीं जाना चाहते हैं। इस बारे में उन्होंने लोकसभा की आवास समिति को पत्र लिखकर बता दिया है। 2004 में पहली बार अमेठी से सांसद बनने के बाद राहुल गांधी को 12 तुगलक लेन का बंगला आवंटित किया गया था। लेकिन इसी साल मार्च माह में मोदी सरनेम मामले में सूरत की एक अदालत द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी लोकसभा की सदस्यता खत्म कर दी गई थी। जिसके चलते 12 तुगलक लेन के आवास को खाली करके वे अपनी मां सोनिया गांधी के 10 जनपथ आवास में शिफ्ट हो गए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सम्मेलन को सम्बोधित किया, कहा-

सेवादल के सिपाही कांग्रेस की आंख और कान

भोपाल, देशबन्धु। आप सभी आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान केन्द्रों को आधार बनाकर अपने जैसे अन्य मजबूत साथियों का सहयोग लेकर इस चुनाव में अपनी महत्वपूर्ण सशक्त जिम्मेदारी को संभालेंगे। सेवादल के सिपाही कांग्रेस की आंख और कान दोनों हैं। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस सेवादल के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सेवादल को इस बात का गौरव महसूस करना चाहिए कि स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई में सेवादल ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। सेवादल का जन्म ही स्वतंत्रता आंदोलन से हुआ। सेवादल संगठन हमेशा कांग्रेस की विचारधारा को प्रचारित प्रसारित करता रहा है और जैसा सेवादल के उद्देश्यों में यह बात स्पष्ट है कि सेवादल कांग्रेस पार्टी और आम जनता के बीच एक सेतु का काम करता है।

उन्होंने कहा कि सेवादल के सिपाहियों से कहा कि जहां कही भी कोई गंभीर बात, जिससे पार्टी का नुकसान हो सकता है आप मुझें अवश्य सूचित करे। सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष योगेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सेवादल की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने प्रदेश के समस्त 230 विधानसभा क्षेत्रों में विधानसभा प्रभारी (नायक) नियुक्त किए, जिसके तहत विशेषकर ऐसे बूथ जहां हम लगातार हार रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 25 से 30 बूथ को जिताने के लिए सेवादल द्वारा प्रभावी रूप से कार्य किया जा रहा है। सेवादल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर नीखरा, महेन्द्र जोशी, कांग्रेस मीडिया अध्यक्ष के.के. मिश्रा, मोर्चा संगठन की प्रभारी श्रीमती शोभा ओझा ने सेवादल कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। इस अवसर पर कमलनाथ के समक्ष सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक करण सिंह लोधी, प्रदेश अध्यक्ष लोधी महासभा ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय पदाधिकारी लालजी प्रसाद मिश्र, चन्द्रप्रकाश बाजपेयी, महेन्द्र जोशी, मीडिया विभाग के अध्यक्ष के.के. मिश्रा, मोर्चा संगठन प्रभारी श्रीमती शोभा ओझा, सुश्री प्रतिभा रघुवंशी, छोटाबाबू राय, मोहन झलिया, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेतागण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महिला सेवादल की अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी रघुवंशी एवं आभार प्रदर्शन यंग बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने किया।

भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

छग में ईडी व आईटी लड़ रही कांग्रेस के खिलाफ चुनाव

नई दिल्ली, देशबन्धु। छत्तीसगढ़ में एक दिन पहले मीडिया सलाहकार और ओएसडी के घरों पर पड़े छापे के बाद दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सूबे में कांग्रेस का मुकाबला करने में सक्षम नहीं है तो ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और आईटी (आयकर विभाग) को मैदान में उतार दिया है। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहाकि केंद्र सरकार ईडी और आईटी के छापे डलवाकर उनकी सरकार को दबाने की कोशिश कर रही है।

उल्लेखनीय है कि यह सिलसिला 2020 में शुरू हुआ था। ढाई साल तक चुप रहने के बाद चुनाव नजदीक आते ही फिर से जारी हो गया। कथित शराब घोटाले में ईडी को सारे कागजात सौंप दिए गए हैं। बावजूद 2168 करोड़ का घोटाला बताया जा रहा है। नकली होलाग्राम का प्रयोग करने का आरोप लगाया गया। जबकि होलोग्राम डिज्टलर लगाता है,लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। ईडी ने आरोप लगाया कि सूबे के राजस्व को नुकसान पहुंचाया गया। जबकि राजस्व 3900 करोड़ से बढ़कर 6500 करोड़ पर

पहुंच गया। 500 करोड़ का कोयला घोटाला बताकर कर्नाटक,भोपाल और नोयडा में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जबकि आरोपी की कुल चल-अचल संपत्ति कुल 150 करोड़ ही है। सारे चाल मिलों में छापा मारकर धान घोटाला भी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहाकि राजनीतिक विद्वेष के चलते अब सूबे में 200 घरों में छापे पड़ चुके हैं, जिनमें एक भी घर भाजपा समर्थकों का नहीं है। छापे मारकर उन्हें डराने की कोशिश हो रही है, लेकिन ये जितना छापे डालेंगे,उतनी ही इनकी सीटें कम होती जाएंगी। जनता सच्चाई जानती है। पिछले चुनाव में भाजपा को 13 सीटें मिली थी। लेकिन इस बार इनका पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

ईडी मुझे प्रताड़ित कर रही है: शर्मा

रायपुर, देशबन्धु। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई छापे की कार्रवाई को राहजनी और डकैती करार दिए जाने के साथ प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

बीते रोज ईडी ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के आवास के अलावा मुख्यमंत्री बघेल से जुड़े दो अन्य लोगों के यहां भी छापे मारे थे। इस कार्रवाई के दौरान ईडी ने दस्तावेज और सोने के जेवरात आदि जब्त किए हैं। कार्रवाई के बाद विनोद वर्मा ने संवाददाताओं के सामने आकर अपनी बात रखी और कहा कि ईडी द्वारा की गई पूछताछ के दौरान उन्होंने अपने बयान में ईडी पर ही सवाल उठाए और साफ कहा कि ईडी द्वारा मुझे प्रताड़ित किया जा रहा है और जो भी आप (ईडी) कर रहे हैं वह राहजानी और डकैती है।

पूर्व विधायक के बेटे और बहू कांग्रेस में शामिल

भोपाल, देशबन्धु। रेगांव से भाजपा के पूर्व विधायक जुगल किशोर बागरी के बेटे देवराज बागरी और बहू वंदना बागरी कांग्रेस में शामिल हो गए। वहीं सागर, निवाड़ी, दतिया, सतना और शिवपुरी के कई नेताओं ने आज कांग्रेस का दामन थामा। इनके अलावा शिवपुरी से भाजपा के पूर्व विधायक के भाई

और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र जैन गोटू ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। वहीं निवाड़ी के जिला पंचायत सदस्य रोशनी यादव और राहतगढ़ के पूर्व जनपद अध्यक्ष नीरज शर्मा भी कांग्रेस में शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने उन्हें सदस्यता दिलाई। साथ ही नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत किया।

महिला कांग्रेस की मांग : 5 सौ में रसोई गैस सिलेंडर दे सरकार

भोपाल, देशबन्धु। महिला कांग्रेस ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मांग की है कि 3 महीने बाद तो कमलनाथ की सरकार 5 सौ रुपए में गैस सिलेंडर देगी ही, लेकिन यदि आप वाकई महिलाओं का सम्मान करना चाहते हैं तो 5 सौ रुपए में गैस का सिलेंडर देकर दिखाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में गैस सिलेण्डर के बढ़े हुए दाम वसूले गए हैं, वे भी महिलाओं के खातों में डलवाएं। यह बात महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल, मोर्चा संगठन की सह प्रभारी सुश्री प्रतिभा रघुवंशी और प्रवक्ता निकिता खन्ना ने आज संयुक्त पत्रकार वार्ता में कही।

उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कम से कम आखिरी दो-तीन महीने के लिए ही महिलाओं को लाड़ली बहना योजना में 2 हजार रुपए प्रति माह दें। महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले 18 साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार ने प्रदेश को देश में महिलाओं पर सबसे ज्यादा अत्याचार करने वाले प्रदेशों में शामिल कर दिया है। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध में प्रदेश के आंकड़े बहुत ही शर्मनाक हैं।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मेरा नाम BHUPENDRA SINGH लिखा हुआ है जो कि गलत है आधार कार्ड में मेरा नाम BHUPENDR SINGH PATEL दर्ज है जो कि सही है। अतः आज से मुझे BHUPENDR SINGH PATEL के नाम से जाना पहचाना एवं पढ़ा-लिखा जावे।

गलत नाम
BHUPENDRA SINGH
सही नाम
BHUPENDR SINGH PATEL

नाम परिवर्तन सूचना

मैं आर्मी नं. JC-583227M Rank SUB Name JAVED MULLA Presently residing at Vill-SANKESHWAR PO-SANKESHWAR Teh-HUKKERI Distt BELAGAVI (KARNATAKA) PIN- 591313 शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम ARMAAN दर्ज है जो कि गलत है मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम ARMAAN JAVED MULLA है जो कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड व स्कूल सर्टिफिकेट एवं अन्य कागजातों में दर्ज है, एवं मेरे पुत्र के इस नाम ARMAAN JAVED MULLA को पढ़ा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं. 36AA 755573 दिनांक 24/08/2023 नोटरी जबलपुर म.प्र.

गलत नाम-ARMAAN
सही नाम-ARMAAN JAVED MULLA

नाम परिवर्तन सूचना

मैं आर्मी नं. JC-583227M Rank SUB Name JAVED MULLA Presently residing at Vill-SANKESHWAR PO-SANKESHWAR Teh-HUKKERI Distt BELAGAVI (KARNATAKA) PIN-591313 शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम FARMAAN दर्ज है जो कि गलत है मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम FARMAAN JAVED MULLA है जो कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड व स्कूल सर्टिफिकेट एवं अन्य कागजातों में दर्ज है, एवं मेरे पुत्र के इस नाम FARMAAN JAVED MULLA को पढ़ा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं. 36AA 755575 दिनांक 24/08/2023 नोटरी जबलपुर म.प्र.

गलत नाम-FARMAAN
सही नाम-FARMAAN JAVED MULLA

नाम सुधार सूचना

मैं आकाश पटेल आत्मज देव करन पटेल निवासी- म. नं. 470, बजरंग नगर, कटंगी रोड लमती, जबलपुर, म. प्र. का निवासी हूँ। यह कि मेरे आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में मेरे पिता का नाम देव करन पटेल नाम दर्ज है, जबकि 10वीं एवं 12वीं में मेरे पिता का नाम देवकरन दर्ज है। देव करन पटेल (DEO KARAN PATEL) एवं देव करन (DEO KARAN) उक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरे पिता के ही नाम हैं। मेरे पिता का नाम देव करन पटेल को दर्ज कर पासपोर्ट की समस्त कार्यवाही को पूर्ण किया जावे।

देव करन पटेल (वर्तमान नाम)
देव करन (पुराना नाम)

PARWATI

कार्यालय संभागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./स. अधि./सं.क्रं. 5/2023-24/229 दिनांक 23/08/2023

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सावित्री सोंधिया पिता/पति स्व. मुन्नालाल सोंधिया ने भवन क्रं. 157 वार्ड जवाहरगंज भूतल 350 वर्गफुट शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 157 पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री गयादीन सोंधिया भवन क्र. 157 पिन नं. 42000240, 1000393548 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-05,
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सभा. अधि./13/मुख्यालय 2023/24/एम/135 दिनांक 24.08.2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भंडारी पॉलीक्लीनिक प्राइ. लिमि. जबलपुर द्वारा संचालक 1. श्रीमती अरूणा भंडारी पति श्री महेन्द्र कुमार भंडारी 2. डॉ. अजय भंडारी पिता स्व. श्री सी.आर. भंडारी 3. डॉ. राजीव भंडारी पिता स्व. श्री सी.आर. भंडारी ने मकान नं. 1119/2 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती क्षेत्रफल 2451 खुली भूमि व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक- 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभागीय अधिकारी, संभाग क्रं.-13
मुख्यालय नगर निगम, जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्रं.-07 अधारताल जबलपुर (म.प्र.)

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 65 2023-2024 दिनांक 21/08/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता श्री सुशील कुमार पटेल पिता स्व. श्री बृजवासी काछी ने भवन क्रमाक 1342 व 1352 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000429282 जलकर पिन नं. 2603926, पर विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी - श्रीमती दुर्गा बाई पति स्व. श्री ब्रजवासी काछी के भाग पर वार्ड दीवान आधार सिंह वार्ड, निर्मित भूतल 300 (स्वयं) सीमेंट शीट, 800 किराएदार विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति शपथ पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रमांक 07 में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी, संभाग क्रमांक-07,
अधारताल, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सभा. अधि./13/मुख्यालय 2023/24/एम/127 दिनांक 24.08.2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 1. श्री श्रेय सुहाने पिता श्री कमल सुहाने 2. श्री श्रोत सुहाने पिता श्री कमल सुहाने ने मकान नं. 783 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती क्षेत्रफल 1162 व.फु. भूतल 895+220 व.फु. प्रथम तल 961 व.फु. द्वितीय तल 810+58 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक- 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभागीय अधिकारी, संभाग क्रं.-13
मुख्यालय नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सभा. अधि./13/मुख्यालय 2023/24/एम/130 दिनांक 24.08.2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सौरभ लाम्बा पिता स्व. श्री नरेन्द्र लाम्बा ने मकान नं. 1987, 1988 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती बेसमेंट 250 व.फु. भूतल 250 व.फु. मृत्यु प्रमाण पत्र/रिलीज डीड के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक- 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभागीय अधिकारी, संभाग क्रं.-13
मुख्यालय नगर निगम, जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्रं.-07 अधारताल जबलपुर (म.प्र.)

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 66 2022-2023 दिनांक 22/08/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता श्रीमति खुशबू खान पति श्री मोहम्मद मजहर खान ने भवन क्रंमाक 4216 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000444015 विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी - श्री सुधीर कुमार के भाग पर वार्ड सुभाष चंद बोस वार्ड, विक्रय प्लाट रकवा 1650 व.फु., निर्मित भूतल 1200 व.फु. आर.सी.सी., विक्रय पत्र,के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रमांक 07 में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी, संभाग क्रमांक-07,
अधारताल, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/ दिनांक 23/08/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती देविका रिछारिया पत्नी स्व. श्री राजेश रिछारिया 2. कु. सुमिता रिछारिया पुत्री स्व. राजेश रिछादिया ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी वीरांगना अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक फ्लेट नं.- 212 द्वितीय तल ब्लाक ए राजुल पार्क न्यू तिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 46701182, 1000378589 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकवा .... व.फु. जिस पर द्वितीय तल 1100 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति सुशीला रिछारिया पति स्व. श्री ओ.बी. रिछारिया का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/ दिनांक 23/08/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती स्वाती सिन्हा पत्नी श्री धीरज कुमार सिन्हा, धीरज कुमार सिन्हा पिता श्री कुश कुमार सिन्हा ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी वीरांगना अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक पीएनओ84 -नर्मदा चैतन्य सिटी तिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003892623 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकवा 900 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 750 व.फु. आरसीसी प्रथम तल 750 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज हेमलता राय पिता बीरनारायण राय का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार, गोरखपुर, जबलपुर

रा.प्र.क्र./0781/अ-6/2023

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती दीप्ति अवस्थी पत्नि संदीप अवस्थी, निवासी- 1019/2, हाथीताल कॉलोनी, जबलपुर के द्वारा मौजा हाथीताल, प.ह.नं. 24/2, खसरा नं. 121/1(ख), 122/2, 123/1 (ख), 124/1 (ख), डाय. शीट नं. ... डाय. प्लाट नं... रकवा 2200 वर्गफुट/हेक्टे. को रजि. विक्रय दिनांक.... के माध्यम से विक्रेता श्रीमति शशि तिवारी पत्नि स्व. श्री ऐ.के. तिवारी से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र/वसीयतनामा/बटवारा नामा/हस्तांतरण पत्र/ फौती/ हकत्याग पत्र/ दान पत्र एवं नक्शा बंटाक की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है । अतः उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 06/09/2023 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 23/08/2023 को जारी।

जारी दिनांक- 23/08/2023
पेशी दिनांक- 06/09/2023
(मुहर) नायब तहसीलदार, गोरखपुर, जबलपुर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स आर.पी. आनंद पता-डी-154, आदर्श नगर, ग्वारीघाट रोड, जबलपुर म.प्र. 482008 पंजीयन क्रमांक- 04-14-01-00026-10 दिनांक 26/04/2010 भागीदार फर्म की डीड दिनांक 01/04/2021 में फर्म का पता- डी-154, आदर्श नगर, ग्वारीघाट रोड, जबलपुर म.प्र. अंकित है। त्रुटिवश पंजीयन आवेदन में फर्म का पता एम-1, पंचशील नगर, नर्मदा रोड, जबलपुर हो गया है, डीड के अनुसार पता- डी-154, आदर्श नगर, ग्वारीघाट रोड, जबलपुर म.प्र. किया जाना है। दिनांक 01/04/2021 को श्री आर.पी. आनंद फर्म से पृथक हो गये हैं और दो नये भागीदार फर्म में सम्मिलित हुए हैं। 1. श्रीमती प्रिया आनंद पत्नि श्री गगन आनंद, पता- डी-154, आदर्श नगर, ग्वारीघाट रोड, जबलपुर म.प्र., 2. कुनाल आनंद पिता श्री गगन आनंद, पता- डी-154, आदर्श नगर, ग्वारीघाट रोड, जबलपुर म.प्र. हैं।

उपरोक्त जहिर सूचना से किसी फर्म, संस्था, व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो हमारी उपरोक्त फर्म के कार्यालय में 15 दिवस की अवधि में सूचित करें, अन्यथा आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

मेसर्स आर.पी. आनंद
गगन आनंद, प्रिया आनंद,
कुनाल आनंद
पार्टनर

जबलपुर, शुक्रवार 25 अगस्त 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

उपलब्धि को फ़ीका करती घृणा

भारत के चन्द्रयान-3 के बुधवार की शाम को चन्द्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने से बहुत पहले ही उसकी कामयाबी लगभग निश्चित समझी जा रही थी साथ ही यह भी तय माना जा रहा था कि इसकी सफलता से (या कहें कि असफल होने पर भी) राजनैतिक, सामाजिक और धार्मिक- तीनों ही तरह के आपसी मतभेद सामने आ जाएंगे। इस उपलब्धि के लिये छीना-झपटी होने का पूर्वानुमान था और यह भी पहले से ही सोच लिया गया था कि इसका उपयोग अपने राजनैतिक विरोधियों और अलग तरह की धार्मिक आस्था रखने वाले लोगों या समूहों के लिये किया जायेगा; पर यह सब इतनी जल्दी होगा, यह नहीं सोचा गया होगा। वैज्ञानिक उपलब्धियां किसी एक देश की नहीं वरन समग्र मानव के ज्ञान व प्रतिभा की देन मानी जाती है। वैज्ञानिक विकास किसी एक देश का नहीं बल्कि वैश्विक होता है। इसलिये विज्ञान सम्बन्धी विचारों और शोधों-आविष्कारों का प्रतिफल दुनिया भर को मिलता है; पर भारतीयों ने अपनी इस उपलब्धि को बहुत संकीर्ण तो बना ही दिया है, उसका उपयोग वे परस्पर नफरत फैलाने के लिये वैसा ही कर रहे हैं जैसा कि धर्म, राजनीति या सामाजिक विचारों का, विशेषकर हाल के वर्षों में करते आ रहे हैं। ऐसा करके हम न सिर्फ इस बड़ी उपलब्धि को छोटा बना रहे हैं वरन देश-दुनिया के तरक्की पसंद व वैज्ञानिक चेतना से युक्त वर्गों के बीच स्वयं का कद भी घटा रहे हैं।

चन्द्रयान-3 की सफलता से यह तो साबित हो गया है कि हमारे देश के वैज्ञानिकों की प्रतिभा असीम है और वे अपनी उपलब्धियों का झंडा सर्वोच्च ऊंचाइयों तक फहराना चाहते हैं, लेकिन दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग हैं जो अपनी संकीर्णताओं से ऊपर उठना ही नहीं चाहते। वे नफरत के कीचड़ में गहरे धंसे हुए ही संतुष्ट हैं। अमेरिका, रूस व चीन जैसी सबसे बड़ी अंतरिक्ष शक्तियों के समकक्ष आने के बाद भी हम इस कामयाबी को उसी चश्मे से देख रहे हैं जिसका एक लेंस राजनैतिक विचारों का है तो दूसरा मज़हबी है। वैज्ञानिक उपलब्धि को वैज्ञानिकता की कसौटी पर कसने की बजाय ऐसे लोग चन्द्रयान-3 की सफलता को घृणा बढ़ाने का एक औजार बना रहे हैं। विज्ञान इंसानों को संकुचित विचारों से बाहर निकालने का काम करता है लेकिन लगता है कि भारत में विज्ञान जैसी विधा का भी उपयोग परस्पर नफ़रत बढ़ाना ही हो गया है। इसलिये इस उपलब्धि पर जो लोग झूम रहे हैं वे अपने मज़हब और राजनैतिक विचारों के कारण, न कि विज्ञान में कोई रुचि या विश्वास के चलते।

नफरत फैलाने व विरोधी विचारधारा के लोगों को नीचा दिखाने की जल्दबाजी देखिये कि अभी चन्द्रयान-3 ने अपना काम चांद की सतह पर ठीक से प्रारम्भ भी नहीं किया था और आनन-फानन में सोशल मीडिया पर इस कामयाबी को अपनी झोली में डालने के लिये वे लोग उतर पड़े जो मानते हैं कि विकास 2014 के बाद ही हुआ है। कहा जा रहा है कि 'देश की वैज्ञानिक प्रतिभा का सही इस्तेमाल अब कहीं जाकर प्रारम्भ हुआ है।' इसके पहले भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन (इसरो) के अस्तित्व को नकारना तो उनके लिये सम्भव नहीं था लेकिन बहुत चालाकी बरतते हुए संस्थान के आगे बढ़ने का श्रेय विक्रम साराभाई को दिया गया- माइनस जवाहरलाल नेहरू का नैरेटिव गढ़ते हुए। यह जानते हुए भी कि इसरो उन्हीं की देन है लेकिन उन्हें श्रेय न देकर वे अपने उन राजनैतिक आकाओं को खुश करना चाहते होंगे जिन्होंने हाल ही में दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू संग्रहालय का ही नाम बदल डाला है। एक पूरा समूह बुधवार की शाम से विरोधी विचारधारा, खासकर कांग्रेस के शासनकाल व उसकी उपलब्धियों पर पिला पड़ा हुआ है। हालांकि ये लोग इस बात का जवाब नहीं दे पा रहे हैं कि अगर भारत सरकार की देश के वैज्ञानिक विकास में इतनी ही रुचि है तो अंतरिक्ष विज्ञान विभाग के 2023 के बजट में 32 प्रतिशत की कटौती क्यों की गयी है? जिसके कारण चन्द्रयान-3 और आदित्य एल-1 जैसी परियोजनाओं को 12500 करोड़ रुपये कम मिले। यह उससे पिछले साल की तुलना में 8 फीसदी कम राशि थी।

अगर बात सियासी मतभेदों तक सीमित होती तो बहुत दिक्कत नहीं थी क्योंकि कांग्रेस मुक्त नारे के साथ आई मौजूदा सरकार हर कदम पर पूर्ववर्ती सरकारों को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं छोड़ती जो मानती है कि 2014 के पहले कुछ विकास ही नहीं हुआ था। इस उपलब्धि का सबसे दुखद दुरुपयोग वैसा ही हो रहा है जिसकी आशंका थी और जिसका देश आदी हो चुका है। नफ़रतियों ने चांद पर चन्द्रयान के उतरने को एक मज़हब के अनुयायियों पर जीत के रूप में पेश कर दिया है। इस आशय के मीम, संदेश और कार्टून सोशल मीडिया पर खूब वायरल किये जा रहे हैं कि 'कुछ देशों के तो केवल झंडों पर चांद है लेकिन भारत ने तो चांद ही फ़तह कर लिया है।' ये तो बहुत थोड़े से उदाहरण हैं। इस सफल चन्द्रयान-3 मिशन की आड़ में परस्पर वैमनस्य व घृणा का सैलाब ही सोशल मीडिया बह रहा है।

सभी को यह समझना होगा कि यह उपलब्धि पूरी तरह भारतीय तो है ही, सामूहिक भी है। किसी धर्म या राजनैतिक विचारधारा से इसका कुछ लेना-देना नहीं है। वैज्ञानिक शोध सार्वभौमिक होते हैं जिन पर किसी मज़हब या राजनीति से कोई लेना-देना नहीं होता। यदि हम अपनी इस महान उपलब्धि को इस प्रकार से सीमित करेंगे तो हमें इसके प्रति अन्य देशों से सम्मान की अपेक्षा नहीं करनी चाहिये। पहले हम तो इस कामयाबी का सम्मान करना सीखें। यह उपलब्धि देश की मेधा और समर्पण का एक बड़ा हासिल है और यह किसी एक वर्ग की नहीं समग्र मानव की उपलब्धि है। उसे वैसा ही लिया जाना चाहिये।

क्या भारत ग्लासनोस्ट या पेरेस्त्रोइका के लिए तैयार है?

■ डॉ राजाराम त्रिपाठी (किसान नेता)
एवं एम.राजेन्द्रन (स्वतंत्र पत्रकार)

इतिहास हमें बताता है कि उद्देश्य भले ही भविष्योन्मुखी और परिवर्तनकारी था, लेकिन अंतिम परिणाम हमारे विश्व की उस भूमि में रहने वाले 'लोगों' के लिए अच्छा नहीं था; जब 'सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक' (यूएसएसआर) के पूर्व संघ ने ग्लासनोस्ट और पेरेस्त्रोइका का प्रयोग किया था, तब यही हुआ था।

वर्तमान में अपनी चमक खो चुके 'ग्लासनोस्ट' और 'पेरेस्त्रोइका' शब्द का इस्तेमाल मूल रूप से 1980 के दशक में पूर्व सोवियत संघ में राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव की नीतियों का वर्णन करने के लिए किया गया था।

यह बात अब छुपी नहीं है, कि भाजपा सरकार एक गंभीर नीति परीक्षण कर रही है। यह जांचने के लिए कि क्या भारत, यानी इंडिया, संविधान की मूल-अवधारणा व मूल-संरचना में बड़े बदलाव का सामना कर सकता है।

ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के राजनीतिक नेता उस वास्तविकता को नजरअंदाज कर रहे हैं जब वे अपने कानूनी और आर्थिक थिंक टैंक के माध्यम से हमारे संविधान की उस 'मूल-अवधारणा' तथा 'मूल-संरचना' पर पुनर्विचार विचार करने का सुझाव देते हैं, जो आज भी प्रभावी रूप से न केवल जीवित है बल्कि उत्तरदायी भी है। 2014 में जो फुसफुसाहट दबी जुबान में शुरू हुई थी, वह 2023 में एक विचार प्रक्रिया की तरह दिखने लगी है, जिसकी सभी संचार प्लेटफार्मों पर भाजपा तथा उनके अनुषंगी संस्थानों, प्रतिष्ठानों द्वारा एकजुटता और दृढ़ता से वकालत की जा रही है।

विभिन्न शब्दकोशों के अनुसार, ग्लासनोस्ट 'सरकार को अधिक खुला और लोकतांत्रिक बनाने की नीति है'। -सीधे और एक शब्द में अगर कहें तो इसका मतलब है 'पारदर्शिता'। जबकि 'पेरेस्त्रोइका' एक शब्द है जिसका उपयोग 1980 के दशक के अंत में तत्कालीन सोवियत समाजवादी गणतंत्रों के संघ (यूएसएसआर) में बदलती राजनीतिक और सामाजिक संरचना का वर्णन करने के लिए किया जाता है- इसका सीधा सा अर्थ है 'पुनर्गठन'।

तब यूएसएसआर की चरमराती अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह दोनों नीतियां लागू की गईं, लेकिन 'यूएसएसआर' विघटित हो गया। अकादमिक और ऐतिहासिक रूप से यह सिद्ध हो चुका है कि कमजोर होते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में किसी भी व्यवस्था की बुनियादी संरचना में कोई भी भारी बदलाव विनाश का सफल नुस्खा है। विश्व के प्रमुख धुरी राष्ट्र का पतन हो गया, और दर्जनों नए स्वतंत्र राष्ट्रों का उदय हुआ जो आज भी शांति, आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए संघर्ष कर रहे हैं और इन हालातों में यह भी विचारणीय प्रश्न है कि ये राष्ट्र सही मायनों में आज कितने स्वतंत्र हैं।

संविधान सिर्फ कानूनों का संकलन मात्र नहीं होता- संविधान में परिवर्तन से पहले संविधान के समावेशी दर्शन को तथा उसमें अंतर्निहित नैतिक मूल्यों, आदर्शों को समझना जरूरी है। हर संविधान की मूल अवधारणा में निश्चित रूप से एक दर्शन समाविष्ट होता है, जैसे कि जापान की संविधान को 'शांति संविधान' कहा जाता है। किसी विशिष्ट मूल्य समूह से निर्देशित होकर संविधान में किसी परिवर्तन के बारे में सोचने के पूर्व हमें हमारे संविधान की बुनियाद जिन आदर्शों पर रखी गई है, उन्हें समझना होगा।

हमारे 'मूल अधिकार', 'नागरिकता', 'अल्पसंख्यक' एवं 'लोकतंत्र' से संबंधित प्रावधानों में किसी भी परिवर्तन के पूर्व हमें इनसे संबंधित संविधान सभा की बहसों और व्याख्याओं की रोशनी में देखना, समझना जरूरी होगा।

हमारी शासन व्यवस्था का चाल चरित्र चेहरा हमारे संविधान के बुनियादी अवधारणाओं के अनुरूप होना चाहिए।

> **चुनाव जीतने के बाद पार्टियां और उसकी सरकारें यह भूल जाती हैं यह सत्ता संप्रभु जनता द्वारा उन्हें देश के कल्याणकारी संचालन हेतु दिया गया 5 साल का अस्थाई पट्टा है, देश और संविधान का कोई मालिकाना हक नहीं। 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज का मतलब यह है कि सरकार की नीतियां इन्हें रोजगार प्रदान करने में विफल हो गई है, और यह जनसंख्या अपने पेट भरने के लिए सरकारी भिक्षान्न पर निर्भर है?**

इसलिए हमारे संविधान की 'मूल संरचना' से कोई छेड़छाड़ होती है तो इसका मतलब साफ है कि हम एक बड़े सुनिश्चित संकट की ओर बढ़ रहे हैं।

इंडिया यानी भारत की वर्तमान स्थिति यह है- सरकार का दावा है कि वह भारत के 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज मुहैया कराती है। क्या इसका मतलब यह है कि सरकार की नीतियां उनमें से आधे को भी रोजगार प्रदान करने में विफल हो गई है और यह जनसंख्या अपने पेट भरने के लिए सरकारी भिक्षान्न पर निर्भर है? यह अस्सी करोड़ जनसंख्या बाजार से अनाज नहीं खरीद सकती, जिससे उनकी खरीदारी से आर्थिक विकास में मदद मिल सके? बेरोज़गारी 8 प्रतिशत से अधिक है, और देश के कई हिस्सों में आर्थिक विकास की संभावनाओं और सामाजिक अशांति पर विभिन्न सरकारी और विश्वसनीय अनुसंधान संस्थानों के आंकड़ों पर विरोधाभासी दावे हैं। हकीकत तो यही है कि ग़रीबी, भूख सूचकांक, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा आदि में हम कई पायदान नीचे गिरकर विश्व की अंतिम कतार में हैं। बांग्लादेश नेपाल जैसे हमारे छोटे-छोटे पड़ोसी देश भी कई मायनों में हमसे आगे निकल गए।

ऐसी परिस्थितियों में, मान लीजिए कि सरकार मौजूदा जीवंत संविधान को खत्म कर देती है या एक नए प्रावधानों के साथ संविधान में बड़े पैमाने पर संशोधन करती है। जिसका उद्देश्य नए नियम निर्धारित करना ह' यह दिखाएगा कि सरकार ने इतिहास से दरअसल कुछ भी नहीं सीखा है।

हाल ही में बिना किसान तथा किसान संगठनों से कोई चर्चा किए देश की खेती और किसानों के कल्याण और पुनरोद्धार के नाम पर लाए गए 3-तीन नए कृषि-कानूनों की मंशा को भांपकर देश के किसानों ने एकजुटता और ऐतिहासिक आंदोलन के दम पर, नए कानूनों के विनाशक जिन्न को वापस बोतल में बंद तो कर दिया पर खतरा अभी टला नहीं है।

सरकार और उसके कानून निर्माता सोचते हैं कि वे लोगों द्वारा दिए गए 10 वर्षों के जनादेश के आधार पर ऐसा कर सकते हैं। यहां तक कि ईस्ट इंडियन कंपनी और एक हद तक ग्रेट ब्रिटेन की रानी ने भी भारत के लोगों द्वारा अपने शासकों के माध्यम से दिए गए पट्टे पर भारतीय धरती पर अपना संचालन शुरू किया।

आजादी के बाद, यहां तक कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी पिछले कई मौकों पर यह गलती की, लोगों के जनादेश का सम्मान करने में गलती की, यह भूल गए कि यह देश की जनता द्वारा प्रदत्त एक 'अस्थायी पट्टा' था। उन सभी कांग्रेसी नेताओं ने तो इसकी भारी कीमत चुकाई। लेकिन उनकी गलतियों का देश और देश के लोगों को भी नुकसान उठाना पड़ा।

चुनाव जीतने के बाद पार्टियां और उसकी सरकारें यह भूल जाती हैं यह संप्रभु जनता द्वारा उन्हें देश के कल्याणकारी संचालन हेतु दिया गया 5 साल का अस्थायी पट्टा है, देश और संविधान का कोई मालिकाना हक नहीं।

हमारे मौजूदा संविधान का एक लंबा इतिहास है, जो 9 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की स्थापना तक सीमित नहीं है। भारत के लोगों ने उस समय भारत पर शासन करने वाली सरकार के दबाव में 1773 के विनियमन अधिनियम को स्वीकार किया था।

यह कहना ऐतिहासिक रूप से गलत नहीं होगा कि भारतीय संविधान की उत्पत्ति 1773 के उस अधिनियम से शुरू हुई, जिसमें बहुसंख्यक आबादी को कोई अधिकार नहीं था।

अब हम 2023 तक तेजी से आगे बढ़ते हैं। हमारे संविधान की बुनियादी संरचना में सुधार के बारे में सत्ता, मीडिया और अकादमिक हलकों के गलियारों में जो सुगबुगाहट हो रही है, और उसकी आवाज गांव और कस्बों तक भी पहुंचनी चाहिए। क्योंकि, यह भारत के लोगों, यानी भारत के लिए एक अच्छा शगुन नहीं है।

इंडिया यानी भारत आज वैसी ही दुर्दशा का सामना कर रहा है जैसी 1773 में देखी गई थी। क्या हम भूल सकते हैं कि 1773 का रेगुलेटिंग एक्ट, जिसे 1772 का ईस्ट इंडिया कंपनी एक्ट भी कहा जाता है, वह ग्रेट ब्रिटेन की संसद का एक अधिनियम था। जिसका उद्देश्य भारतीय क्षेत्र में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के प्रबंधन में आमूल-चूल परिवर्तन करना था। तकनीकी रूप से, यह कंपनी पर संसदीय नियंत्रण और 'भारत में केंद्रीकृत प्रशासन' की दिशा में पहला कदम था।

ब्रिटिश सरकार ने तब संसद में, जो तर्क इस एक्ट के सफाई में दिये थे- यह ईस्ट इंडिया कंपनी के 'अधिकारियों' द्वारा भ्रष्टाचार और लोगों और संपत्ति का कुप्रबंधन को खत्म करने के हेतु है, ऐसे ही कुछ थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे महारानी और ग्रेट ब्रिटेन की गौरवशाली छवि धूमिल हो रही है।

क्या यह ग्रेट ब्रिटेन की संसद की वास्तविक चिंता थी या भारत अर्थात इंडिया पर कब्ज़ा करने का बहाना था?

क्या तब भारत के लोगों के लिए नियम बनाने के तर्कों और अब भारतीय संविधान में बदलाव के लिए सूचीबद्ध किए जा रहे कारणों में कोई समानता है? क्योंकि अगर यह ब्रिटिश शासकों की हमारी और हमारे देश की कोई वास्तविक चिंता होती, तो वे अपने एजेंडे के अनुरूप व्यवस्थाओं को बदलकर अगले 174 वर्षों तक हमारे देश को नहीं लूटते। यह निश्चित रूप से इंडिया यानी भारत के लोगों के व्यापक हित में नहीं था।

इतिहास गवाह है कि बदलाव सदैव कल्याणकारी साबित नहीं होते। इसलिए भारत के पहले से ही नाजुक सामाजिक-आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव या नए बदलाव लाने की शक्ति हासिल करने के बहाने के नतीजों से भी लोगों को सावधान रहना चाहिए। क्योंकि इसके दुष्परिणाम अंततः भारत के लोगों यानी भारत को ही भुगतने पड़ेंगे।

सीबीआई, ईडी को पीएमओ की निगरानी में लाना सत्ता का खुला दुरुपयोग

■ के रवीन्द्रन

प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीओ) और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) की तर्ज पर भारत के मुख्य जांच अधिकारी (सीआईओ) का एक नया पद बनाने का कथित कदम सर्वोच्च न्यायालय को दरकिनार करने का एक ज़बरदस्त प्रयास है। यह एक संपार्श्विक लक्ष्य के रूप में और सत्तारूढ़ दल के रूप में प्रमुख जांच एजेंसियों के उपयोग को संस्थागत बनाना है, या अधिक सटीक रूप से कहें तो, एक नापाक डिजाइन के हिस्से के रूप में इसे पीएमओ का राजनीतिक उपकरण बनाना है।

रिपोर्टों के मुताबिक, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रमुख नये अधिकारी को रिपोर्ट करेंगे, जैसे तीनों सेनाओं के प्रमुख सीडीएस और दो खुफिया एजेंसियों के प्रमुख एनएसए को करते हैं।

> **केंद्र अपना हिसाब-किताब बराबर करने के लिए राष्ट्रीय और राज्यों दोनों स्तरों पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का चयनात्मक रूप से उपयोग कर रहा है। इतना कि विपक्षी दलों ने राजनीतिक नेताओं की मनमानी गिरफ्तारी के खिलाफ सुरक्षा की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया था।**

इस कदम को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के प्रमुख के रूप में संजय मिश्रा के कार्यकाल के विस्तार को 'अवैध' माना था, जबकि अदालत ने इस तरह के विस्तार की अनुमति नहीं दी थी।

सरकार ने 2021 में कानून में एक संशोधन के तहत अपना बचाव करने की कोशिश की थी, जिसमें सीबीआई और ईडी के प्रमुखों को अधिकतम पांच साल तक के विस्तार की अनुमति दी गई थी, लेकिन अदालत ने कहा कि कानून का इस्तेमाल उसके फैसले को रद्द करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने मोदी सरकार की इस दलील के मद्देनजर मिश्रा को 15 सितंबर तक पद पर बने रहने की अनुमति दे दी कि 'व्यापक सार्वजनिक और राष्ट्रीय हित' के लिए उनका पद पर बने रहना आवश्यक है, क्योंकि वह अमेरिकी वित्तीय कार्रवाई कार्य बल के साथ बातचीत के लिए जिम्मेदार थे, जो कुछ पड़ोसी देशों जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है, की मांग के मद्देनजर भारत के मामले की समीक्षा कर रहा है। उनकी मांग है कि भारत को 'ग्रे सूची' में डाला जाये। लेकिन इसने मिश्रा के लिए पूर्ण तीसरे कार्यकाल की मांग को खारिज कर दिया, जिन्हें मोदी सरकार सबसे आज्ञाकारी अधिकारी मानती है।

यह व्यापक रूप से देखा गया है कि केंद्र अपना हिसाब-किताब बराबर करने के लिए राष्ट्रीय और राज्यों दोनों स्तरों पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का चयनात्मक रूप से उपयोग कर रहा है। इतना कि विपक्षी दलों ने राजनीतिक नेताओं की मनमानी गिरफ्तारी के खिलाफ सुरक्षा की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया था।

जहां एक ओर सर्वोच्च न्यायालय ने विपक्षी नेताओं की इस मांग को खारिज कर दिया था कि गिरफ्तारी के मामले में राजनेताओं पर विशेष प्रावधान नहीं किया जा सकता है, वहीं मिश्रा के विस्तार से संबंधित मामले में उसके रुख से पता चलता है कि वह अच्छी तरह से जानती है कि देश में इस संबंध में क्या चल रहा है।

केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग के मामले को समझना कोई रॉकेट साइंस नहीं है और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की समीक्षा विवादास्पद ईडी निदेशक की केंद्र के गंदे कामों के लिए निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने का एक बहाना मात्र है। यदि विचार एफएटीएफ की समीक्षा को सुविधाजनक बनाने के लिए था, तो सरकार उन्हें विशेष कर्तव्य पर एक अधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकती थी, लेकिन वह जो परिकल्पना करती है वह पूरी तरह से अलग व्यवस्था है।

नई व्यवस्था के तहत, प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई दोनों का परिचालन पर्यवेक्षण नये अधिकारी को सौंपा जायेगा, जो सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट करेगा, जिसकी गतिविधियां केंद्रीय एजेंसियों से जुड़े कई मामलों में संदेह के दायरे से ऊपर नहीं रही हैं।

मौजूदा व्यवस्था के अनुसार, दोनों एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती हैं। ईडी केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के तहत काम करती है और सीबीआई कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत काम करती है। जबकि तकनीकी रूप से दोनों संबंधित प्रशासनिक मशीनरी के अधीन बने रहेंगे, एक सामान्य प्रमुख की नियुक्ति एजेंसियों को राजनीतिक शक्तियों की इच्छाओं के प्रति अधिक लचीला बनाती है।

परिवर्तन के लिए उद्धृत प्रत्यक्ष कारण ईडी और सीबीआई की जांच के क्षेत्रों में ओवरलैपिंग का जोखिम है। जबकि ईडी मुख्य रूप से वित्तीय धोखाधड़ी पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें मनीलॉन्ड्रिंग और फेमा उल्लंघन से संबंधित मामले शामिल हैं, ऐसे मामलों की कोई कमी नहीं है जहां सीबीआई भ्रष्टाचार और अन्य आर्थिक अपराधों को भी उठाती है। एक साझा प्रमुख काफी तालमेल लाने में मदद करेगा, लेकिन इसके परिणामों को देखना मुश्किल नहीं है।

राजनीतिक असहमति को कुचलने और 'प्रतिनिधि लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने' के लिए जांच एजेंसियों का खुला दुरुपयोग किया गया है। एजेंसियों का इस्तेमाल कथित तौर पर खरीद-फरोख्त को बढ़ावा देने के लिए भी किया जा रहा है ताकि राज्यों में भाजपा समर्थक व्यवस्थाएं स्थापित की जा सकें।

महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य राज्यों में जो हुआ उससे हम सभी परिचित हैं, जहां केंद्र में सत्तारूढ़ दल के पक्ष में स्थिति को बदलने के लिए केंद्रीय एजेंसियों को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया गया है।

यह बताया गया है कि जहां 2004 से 2014 के बीच सीबीआई द्वारा जांच किये गये 60 प्रतिशत से कम राजनीतिक नेता विपक्षी दलों से थे, वहीं मोदी सरकार के तहत 95 प्रतिशत से अधिक मामलों में विपक्षी राजनेताओं को निशाना बनाया गया। यही पैटर्न ईडी के मामले में भी है, जिसमें 95 प्रतिशत जांच राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाते हुए देखा गया है।

पावन प्रसंग

व्यक्ति और समाज के बीच समन्वय

मनुष्य जीवन का निर्माण ही कुछ इस तरह से हुआ है कि वह न तो अपने आप में पूर्ण है और न सर्वथा आत्मनिर्भर। हम सबको अपनी जीवन यात्रा पूरी करने के लिए एक दूसरे के सहयोग एवं सहायता की आवश्यकता होती है। अकेले एकाकी जीवन चला लेना हमारे किसी

एक के लिए संभव नहीं है। हमारे जीवन का आधार हमारी सामूहिक भावना ही है। इसी भावना के बल पर मानवों की उन्नति और मानव सभ्यता का विकास हुआ है। यदि यही सामूहिक भावना न रही होती, सहायता, सहयोग और पारस्परिकता का अभाव रहा होता तो आज हम अपने को जिस उन्नत दशा में देख रहे हैं, उसमें न देखते, बल्कि अन्य पशुओं की भांति ही असंस्कृत तथा असभ्य जीवनयापन कर रहे होते। हम में यथार्थ मनुष्यता का विकास, सहयोग एवं सामूहिक भावना के आधार पर ही हुआ है, और पुनः इसको सुरक्षित एवं विकासशीलता रखने के लिए इसी आधार को दृढ़ तथा स्थायी बनाना होगा।

आज हम मनुष्य को जिस सुख-सुविधापूर्ण व्यवस्थित जीवन में देख रहे हैं, उसका सारा श्रेय उसकी उस सामूहिक एवं परस्पर सहयोग की भावना को ही है। मनुष्य ने इस ऊबड़-खाबड़ धरती को अपने निवास के योग्य बनाया है। बड़े-बड़े पर्वतों, जंगलों और सागरों में घुसकर जीवन-निर्वाह के साधन खोज निकाले हैं। कृषि और उद्योग धंधों का जो विकास किया है, वह क्या एक-एक करके किन्हीं अकेले मनुष्यों ने किया है? नहीं, निश्चित रूप से नहीं। यह उसकी वह सामूहिक एवं सामाजिक चेतना ही थी, जिसको आधार बनाकर वह जीवन पथ पर आगे बढ़ा है। जिस प्रकार आदिम युग में सामूहिक भावना की आवश्यकता थी, वैसे ही विकसित युग में भी उसकी आवश्यकता है। यह बड़े-बड़े कारोबार, कल-कारखाने, बड़ी-बड़ी योजनाएं और बड़े-बड़े निर्माण क्या बिना सहयोग के चल सकते हैं? संसार की वर्तमान व्यवस्था और उपस्थित उपलब्धियां तब तक ही ठहरी हुई हैं, जब तक संसार में सामाजिक चेतना का महत्व बना हुआ है। मनुष्य तब तक ही मनुष्य रूप में रह रहा है, जब तक उसकी सामाजिक चेतना सुरक्षित है, उसकी भावनाएं व्यापक एवं सार्वभौमिक हैं। अपने अस्तित्व के इस आधारभूत तथ्य का त्याग करते ही मानव सभ्यता का प्रलय हो जाएगा और आदिम कालीन बर्बर युग का शुभारंभ शुरु हो जाएगा। अब ऐसी स्थिति में जो मनुष्य केवल अपने तक ही सीमित रहकर व्यक्तिगत हानि-लाभ पर ही दृष्टि रखता है, वह समाज का विरोधी उसका शत्रु और अहित चिंतक है। सामाजिक चेतना ही मनुष्य में मनुष्यता का लक्षण है, वैसे वह भी अन्य जीवों की तरह ही एक जीव है।

हम सब अब एक सभ्य संसार के सुसंस्कृत मानव समाज के सदस्य हैं। इस सत्य से न तो इंकार किया जा सकता है और न इस सहज दायित्व से त्यागपत्र दिया जा सकता है। अस्तु, हम सब अपने इस महान दायित्व का पालन करने के लिए विवश हैं। अब जो दायित्व अनिवार्य है, अपरिहार्य है तो उसको खुशी-खुशी क्यों न निभाया जाए। हम क्यों न एक शिष्ट, सभ्य और सच्चे नागरिक बनें? इसी में हमारी और हमारे समाज की शोभा, सुरक्षा एवं स्वस्ति है। हम सब सबसे सभ्य, सच्चे नागरिक हैं इसकी प्रामाणिकता के लिए हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी व्यक्तिगत सुख-सुविधा और मान-प्रतिष्ठा के लिए समाज पर ऐसा कोई आघात न करें, जिससे उसकी शक्ति क्षीण हो, उसमें विशृंखलता अथवा निर्बलता आए। ऐसा कोई भी काम करना हमारे लिए अवांछनीय है, जिससे समाज में अशांति अथवा असुरक्षा की भावना बढ़े। हमारा नैतिक, सामाजिक तथा धार्मिक कर्तव्य है कि हम अपने सुख को पीछे रखकर समष्टिगत मंगल की कामना करें। स्वार्थ को त्यागकर परमार्थ को ग्रहण करें।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

भारत के वैज्ञानिकों की उपलब्धि असाधारण, जश्न में डूबा भारत

चांद के दक्षिण ध्रुव पर चन्द्रयान -3 की लैंडिंग के बाद भारत ने इतनी बड़ी खुशी कभी नहीं महसूस की होगी जितनी इस बार देखने को मिली है। भारत माता के जयकारों से गली-मोहल्लों में जश्न का माहौल है। चन्द्रयान मिशन टॉक ऑफ टाउन हो गया है। चौक-चौराहो पर चन्द्रयान- 3 की सफलता की बात होती सुनाई दे रही है। बड़े, बच्चे और वृद्ध की जुबान पर चन्द्रयान की बात है। यह भारत के वैज्ञानिकों की अथक मेहनत रंग लाई है। मोदी ने इस कामयाबी पर इसरो को बधाई देते हुए भारत के 140 करोड़ लोगों को भी चन्द्रयान-3 की लैंडिंग की सफलता पर बधाइयां दीं। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर जानकारी भेजेंगे। रोवर जानकारी उपलब्ध कराने के बाद चन्दमा की सतह पर जीवन की संभावना की जानकारी हासिल हो सकेगी। चन्द्रयान मिशन भारत की इस उपलब्धि से दुनिया नतमस्तक हो चुकी है। भारत की इमेज में चार चांद लग गया है। चंदामामा दूर के- इस अवधारणा को वैज्ञानिकों ने मन में पलने वाले भ्रम को तोड़कर भारत को प्रसिद्धि दिलाई है। सौर मंडल के राज खोलने में चन्द्रयान की अहम भूमिका रहेगी। भारत को दुनिया का ध्रुव तारा करार दिया जा रहा है। पश्चिमी देशों की दृष्टि पूर्व की तरफ है। दुनिया भारत के पांव पखारने के लिए लालायित है। हर मिशन की कामयाबी महान संस्कृति की परिचायक है जिसका लोहा दुनिया ने माना है। भारत को गरीब और बेचारा देश समझने वालों के गाल पर करारा तमाचा है। दुनिया में भारत की यह कामयाबी देशवासियों की है। आस्था और लगन से दूरदर्शी मकसद को सफल बनाने का कार्य देश की जनता ने किया है। भारत कभी पीछे मुड़कर नहीं देखता है। चांद के बाद मिशन सूरज के लिए वैज्ञानिक तैयारी कर रहे हैं। सूरज तक पहुंचने की आदित्य-1 की लॉन्चिंग हो सकती है। 378 करोड़ के अनुमानित खर्च से नवनिर्मित आदित्य-1 की लॉन्चिंग के बाद भारत विश्व का पहला देश होगा, जिसकी कामयाबी का कोई सानी नहीं है। सूर्य की निगरानी के लिए भेजे जा रहे इस आदित्य-1 उपग्रह के सभी उपकरणों का परीक्षण पूरा हो गया है। सूर्य को जानने के लिए अमेरिका ने करीब 22 मिशन भेजे सबसे ज्यादा नासा ने भेजा है। दुनिया में भारत का डंका बज गया है। अब चीन जैसे देश भारत से सौ कदम दूर रहने की सोच रहा है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

मुख्यमंत्री चौहान आज करेंगे सु-राज कॉलोनी योजना का शुभारंभ

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज शाम 4 बजे जबलपुर में सु-राज कॉलोनी योजना का शुभारंभ करेंगे। साथ ही अनाधिकृत कॉलोनियों के पात्र घोषित होने के बाद वहां अधो-संरचना विकास एवं भवन अनुज्ञा प्रदाय करेंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जबलपुर जिले के प्रवास पर आज सुबह 11.30 बजे भोपाल से हेलीकॉप्टर द्वारा कटंगी के समीप ग्राम गुबरा में बने अस्थाई हेलीपेड पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान सुबह 11.40 बजे कटंगी में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा दोपहर 1.25 बजे गुबरा से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर दोपहर 1.45 बजे रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर स्थित हेलीपेड पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान जबलपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद शाम 6.45 बजे वायुयान द्वारा भोपाल प्रस्थान करेंगे।

प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव भी आयेंगे

प्रदेश के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री तथा जबलपुर जिले के प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव आज जबलपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। प्रभारी मंत्री शुक्रवार की सुबह 11 बजे सागर जिले के गढ़ाकोटा से कार द्वारा कटंगी पहुंचेंगे तथा कटंगी स्टेडियम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ महिला सम्मेलन एवं विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। श्री भार्गव कटंगी से मुख्यमंत्री के साथ हेलीकॉप्टर द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर स्थित हेलीपेड आयेंगे। वे मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ जनदर्शन कार्यक्रम में तथा शहीद स्मारक गोलबाजार में आयोजित सु-राज कॉलोनी योजना के शुभारम्भ, अवैध कॉलोनियों को वैध किये जाने एवं हितलाभ वितरण के कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री भार्गव इन कार्यक्रमों के बाद कार द्वारा वापस गढाकोटा प्रस्थान करेंगे।

रेलवे के डबल पेंशन घोटाले पर रेलवे बोर्ड नाराज, मंडल के लेखा अधिकारियों पर बरसे वित्त नियंत्रक

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल में लगातार 12 सालों तक एक रिटायर कर्मचारी के दो बैंक खातों में पेंशन पहुंचने से लगभग 60 लाख रुपए का गड़बड़झाला सामने आने से हड़कम्प मचा हुआ है। इस मामले में ऑडिट विभाग ने भी अपने स्तर पर जांच शुरू करते हुए पूरी रिपोर्ट रेलवे बोर्ड दिल्ली को भेज दी है, वहीं पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य वित्त नियंत्रक ने भी जबलपुर रेल मंडल के लेखा विभाग के अधिकारियों से नाराजगी जताई जाने की खबर है। खास बात यह है कि जबलपुर रेल मंडल के लेखा विभाग ने इस मामले को कई माह तक दबा कर रखा था, लेकिन जब मीडिया के माध्यम से पूरी खबर उजागर हुई तो उच्च अफसरों को इस गड़बड़ी का पता लगा।

उल्लेखनीय है कि इस पूरे मामले में लेखा विभाग के दो कर्मचारी हर्ष वर्मा जो पमरे मजदूर संघ का मंडल कोषाध्यक्ष है, के अलावा घनश्याम पटेल की गंभीर लापरवाही सामने आयी है। इन दोनों कर्मचारियों को मेजर पेनाल्टी चार्जशीट एसएफ5 देते हुए उनसे लिखित में जवाब मांगा गया है।

बताया जाता है कि यह मामला मीडिया के माध्यम से सामने आने के बाद पमरे के आला अधिकारी भी अचंभित रह गये, क्योंकि इतना गंभीर मामले की जानकारी मंडल के लेखा विभाग के अधिकारियों को कई महीने से थी, किंतु उन्होंने इस मामले की जानकारी पमरे मुख्यालय के अफसरों को देना उचित नहीं समझा. जिसके बाद इस मामले में ऑडिट विभाग की एंट्री हुई और ऑडिट विभाग के अधिकारी पिछले दो दिनों से पेंशन भुगतान की फाइलों को खंगाल रहे हैं. वहीं आडिट विभाग ने इस गड़बड़ी की शिकायत रेलवे बोर्ड को दे दी है।

सूत्रों के मुताबिक इस मामले में पमरे मुख्यालय के आला अधिकारी भी मंडल के लेखा विभाग की कार्यप्रणाली से खासे नाराज बताये जा रहे हैं, क्योंकि इस मामले को स्थानीय स्तर पर अधिकारी दबाने का प्रयास करते रहे, क्योंकि इस मामले में मजदूर संघ का एक पदाधिकारी की संलिप्तता सामने आयी है, इसलिए मामले में लीपापोती की जाती रही। लेकिन अब यह संभव नहीं है।

पमरे प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस मामले में कोई भी दोषी कर्मचारी बचना नहीं चाहिए, चाहे वह कितना बड़ा रसूखदार क्यों न हो और भले ही वह किसी संगठन से जुड़ा हुआ हो।

एमपी ट्रांसको की लाइन से सीधी क्षेत्र को प्राप्त होगी रीवा से सोलर बिजली

जबलपुर, देशबन्धु। एमपी ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने 220 के.व्ही. रीवा (रम्स)-सीधी लाइन ऊर्जीकृत कर सीधी क्षेत्र के लिये विद्युत पारेषण का एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध करा दिया है। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने जानकारी देते हुये बतया कि एम.पी. ट्रांसको ने 51.28 करोड की अनुमानित लागत से अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्लांट रीवा के 400 के.व्ही. सबस्टेशन गुढ से 220 के.व्ही. सबस्टेशन सीधी के लिये 63 किलोमीटर डबल सर्किट लाइन तैयार कर इसे ऊर्जीकृत किया है। एम पी ट्रांसको के मुख्य अभियंता ए.बी. गुप्ता ने बताया कि इस महत्वपूर्ण सर्किट के ऊर्जीकृत होने से सीधी क्षेत्र को विद्युत पारेषण का एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध हो गया है और सीधी जिले की पारेषण क्षमता को सुदढता प्रदान हुई है। अब नये जिले मऊगंज सहित सीधी और 132 के.व्ही. सबस्टेशनों सिहावल, देवसर से जुड़े विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सोलर बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्यमंत्री को युवक कांग्रेस दिखाएगी काले झंडे

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी, पटवारी भर्ती घोटाले, कमीशन खोरी तथा प्रदेश मे पुलिस के गुंडाराज के विरोध में आज युवक कांग्रेस के रघु तिवारी एवं जसवंत सिंह ठाकुर के नेतृत्व में शारदा चौक से मालवीय चौक तक जनविरोध यात्रा निकालकर मालवीय चौक पहुंच कर शिवराज सिंह को काले झंडे दिखा कर विरोध प्रदर्शन करेगी।

विज्ञप्ति के द्वारा युवक कांग्रेस के सिद्धांत जैन एवं जुनैद कुरैशी ने कहा की प्रदेश में लगातार महंगाई बाद रही है गैस और सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, बेरोजगारी में प्रदेश पहले नंबर पर है मध्यप्रदेश का युवा पलायन करने को मजबूर है, प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में सत्ता में बैठे सरकार के दलालों के द्वारा परीक्षा में घोटाले के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं, प्रदेश में लगातार महिला अपराधों में वृद्धि हो रही है, लेकिन मामा की पुलिस प्रदेश में गुंडाराज स्थापित कर रही है।

अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य संबर्धित खाद्य उत्पादों विषय पर दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य संबधित खाद्य उत्पादों के मास्टर ट्रेनर के लिये प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिवनी, डिंडोरी, मंडला, छिंदवाड़ा, कटनी एवं जबलपुर जिले के लगभग 30 कृषि अधिकारियों ने भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी. के. कौतू ने अपने उदबोधन में कहा कि वैश्विक स्तर पर मिलेट्स के प्रति आम जनमानस में रुझान तेजी से बढ़ रहा है। इन परिस्थितियों में श्री अन्न आदिवासी क्षेत्र में बेहतर उत्पादन करें एवं उसका उत्पादकता बढ़ाने के लिये ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. पी.बी. शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री अन्न के उत्पादन तकनीक के साथ ही जैविक एवं प्राकृतिक खेती के विभिन्न शस्य क्रियाओ का ज्ञान होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम में संयुक्त संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, जबलपुर के.एस. नेताम ने बताया कि यह प्रशिक्षण आप लोगों को पूर्ण समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ प्राप्त करना होगा, ताकि आप अपने क्षेत्र विशेष में किसानों के उत्थान एवं विकास के लिये कार्य करें, साथ ही अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में किसानों के समूह बनाकर उन्हें आजीविका के साधन के रूप में मिलेट्स को कैसे अपना जीवन बेहतर कर सकते हैं, इस दिशा में कार्य करने के लिये प्रेरित किया। परियोजना संचालक डॉ. एस. के. निगम ने बताया कि श्री अन्न उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीक एवं पहचान कैसे करें साथ ही बेहतर उत्पादन के लिये किन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

जबलपुर डॉ. पी.बी. शर्मा, के.एस. नेताम, डॉ. एस.के. निगम मचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना पांडे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आभार प्रदर्शन डॉ. राजेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. अल्पना सिंह, डॉ. प्रतिभा परिहार, डॉ. अर्चना पांडे, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, सहित वैज्ञानिक, विभाग के कर्मचारी आदि की उपस्थिति रही।

उद्यमी, डाकघर से कर सकेंगे अपने उत्पाद का निर्यात

पोर्टल पर कराना होगा पंजीकरण

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर जिले के उद्यमियों के लिए अच्छी खबर है कि सरकार ने छोटे कारोबारी को बड़ी राहत दी है पोस्ट ऑफिस के जरिये आसानी से एक्सपोर्ट कर सकेंगे अपना प्रोडक्ट भारत के डाकघरों के विशाल नेटवर्क का उपयोग करने और एमएसएमई को ई-कॉमर्स या अन्य रेगुलर चैनलों का उपयोग करके ग्लोबल मार्केट में एक्सपोर्ट करने में सक्षम बनाने के लिए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने डाक के जरिए एक्सपोर्ट के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम को अधिसूचित किया है। इसके तहत एक्सपोर्ट को विदेशी पोस्ट ऑफिस में जाने की जरूरत नहीं होगी और वह नजदीक के डाकघर में एक्सपोर्ट पार्सल जमा कर सकते हैं। प्रधान डाकघर में निर्यात केंद्र खोला गया है अब कोई भी उद्यमी अपना उत्पाद कोरियर से कम शुल्क पर विदेश भेज सकेगा सामान के भार के अनुसार अलग-अलग देशों के लिए शुल्क भी तय कर दिया गया है जो दूरी समेत अन्य मानको के आधार पर डाकघर के पोर्टल पर बुकिंग के दौरान स्वतः जनरेट होगा।

चेम्बर अध्यक्ष प्रेम दुबे ने बताया कि डाक अधीक्षक के अनुसार इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए उद्यमियों को डाक विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। और निर्यातक होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। बुक कराए गए पार्सल का कस्टम क्लीयरेंस दिल्ली में होगा। उसके बाद उसे वहां से विदेश भेज दिया जाएगा। निर्यात किए जाने वाले सामान की पैकिंग उद्यमी को स्वयं करनी होगी। संदेह होने पर डाकघर में पैकिंग खुलवाकर जांच की जा सकती है।

बैठक में जबलपुर चेंबर के अध्यक्ष प्रेम दुबे, रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर के अध्यक्ष दीपक जैन, राधेश्याम अग्रवाल, अजय अग्रवाल, नरिंदर सिंह पांधे, शशिकांत पांडेय एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

धर्मेंद दिल्ली एवं परवीन हरियाण के बीच मुकाबला हुआ

जबलपुर, देशबन्धु। उस्ताद स्व. श्री गंगा प्रसाद तिवारी-बाजपेई अखाड़ा, सदर बाजार, जबलपुर में विगत 139 वर्षों से निरंतर विराट ईनामी दंगल का आयोजन द्वितीय दिवस 4:00 बजे प्रारंभ हुआ। बजरंग बली की पूजन अर्चना कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मदन तिवारी, आलोक चंसौरिया, अभिषेक

चौकसे, नरेश तिवारी (दंगल समिति के अध्यक्ष) आदि के द्वारा प्रारंभ किया गया। जिसमें शहर के एवं अनेक अखाड़ों के पहलवानों के साथ-साथ अनेक प्रदेशों के पहलवानों ने हिस्सा लिया। बुधवार को 43 कुश्तीयां हुई, जिसमें प्रमुख्य रूप से धर्मेंद पह. दिल्ली एवं परवीन पह. हरियाण के बिच में 5 मिनट तक कुश्ती चली जो कि बराबर रही, लवकुश पह. मथुरा की मोनू पह. उत्तरप्रदेश के बीच का मुकाबला भी बराबर का रहा, सौरभ पह. मथुरा की आयुष पह. जबलपुर के कुश्ती हुई। जिसमें आयुष पह. ने 3 मिनट में धाक दांव लगाकर कुश्ती में विजयी प्राप्त की, मोहम्मद पह. जबलपुर की मनजीत पह. जीआरसी के बीच कड़े मुकाबले में मोहम्मद पह. ने निकाल दांव लगाकर विजयी प्राप्त की। उपस्थित अतिथियों के द्वारा शीड एवं नगद राशि से पुरूस्कृत किया।

कार्यक्रम का संचालन सुशील विनोदिया, प्रहलाद श्रीवास्तव, के द्वारा किया गया। निर्णनायक मण्डल का दायित्व नरेश गुप्ता, राकेश खलीफा, गुरू खलीफा, अर्जुन यादव के द्वारा निभाया गया। कार्यक्रम में सहयोग के लिए शिवदत्त चौबे, सुरेश तिवारी, संदीप चौकसे, मन्तो पह., मुन्ना रैकवार, सतीष पह., हीरा खलीफा, मानक खलीफा, संतोष खलीफा, किशोरी खलीफा, धीरज पह., अरूण पह., दीपक रजक, नीरज पह., रवि पह., सतीष पह., नरबद पह. का सराहनीय योगदान रहा।

महाप्रबंधक ने किया इंटरनेशनल मेज एंड वीट इम्पूव्रमेंट सेंटर का भ्रमण

जबलपुर, देशबन्धु। भा.कृ.अनु.प.-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर में इंटरनेशनल मेज एंड वीट इम्पूव्रमेंट सेंटर (सिमिट), भारत के महाप्रबंधक प्रोफेसर अरूण कुमार जोशी एवं बोर्ड लॉक इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एषिया (बीसा), भारत के प्रमुख डॉ. रविगोपाल सिंह ने 24 अगस्त, 2023 को भ्रमण किया। इस दौरान निदेषालय के कार्यवाहक निदेशक डॉ. पी.के. सिंह ने निदेशालय में चल रही अनुसंधान एवं तकनीकी हस्तातंरण से संबंधित जानकारी दी तथा निदेशालय में चल रहे अनुसंधान का प्रक्षेत्र भ्रमण कर जानकारी ली। इस दौरान संरक्षित कृषि में खरपतवार प्रबंधन, सीधी बुआई की गई धान में खरपतवार प्रबंधन, खरपतवार प्रतिस्पर्धी धान तथा मक्का में खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान पर चर्चा की। अतिथियों द्वारा निदेशालय में चल रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में संतोष व्यक्त किया तथा निदेशालय एवं बीसा के परस्पर समन्वय से और अधिक रूप से कार्य करने के बारे में आश्वासन दिया। भ्रमण के दौरान डॉ. वी.के. चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।

एडीआरएम ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का लिया जायजा

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर रेलवे स्टेशन के वेटिंग हाल में बैठकर अपनी ट्रेन का इंतजार कर रहे रेल यात्रियों से जब अधिकारियों ने रेलवे सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया तो यात्रियों ने स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं पर फीडबैक में बताया कि स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओ, खानपान व्यवस्था पर सरहाना की। मंडल के रेल अधिकारियों की टीम द्वारा आज गुरूवार को एसआइजी (स्टेशन इंप्रूव्ड ग्रुप) इंस्पेक्शन के दौरान स्टेशन पर साफ-सफाई वाटर वेंडिंग मशीन, डिजीटल क्लक रूम, लागेज स्केनर, लिफ्ट एवं एस्कलेटर सहित अन्य यात्री सुविधाओ का जायजा लिया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार के नेतृत्व में किये गए निरीक्षण में उन्होंने सभी विभागों को यात्री सुविधाएं और बेहतर बनाने के निर्देश दिये।

रेलवे शाखा अधिकारी अलोक तिवारी, नितेश कुमार सोने, पी.के. श्रीवास्तव, मृत्युंजय कुमार, धर्मेंद्र गुरयानी, रवि शंकर मीना, अम्बेश पाण्डेय तथा आर. के. तिवारी आदि ने उक्त निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म 1 से लेकर 6 नं. तक सभी प्लेटफॉर्मो का संघन निरीक्षण किया।

इस दौरान पर्यवेक्षक, पार्सल, टिकट बुकिंग, रेल रिले रूम आदि कार्यालय की साफ-सफाई एवं सर्कुलेटिंग एरिया पार्किंग क्षेत्र का निरीक्षण किया।

34 वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल कुश्ती प्रतियोगिता का आज होगा समापन

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे स्टेडियम में चल रही 34 वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल कुश्ती प्रतियोगिता के अंतर्गत गुरुवार को पुरुष वर्ग में 70 किग्रा, 79 किग्रा तथा 86 किग्रा वेट कैटेगरी में मैचों का आयोजन किया गया। पुरुष वर्ग के 70 किग्रा वेट कैटेगरी में रेलवे सुरक्षा विशेष बल के पहलवान वीरेन्द्र तथा पश्चिम रेलवे के पहलवान पवन कुमार ने फाइनल में अपनी जगह बनायी, रेलवे सुरक्षा विशेष बल के पहलवान ऋषि को ब्रोंज़ मैडल हासिल करने में सफलता मिली। 79 किग्रा वेट कैटेगरी के मैचों में उत्तर रेलवे के पहलवान प्रवीण कुमार तथा उत्तर रेलवे के पहलवान रवि ने फाइनल में अपनी जगह बनायी, रेलवे सुरक्षा विशेष बल एवं उत्तर पूर्व रेलवे के पहलवान ऋषि एवं प्रीतम ने ब्रोंज़ मैडल पर कब्ज़ा किया। इसी प्रकार 86 किग्रा वेट कैटेगरी के मैचों में पश्चिम रेलवे के पहलवान जतिन तथा उत्तर पूर्व रेलवे के पहलवान नादर देव ने फाइनल में अपनी जगह बनायी। रेलवे सुरक्षा विशेष बल एवं उत्तर पूर्व रेलवे के पहलवान सज्जन एवं प्रदीप सिंह ने ब्रोंज़ मैडल पर कब्ज़ा किया।

आज को 70 किग्रा, 79 किग्रा, 86 किग्रा एवं 61 किग्रा कैटेगरी के फाइनल मैच खेले जायेंगे। प्रतियोगिता के दौरान खेले गये मैचों में वर्ल्ड पुलिस कुश्ती में सिल्वर एवं ब्रोंज़ पदक विजेता महेन्द्र कुमार गुर्जर, कॉमनवेल्थ चैम्पियनशिप में सिल्वर पदक विजेता अमित एवं जयदीप एवं राष्ट्रीय स्तर के रेफरी रविन्द्र ने मैच रेफरी के रूप में कार्य किया। कुश्ती प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आज मुख्य अतिथि सुधीर कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक पश्चिम मध्य रेलवे, प्रदीप कुमार गुप्ता, महानिरीक्षक रेल सुरक्षा बल, अरुण त्रिपाठी, वरि. मंडल सुरक्षा आयुक्त एवं रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिती में आयोजित किया जायेगा।

11वीं एशियन जूनियर वुशू स्पर्धा में भारत ने जीते दो स्वर्ण सहित कुल 9 पदक

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश वूशु संघ के अध्यक्ष एनके त्रिपाठी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश वूशु संघ की सचिव विश्वामित्र अवॉर्ड से सम्मानित सारिका गुप्ता 11वीं एशियन जूनियर वुशु स्पर्धा में भारतीय वूशु दल की मुख्य प्रशिक्षक थी। उनके प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन में भारतीय वूशु दल ने इस स्पर्धा में भाग लिया एवं भारत ने दो स्वर्ण सहित कुल 9 पदक जीते। उन्होंने बताया सारिका भारतीय वूशु दल की प्रशिक्षक हैं साथ ही राष्ट्रीय स्पर्धाओं में मध्य प्रदेश को वूशु खेल में सार्वाधिक पदक जीतने वाले वूशु दल की भी प्रशिक्षक हैं। उनके मार्गदर्शन विगत तीन राष्ट्रीय खेलों में मध्य प्रदेश ने वूशु में सार्वाधिक पदक प्राप्त किए हैं। मध्य प्रदेश की तान्या जाटव भी इस स्पर्धा में शामिल थी एवं उन्होंने अच्छा प्रदर्शन कर 6वीं पोजीशन प्राप्त की ।

जानकारी के अनुसार 14 से 21 अगस्त 2023 तक मकाउ चीन में आयोजित 11वीं एशियाई जूनियर वूशु स्पर्धा में संपूर्ण एशिया के 28 देशों के लगभग 380 खिलाड़ियों ने भाग लिया और आपस में वूशु की विधाएं सांदा एवं ताओलू में प्रतिस्पर्धा की। इस स्पर्धा में भारत देश से कुल 32 सदस्य की टीम में, टीम लीडर सीईओ सुहैल अहमद के साथ 25 खिलाड़ी, 4 प्रशिक्षक (सारिका गुप्ता, चाओबी, मनोज चौहान, चिराग शर्मा) डॉक्टर राजेश गुप्ता एवं जज अभिलाष सक्सेना का दल भाग लेने पहुंचा था। भारत देश ने इस स्पर्धा में दो स्वर्ण, एक रजत, 6 कांस्य पदक सहित कुल 9 पदक प्राप्त किए हैं।

जिला स्तरीय रोजगार दिवस : 8 हजार युवाओं को ऋण वितरित

जबलपुर, देशबन्धु। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने राज्य शासन द्वारा प्रतिमाह आयोजित किये जाने वाले रोजगार दिवस कार्यक्रम के तहत गुरूवार को यहां भंवरताल स्थित संस्कृति थियेटर में आयोजित किये गये जिला स्तरीय रोजगार कार्यक्रम में शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत 8 हजार 70 युवाओं को 55 करोड़ 74 लाख रूपये के ऋण के स्वीकृति एवं वितरण पत्र प्रदान किये गये।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा आयोजित रोजगार दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रतीक के तौर पर कुछ हितग्राहियों को स्वीकृति एवं वितरण पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष ने लाभांवित युवाओं को स्वयं की इकाई एवं व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण स्वीकृति होने पर बधाई दी।

जिला स्तरीय रोजगार कार्यक्रम में जिन हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण पत्र प्रदान किये गये उनमें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 6 हजार 130 हितग्राहियों को 9 करोड़ 63 लाख 20 हजार रूपये, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 1 हजार 473 हितग्राहियों को 23 करोड़ 38 लाख रूपये, राष्ट्रीय आजीविका मिशन शहरी के तहत 22 हितग्राहियों को 33 लाख 73 हजार रूपये, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत 62 हितग्राहियों को 5 करोड़ 05 लाख 65 हजार रूपये, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 46 हितग्राहियों को 2 करोड़ 97 लाख 8 हजार रूपये, डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना के तहत 7 लाख 78 हजार रूपये, संत रविदास स्व रोजगार योजना के तहत 12 हितग्राहियों को 75 लाख 09 हजार रूपये, भगवान बिरसा मुण्डात स्वोरोजगार योजना के तहत 15 हितग्राहियों को दस लाख रूपये, टंट्या मामा आर्थिक कल्यालण योजना के तहत 3 हितग्राहियों को 3 लाख रूपये, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्य क उद्यम योजना के तहत 2 हितग्राहियों को 13 लाख रूपये तथा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 251 हितग्राहियों को 12 करोड़ 27 लाख रूपये स्वीतकृत त्रण शामिल है।

कार्यक्रम मे दौरान रोजगार दिवस के छिंदवाड़ा में आयोजित राज्य स्तयरीय समारोह से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संबोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया। जिला स्ततरीय रोजगार दिवस के कार्यक्रम में जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जॉब फेयर का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर शासन की विभिन्नज स्वारोजागर योजनाओं की जानकारी भी युवाओं को दी गई।

कार्यक्रम में जिला व्याापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक विनीत रजक, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के संभागीय समन्वेयक प्रो. अरूण शुक्लान, प्रो. राघवेन्द्र प्रताप सिंह चंदेल, अजय तिवारी, स्मार्ट सिटी इनक्यूबेशन सेंटर के अग्रांझु द्विवेदी भी उपस्थित थे।

महाराष्ट्र से आयी विधायिका पहुंची स्व. ओंकार तिवारी के घर, परिजनों से की भेंट

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष के निर्देशानुसार सर्वेक्षण टीम का गठन किया गया है। जिसमें आगामी चुनाव की तैयारी का सर्वेक्षण करने विधायक गणों का आगमन संस्कारधानी जबलपुर में हुआ है। इसी क्रम में उत्तर मध्य विधानसभा की पर्यवेक्षक के रूप में महाराष्ट्र से आयी विधायिका माधुरी मिसल का आगमन उत्तर मध्य विधानसभा की सबसे वरिष्ठ एवं जीत सुनिश्चित करने वाले महाराज की गाड़ी के नाम से प्रसिद्ध अपराज्य योद्धा पंडित ओंकार प्रसाद तिवारी की गाड़ी पर आगमन हुआ। इसके बाद परिवार के अनिल तिवारी, आलोक तिवारी, अनूप तिवारी एवं समस्त परिजनों के साथ निवास स्थल पर सौजन्य भेंट एवं कुछ प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई।

उनके आगमन पर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रवि गुप्ता मध्य प्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा के प्रदेश संयोजक अशीष त्रिवेदी युवा परिषद के एडवोकेट शुभम मिश्रा एवं अन्य सहयोगी संगठनों के कुछ प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित थे।

देशभक्ति गीतों की चली बयार, नृत्य में लोक संस्कृति की झंकार

आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन का स्थापना दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। सेना के जवानों की पत्नियों ने मंच पर देशभक्ति गीतों और नृत्यों की प्रस्तुति दी। सैनिकों की पत्नियों के कल्याण में बने आवा संगठन का 57वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मंच लूटा। आवा की जोनल अध्यक्ष मीता दास ने कहा कि भारतीय सेना जहां देश की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार है, वहीं सैनिकों के परिवारों के उत्थान के लिए आवा काम कर रही है। जहां महिलाओं को शिक्षा और सशक्तिकरण के साथ स्वरोजगार से जोड़ने का काम भी किया जा रहा है।

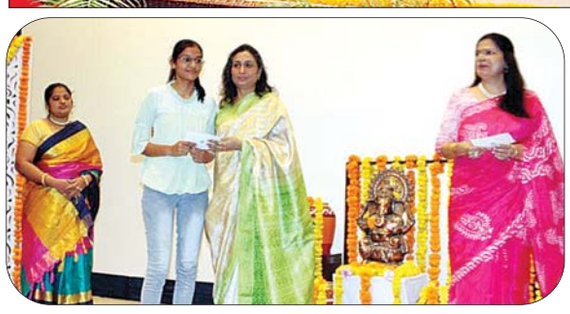

पूर्व रंग पर कई कार्यक्रम

स्थापना दिवस के पूर्व रंग में सूर्या कमांड यूनिट द्वारा स्वस्थ जीवन शैली पर टॉक शो, व्यवसाय कैसे स्थापित करें पर टॉक शो, चिकित्सा शिविर, सैनिक की मृत्यु पर परिजनों को मिलने वाले लाभ विषय पर व्याख्यान हुए।

उत्कृष्ट पुरस्कार सौंपे

कार्यक्रम में आवा अध्यक्ष अर्चना पाण्डे ने लाइव स्ट्रीमिंग, आवा गीत, अत्यधिक मोबाइल उपयोग के दुष्प्रभावों पर स्किट को प्रदर्शित करने वाले प्रतिभागियों को उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करने और आवा के लिए बेहतर काम करने वाली महिलाओं और बच्चों को सम्मानित किया गया।

इन्हें मिला सम्मान

कार्यक्रम में निहारिका शिंदे पत्नी ले. कर्नल भास्कर शिंदे, शालिनी कुमारी पुत्री सूबेदार कुलदीप राज को प्रशस्तिपत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया।

सावन के झूले पड़े...

जबलपुर, देशबन्धु। सावन के झूलों में बैठकर महिलाओं ने सावनी और कजरी गीत गाए। ग्रीन थीम पर हुए सेलिब्रेशन में एंटरटेनिंग गेम्स भी खेले गए। तिलहरी महिला की सदस्यों ने इसी तरह से सावन सेलिब्रेट किया। इस मौके पर दीपा सेन, कल्पना, अंजू वर्मा, ज्योति सोनी, सीमा, शिवांगी मौजूद रहीं।

शेखावाटी अग्रवाल समाज ने मनाया सावन महोत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। शेखावाटी अग्रवाल समाज द्वारा समाज की महिलाओं की प्रतिभा उन्नयन के लिये सावन महोत्सव आयोजित किया गया। महिलाओं द्वारा अति उत्साहपूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। रेणु बगड़ोदिया, कुसुम टीबड़ेवाला व आभा टीबड़ेवाला के कुशल संचालन व प्रिया टीबड़ेवाला की साज-सज्जा व्यवस्था ने आयोजन की गरिमा वृद्धि की। श्रीनिधि अग्रवाल व एकता सेक्सरिया ने मनोरंजक गेम्स का संचालन किया। हेमलता व पूर्ति टीबड़ेवाला तथा प्रांजुल व पारुल बजाज की नृत्य व गायन की आकर्षक प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। समाज के अध्यक्ष पवन बगड़ोदिया, सचिव सौरभ सेक्सरिया व भरत बजाज तथा कोषाध्यक्ष उमंग टीबड़ेवाला की विशेष अभिरुचि कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक रही। समाज के मार्गदर्शक पुरुषोत्तम पोद्दार व अरुण कान्त टीबड़ेवाला ने इस अभूतपूर्व सफल आयोजन के लिये बधाई अग्रेषित की।

बरगी डैम से तैरकर जिलहरी पहुंचे युवा

जबलपुर, देशबन्धु। तैराकी से स्वस्थ्य रहने का संदेश देने के लिए युवाओं ने बरगी डैम से जिलहरी घाट तक 25 किमी का सफर तैरकर पूरा किया। जिलहरी घाट नित्य तैराकी मंडल के तत्वावधान में हुए आयोजन में युवाओं ने भागीदारी दी। इस मौके पर शिवा विश्वकर्मा, राजू दुबे, कौशल यादव, कमलेश नेमा, विनोद, कपिल, अनमोल, शशांक, निखिल, राकेश मौजूद थे।

छात्राओं को बताए उद्यमी बनने के गुर

जबलपुर, देशबन्धु। शासकीय होमसाइंस कॉलेज की छात्राओं को मुख्य वक्ता डॉ. दुर्गा मिश्रा ने उद्यमिता और उद्यमी बनने के गुर सिखाए। इस दौरान उन्होंने बताया कि किसी भी साधारण हुनर को किस तरह से उद्यमिता में बदला जा सकता है। इस मौके पर शासन द्वारा युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. नंदिता सरकार, स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. ज्योति जैन, डॉ. मनीषा आर्या मौजूद रहीं।

प्रतियोगी परीक्षाओं के मिलेंगे लैक्चर

जबलपुर, देशबन्धु। कॉलेज में छात्राओं को एक माह तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाएगी। इसके लिए प्रतिदिन विशेष वक्ताओं के लैक्चर होंगे, जिससे छात्राओं को एग्जाम क्लीयर करने के टिप्स मिलेंगे। मानकुंवर कॉलेज में स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ द्वारा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। वक्ता वरुण सक्सेना ने कहा कि अंक निर्धारित कर विशेष योजना के साथ आगे बढ़ना चाहिए, हरीश वर्मा ने इंटरव्यू प्रक्रिया से रूबरू करवाया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. संध्या चौबे, प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. सुलेखा मिश्रा, डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी, डॉ. नेहा शाक्य, सविता तिवारी, कपिल नेमा का सहयोग रहा।

हेल्दी माइंड से मिलती है हैप्पी लाइफ

जबलपुर, देशबन्धु। हेल्दी माइंड से ही हैप्पी लाइफ मिलती है। क्योंकि मन खुश तो जग खुश। इसी विचारधारा को अपनाने के लिए आईसीआई जबलपुर ब्रांच और ब्रह्मकुमारीज कटंगा के तत्वाधान में वर्कशॉप आयोजित हुई। मुख्य वक्ता डॉ. ईवी स्वामीनाथन ने कहा कि सोशल स्टेटस, फाइनेंसियल स्टेट्स, फिजिकल स्टेट्स के साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है। कार्यक्रम में आईसीएआई चेयरमैन सीए कमल वलेचा, सेक्रेटरी सीए चांदनी आहूजा, विमला बहन, विकास भाई, सीए नीरज अग्रवाल, सीए प्रदीप गुप्ता, सीए प्रणव अग्रवाल, सीए अनुराग रावत, सीए आशीष चावला मौजूद थे।

भोपाल में मिला अमृत सम्मान

जबलपुर, देशबन्धु। विश्व हिंदी रचनाकार मंच, भोपाल द्वारा शहर की प्रभा बच्चन श्रीवास्तव और राजकुमारी राज रैकवार को अमृत सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान दोनों को राष्ट्रभाषा के लिए समर्पण और हिन्दी रचनाएं लिखने के लिए दिया गया है। इस उपलिब्ध के लिए सेम सीनियर सिटीजन क्लब द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर जादूगर एसके निगम, राघवेंद्र ठाकुर मौजूद थे।

जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया

जबलपुर, देशबन्धु। यादव समाज राधिका क्लब की ओर से जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। जिसमें राधा कृष्ण व गोपियों का रुप सभी ने रखा, राधा कृष्ण के भजन व गीतों पर क्लब की सभी महिलाओं ने एक से बढ़कर एक मंच पर अपनी-अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में प्रतियोगिता भी रखी गई, जिसमें कि प्रथम संगीता, द्वितीय अंजू, तृतीय आरती को स्थान प्राप्त हुआ। राधा कृष्ण को पुरस्कार दिया। सभी महिलाओं ने मिलकर राधा कृष्ण के गाने पर नृत्य किया एवं प्रसाद का वितरण किया। इस कार्यक्रम की संयोजक लवली यादव, रितु यादव, ज्योति यादव, रुबी यादव की ओर से रहा। अंत में सुधा यादव की ओर से कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन किया गया।

पठान फाउंडेशन लगाएगा फ्री मेडिकल चेकअप कैंप

जबलपुर, देशबन्धु। पठान फाउंडेशन द्वारा आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया, कि आगामी 10 सितंबर को फ्री मेडिकल चेकअप कैंप लगाया जाएगा। जिसमें शहर के वरिष्ठ डॉक्टर अपनी सेवाएं उपलब्ध कराएंगे एवं सभी प्रकार की पैथोलॉजी जांच भी मुफ्त की जाएगी। हाजी मजहर खान साहब के संयोजक में आयोजित मेडिकल कैंप मे चेयरमैन हाजी इसरार अहमद ने सभी मेंम्बरों से गुजारिश की है कि इस कैंप को सफल बनाने के लिए सभी सदस्य मेहनत करें। बैठक में जनाब सैयद अता-उर रहमान, रफीक खान,एडवोकेट शेख तबरेज, एडवोकेट अमीनुद्दीन कदीर, पहलवान जुनैद हैदर, लतीफ खान, हाजी सादिक खान, पप्पी खान, शफीक खान, तारिक सिद्दीकी बाबा, पहलवान रईस खान, सहित बड़ी तादाद में पठान फाउंडेशन के मेंम्बरान शामिल हुए। इस मौके पर पठान फाउंडेशन के जनाब हाजी सलीम बून खान की हज यात्रा से वापसी होने पर इस्तक़बाल किया गया। अंत मे रफीक खान ने तमाम मेंम्बरान हजरत का शुक्रिया अदा किया,

बीमारी से बचाव के लिए तन और मन दोनों स्वच्छ होना जरूरी

जबलपुर, देशबन्धु। स्वच्छता से स्वास्थ्य प्राप्त होता है यह सही है, किंतु तन की स्वच्छता के साथ साथ मन की स्वच्छता भी जरूरी है, इससे हम बहुत सारी मानसिक बीमारियां से बचते हैं। उक्त विचार सत्य साईं कैंसर सोसायटी और बड़ेरिया चेरिटेबल फाउण्डेशन की संस्थापक सदस्य अनिता बड़ेरिया ने गुरूवार को स्वच्छता से स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत सत्य साई कैंसर सोसायटी द्वारा इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी जबलपुर के सहयोग से वृद्ध आश्रम में नि:शुल्क स्वच्छता सामग्री की वितरण एवं जन जागरूकता अभियान के शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव आशीष दीक्षित ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अभियान है, पिछले वर्षों में हमें स्वच्छता की आदत पड़ने लगी है और इस तरह के जागरूकता के अभियान से लोगों में स्वच्छता की प्रवृत्ति और बढ़ेगी, जिससे बीमारियों से बचाव होगा। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी इस तरह के सभी अभियान में अपना पूरा सहयोग करेगी। यूथ रेडक्रॉस भी इस पर प्रमुखता से कार्य प्रारंभ कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रदेश प्रबंधकारिणी सदस्य डॉ. सुनील मिश्र ने किया। इस कार्यक्रम में निवासी वृद्ध जनों एवं आसपास के लोगों को स्वच्छता सामग्री किट का वितरण नि:शुल्क किया गया।

दैनिक राशिफल

शुक्रवार 25 अगस्त 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। श्रावण शुक्ल पक्ष की नवमी। नक्षत्र-जेष्ठा।

मेष

आज सांसारिक विषयों से दूर रहकर आध्यात्मिक विषयों में व्यस्त रहेंगे। गहन चिंतनशक्ति हर परेशानी में आपकी सहायता करेगी। रहस्यमयी विद्या के प्रति आज आपको अधिक आकर्षण रहेगा।

वृषभ

आज आपको गृहस्थजीवन में सुख का अनुभव होगा। परिजन तथा निकट के रिश्तेदारों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बनेगा। किसी छोटी यात्रा का आयोजन हो सकता है। विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से बातचीत होगी।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायी है। घर में शांति और आनंद का वातावरण बना रहेगा। आपके अधूरे काम पूरे होंगे। इससे आप को यश और कीर्ति मिलेगी। आर्थिक लाभ भी मिलेगा।

क.

कर्क

आज का दिन शांतिपूर्ण तरीके से रहें। आज आप का शारीरिक तथा मानसिक आरोग्य अच्छा नहीं रहेगा। शारीरिक रुप से पेट की पीड़ा रहेगी। मानसिक रूप से चिंता में रहेंगे। आकस्मिक खर्च होगा। वाद-विवाद को टालें।

सिंह

आज हर मामले में सावधानी बरतें। वाणी और व्यवहार में संयम बरतें। माता के साथ विवाद होने की संभावना है। आपके मन पर वैचारिक रुप से नकारात्मकता छा सकती है।

कन्या

आज शारीरिक ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होने से मन शांत रहेगा। काम में भी सफलता प्राप्त होगी। परिजनों और स्नेहीजनों के साथ संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। उनका सहयोग भी आपको प्राप्त होगा।

तुला

मानसिक दुविधा के कारण किसी निर्णय पर आना संभव नहीं हो पाएगा। आज आवश्यक काम की शुरूआत के लिए भी दिन उचित नहीं है। अपने व्यवहार में जड़ता के कारण आपको ही दु:ख होने की संभावना अधिक है।

वृश्चिक

आज आपको शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता का अनुभव होगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मुलाकात से आनंद होगा। किसी रमणीय स्थल पर प्रवास या पर्यटन की संभावना अधिक है।

धनु

आज अपनी बोली पर संयम रखें। आपको किसी बात पर गुस्सा भी आ सकता है। इससे किसी के साथ वाद-विवाद हो सकता है। मानसिक रूप से चिंता सताएगी। दुर्घटना से सावधान रहें। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा।

मकर

आज का दिन लाभदायी है। संबंधियों और मित्रों से आनंददायी मुलाकात होगी। विवाहोत्सुकों को इच्छित जीवनसाथी मिलने से आनंद में वृद्धि होगी। व्यापार की दृष्टि से भी लाभदायी दिन है।

कुंभ

आज आपकी शारीरिक और मानसिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में आपके काम की प्रशंसा होगी, जो कि आपके लिए आनंददायी रहेगी। कार्यालय में सहकर्मियों का भी सहयोग मिलेगा।

मीन

आज अधिकारियों के साथ संबंधों में दरार न पड़े, इसका ध्यान रखें। शारीरिक शिथिलता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। विरोधियों के साथ वाद-विवाद को टालें।

मा.

शिव पुराण चारों पुरुषार्थों को देने वाला है - चैतन्यानंद

जबलपुर, देशबन्धु। श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में आयोजित श्री शिव महापुराण के द्वितीय दिवस में पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद महाराज ने बताया कि शिव पुराण में चौबीस हजार श्लोक हैं, जिसमें सात संहिताएं हैं। शिव पुराण परब्रह्म परमात्मा के समान गति प्रदान करने वाला है। शिव पुराण में भगवान शिव का सर्वस्व है। इस लोक और परलोक में सुख की प्राप्ति के लिए आदरपूर्वक इसका सेवन करना चाहिए। यह निर्मल शिव पुराण धर्म, अर्थ, काम और मोक्षरूप चारों पुरुषार्थों को देने वाला है। प्रतिदिन आदरपूर्वक शिव पुराण का पूजन करने वाले मनुष्य संसार में संपूर्ण भोगों को भोगकर भगवान शिव के पद को प्राप्त करते हैं। वे सदा सुखी रहते हैं। कथा के पूर्व पार्थिव शिवलिंग निर्माण उनका दुग्धाभिषेक बिल्वपत्र अर्चन हुआ। शिवमहापुराण में नीरज वर्षा साहू, अभिलाष दीक्षित, नीता पटेल, राधा शुक्ला, प्रीति अग्रवाल, मनोज सेन आदि भक्त उपस्थित थे।

चन्द्रयान 3 के सफल प्रक्षेपण के लिए जागरूक क्रिष्चियन मंच ने दी बधाई

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जागरूक क्रिश्चियन मंच के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि भारतीय वैज्ञानिकों के द्वारा वर्षों की मेहनत के बाद जो चन्द्रयान 3 की सफलता हमारे देष को मिली है उससे आज हमारा देश पूरे विश्व में गौरवान्वित महसूस कर रहा है, एवं पूरे देश में खुशियों की लहर दौड़ पड़ी है।

डॉ. विक्रम साराभाई ने 1962 में एक सपना देखा था और उन्होने उस चीज़ की स्थापना की, जिसे अब इसरो के नाम से जाना जाता है। उनके द्वारा दिए गए निर्देश और इसरो के वैज्ञानिकों की समर्पित टीम की कड़ी मेहनत के कारण वह सपना अब साकार हो गया है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी भारतीयों को बहुत-बहुत बधाई। हमारे देश के रियल हीरो ए.राजा रन्जन, एम शंकरन, पी. वीरमुथुवेल, रितु करीधल, एस. सोमनाथ, एस. उन्नीकृष्णन नायर, जैसे महान वैज्ञानिकों ने अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद चन्द्रमा में तिरंगा लहराया है। यह अपने आप में गर्व की बात है जिससे पूरे देश में हर्षोल्लास का माहौल बना हुआ है।

इसी खुशनुमा माहौल में जागरूक क्रिश्चियन मंच ने भी देश की इस अभूतपूर्व सफलता के लिये देश वासियों को बधाई दी। मंच के जिलाध्यक्ष-रॉबर्ट मार्टिन, जेम्स एन्थोनी, क्रिस्टोफर नरोन्हा, फ्रांसिस अन्थोनी, फिलिप एन्थोनी, क्लेमेंट पायस, गुडविन चार्ल्स, एनोस विक्टर, हैरिस नथानियल, अल्बर्ट अन्थोनी, रिंकू पीटर, विक्टोरिया दास, लॉरेन्स मार्टिन, आनन्द राज अन्थोनी, फैलिक्स बरला, अरूण मार्टिन, विवियन मार्टिन, जेरोम फिलिप, डॉ. कैरोलीन अब्राहम, डॉ. एडलिन अब्राहम, फिलोमिना अब्राहम, डेजी डेनियल, ज्योति लाजरस, एलिजाबेथ फ्रांसिस, अलीशा मैथ्यूज़ आदि ने बधाई दी।

नन्हें-मुन्ने बच्चों की पढ़ाई चौपट कर शिक्षक लगे खेलों में

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संगठन के जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह ठाकुर ने बताया कि शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित हो रहीं हैं, जिसमें पी.टी.आई. (खेल/व्यायाम शिक्षक) को छोड़कर कुछ प्राथमिक शिक्षक जो कि अपने स्कूल छोड़ खेल शिक्षकों की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि प्राथमिक-माध्यमिक शालाओं में ओलम्पियाड परीक्षा एवं पालक शिक्षक समिति (एस. एम. सी.) का गठन होना है, ऐसे महत्वपूर्ण कार्य छोड़ कर प्राथमिक शिक्षक खेलकूद का मजा ले रहे हैं, जबकि वे ऐसे खेलों के महारथी है ही नहीं, ना ही उनके स्कूल के छात्र-छात्राओं का सिलेक्शन टीम में हुआ है, तो फिर ऐसे शिक्षकों को उनकी कक्षा अध्यापन कार्य के समय खेलों में सलंग्न कर नन्हें-मुन्ने बच्चों का अध्यापन कार्य का नुकसान क्यों किया जा रहा है? उनका भविष्य दांव पर क्यों लगाया जा रहा है? यह एक प्रश्न चिन्ह है?

मध्यप्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह ठाकुर, भास्कर गुप्ता, जीआर झारिया, ऋषि पाठक, दुर्गेश खातरकर, धर्मेंद्र परिहार, नितिन तिवारी, आकाश भील, विश्वनाथ सिंह, महेश प्रसाद मेहरा, सुरेंद्र परसते, भोजराज विश्वकर्मा, गंगाराम साहू, भोगीराम चौकसे, आदेश विश्वकर्मा, देवेंद्र राजपूत, पंकज हल्दकार, मनोज कोल, विशाल सिंह, चंद्रभान साहू, सतीश खरे, अंजनी उपाध्याय इत्यादि ने संभागीय एवं जिला क्रीड़ा अधिकारी से मांग की है, कि नन्हें -मुन्ने बच्चों की पढ़ाई का ध्यान रखते हुए भविष्य में शिक्षकों को कोच मैनेजर बना कर ना भेजा जाए। केवल शासकीय पी.टी.आई. शिक्षक वो भी महिला/छात्राओं की टीमों के साथ शासकीय महिला पी.टी.आई. एवं पुरुष/ छात्र टीम के साथ पुरुष पी.टी.आई. शिक्षक ही भेजे जाएं।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री शिव कुमार विश्वकर्मा -813 गौतम गंज निवासी श्री शिवकुमार विश्वकर्मा का निधन 24 अगस्त को हो गया है। वह श्रीमती शिवानी के पति तथा वेदांत और वैदिक के पिता थे और श्री राजाराम विश्वकर्मा और शांति विश्वकर्मा के बेटे थे अंतिम यात्रा आज 10 बजे ग्वारीघाट मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी। वह सुभाष विश्वकर्मा और सुधा विश्वकर्मा के भाई थे।

श्रीमती रामवती साहू- बदनपुर शक्तिनगर निवासी श्री रामनाथ साहू की धर्मपत्नी श्रीमती रामवती साहू (90) का निधन हो गया अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री विवेकानंद झा- नेशनल कालोनी रामपुर निवासी श्री विवेकानंद झा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज बाई पिल्लई- शारदा चौक नागपुर रोड निवासी श्री जेके पिल्लई की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज बाई पिल्लई (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कंधी लाल साहू- गंजीपुरा निवासी श्री कंधी लाल साहू (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती विमला देवी शर्मा- रांझी अमर नगर निवासी श्री विजय बहादुर शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती विमला देवी शर्मा (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती द्रोपती चौधरी- भीम नगर पोलीपाथर निवासी श्री जीतेन्द्र कुमार चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपती बाई चौधरी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लोकराम विश्वकर्मा- शिवाजी नगर अधारताल निवासी श्री लोकराम विश्वकर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गिरजा शंकर विश्वकर्मा- शुक्ला होटल लालमाटी निवासी श्री गिरजा शंकर विश्वकर्मा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती भागवती बाई रजक- बाई का बगीचा शीतलामाई वार्ड निवासी श्री पुत्तू लाल रजक की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती बाई रजक (77) का निधन हो गया।अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री मुरली चक्रवर्ती- कुम्हार मोहल्ला शीतलामाई निवासी श्री मुरली चक्रवर्ती (56) का निधन हो गया।अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती इंद्रा देवी चन्द्रा- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री बालानन्द चंद्रा की धर्मपत्नी श्रीमती इंद्रा देवी चन्द्रा (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गेंदा बाई गोंटिया- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री श्याम लाल गोंटिया की धर्मपत्नी श्रीमती गेंदा बाई गोंटिया (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

सना खान हत्याकांड में तेंदूखेड़ा विधायक के बयान नागपुर पुलिस ने किये दर्ज

पुलिस ने जारी किया था समन

जबलपुर, देशबन्धु। नागपुर की भाजपा नेत्री सना खान हत्याकांड के मामले में तेंदूखेड़ा विधायक संजय शर्मा का भी नाम सामने आया है। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें नोटिस भेजकर बयान के लिये नागपुर बुलाया। गुरुवार को कांग्रेस विधायक संजय शर्मा ने नागपुर पहुंचकर अपने बयान दर्ज करवाए। विधायक ने अपने बयान में बताया कि मुख्य आरोपी लगभग 15 साल पहले उनकी कंपनी में काम करता था। पिछले दस सालों से उन दोनों के बीच कोई संपर्क नहीं था। उल्लेखनीय है कि नागपुर निवासी सना खान उर्फ हिना खान (36) 2 अगस्त को जबलपुर गोराबाजार निवासी अपने पति अमित साहू उर्फ पप्पू से मिलने आई थी। दोनों ने लगभग 6 माह पूर्व कोर्ट मैरिज की थी। परिजनों से बात करने पर उसने जबलपुर में होना बताया था। अमित साहू के पकड़े जाने के बाद उसने पूछताछ के दौरान बताया कि उसने सना की डंडे से हमला कर हत्या कर दी और लाश मानेगांव स्थित पुल से नदी में फेंक दी थी। पुलिस ने हत्याकांड की जांच करते हुए उसके सहयोगी धर्मेन्द्र यादव, रब्बू यादव सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

नागपुर पुलिस ने हत्याकांड मामले में बयान दर्ज करवाने के लिए नरसिंहपुर जिले की तेंदुखेड़ा विधानसभा से कांग्रेस विधायक संजय शर्मा को समन जारी किया था। नागपुर पुलिस ने उन्हें बुधवार को बुलाया था। अधिवक्ता के माध्यम से विधायक ने व्यस्त होने के हवाला देते हुए एक दिन का समय मांगा था। कांग्रेस विधायक संजय शर्मा ने गुरुवार को नागपुर पहुंच पुलिस में अपने बयान दर्ज करवाए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित अन्य आरोपियों तथा मृतका सना उर्फ हिना खान से बातचीत व संपर्क होने के संबंध में जानकारी चाही थी। सना खान को वह नहीं पहचानते हैं, उनकी हत्या की जानकारी अखबारों के माध्यम से प्राप्त हुई थी।

मुख्यमंत्री के जबलपुर आगमन पर यातायात व्यवस्था लागू

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान की जन दर्शन कार्यक्रम को संबोधित करने आज शहर आ रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान कानून एवं यातायात व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए व्हीआईपी के आगमन /प्रस्थान एवं विभिन्न कार्यक्रम के दौरान यातायात डायवर्सन/पार्किंग व्यवस्था की गई है। जिसमें- रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय हेलीपेड से सर्किट हाउस नम्बर 01 तक- उपरोक्त मार्ग पर व्हीआईपी के आगमन दौरान नेहरा कम्पनी, आरडीव्हीव्ही, रिज रोड, लोहिया पुल, पेंटीनाका ,डिलाईट तिराहा, एम्पायर तिराहा, कैरब्ज तिराहा से सभी प्रकार के वाहनों का डायवर्सन किया जायेगा।

सर्किट हाउस नम्बर 01 से शीतलामाई घमापुर तक- उपरोक्त मार्ग पर व्हीआईपी के आगमन के दौरान एम्पायर तिराहा, कैरब्ज, डिलाईट, इलाहाबाद बैक चौक, पुल नम्बर 01, मालगोदाम चौक, एसआरपी क्रॉसिंग, सांई अस्पताल, चुंगी चौकी सतपुला से सभी प्रकार के वाहनों का डायवर्सन किया जायेगा। शीतलामाई घमापुर से शहीद स्मारक गोलबाजार कार्यक्रम स्थल तक- उपरोक्त मार्ग पर व्हीआईपी के आगमन दौरान कांचघर चौक , रामकृष्ण आश्रम ,बाई का बगीचा, गोपाल मंदिर ,घमापुर चौक, पाण्डे चौक, भानतलैया, बेलबाग तिराहा, छोटी ओमती चौक, भर्तीपुर ,बड़ी ओमती, मोहम्मदी गेट, अजाक थाना, घण्टाघर, तुलाराम चौक, राजीव गांधी तिराहा, करमचंद चौक, बगलामुखी क्रासिंग, मयूर लॉज क्रासिंग, मालवीय चौक, मढाताल तिराहा, तीन पत्ती चौक, सुपर मार्केट, ष्याम टाकीज तिराहा, से सभी प्रकार के वाहनों का डायवर्सन किया जायेगा। शहीद स्मारक गोलबाजार कार्यक्रम के दौरान मार्ग- जामदार अस्पताल तिराहा ,एमएच हाउस क्रॉसिंग, सुधा नर्सिंग होम, एचडीएफसी बैंक क्रांसिग, पवन स्थापक, ओमेगा अस्पताल, कछियाना, नेशनल अस्पताल क्रॉसिंग से गोलबाजार की ओर सभी प्रकार के वाहनों का जाना प्रतिबंधित रहेगा।

पद्मश्री कैप्टन डॉ. डाबर का पूर्व छात्रों न किया सम्मान

जबलपुर, देशबन्धु। क्राइट चर्च स्कूल्स अलुमिनी एसोसिएशन के छात्रों द्वारा पदमश्री कैप्टन डॉ. एमसी डाबर को उनकी क्लीनिक में छात्रों द्वारा सम्मानित किया गया। अलुमिनी के अध्यक्ष यातीन पटेल, सचिव रोहित खन्ना, एचएस श्रीवास्तव प्रदीप जैन, रामजी अग्रवाल, डॉ. वाईसी चाऊ, रविन्दर सिंह रील, विपिन लुनावत, जीता विश्वास, सुनील पिनयानी, दीक्षा झा, प्रदीप नायडू, प्रशुक्ता तिवारी, डॉ. सुधीर यादव, डॉ. प्रार्थना पटेल, मोहन तमस्कर, नितिन गांधी, पंकज शुक्ला, प्रभीर दत्ता, सत्यनारायण गुप्ता, कमलेश राय, संजीत तिवारी, नवनीत खण्डेलवाल, अंकित बबले, डॉ. गिरीश बुधरानी, उदयन तिवारी, निखिल पाहवा, जनित पटेल, राजेन्द्र साहू, समर सिंह यादव, हलत सिंह भोगल, रघुवंशी एवं उष मंडरेता ने उनको सम्मानित करते हुए बधाई दी।

चुटका परमाणु बिजली प्लांट जल्दी शुरू करने की मांग

प्रदेश में कार्बन उत्सर्जन 45 प्र.श. तक घटना जरूरी

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में वर्ष 2030 तक कार्बन उत्सर्जन 45 प्र. श. तक घटाने के लिए चुटका परमाणु बिजली प्लांट जल्दी शुरू होना चाहिए। वर्तमान में प्रदेश के 90 प्रतिशत थर्मल पावर प्लांटस से निरंतर कार्बन उत्सर्जन हो रहा है। डॉ पीजी नाजपांडे ने राज्यपाल को पत्र लिखकर आवश्यक निर्देश जारी करने का निवेदन किया।

उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान के 5वें शेडुल्ड में मंडला जिला शामिल है, इसके तहत राज्यपाल को निर्देश देने का अधिकार है। वर्तमान में विस्थापित की शिफ्टिंग नही होने से इस परमाणु बिजली प्लांट निर्माण में बाधा आ रही है। वास्तविक में इस प्लांट निर्माण के लिए चिन्हित 4 गांवों के 330 परिवारों शिफ्ट किया जाना है, जो वर्ष 2021-22 से नहीं हो पा रहा है, जब कि उनके लिए 30 हेक्ट भूमि में 330 आवास बनाये जा चुके है।

95 प्र.श. थर्मल प्लांट से सल्फर डाय आक्साईड का उत्सर्जन - डॉ. पीजी नाजपांडे ने बताया कि सेन्ट्रल इलेक्ट्रासिटी एथॉरिटी ने अप्रैल 2023 के रिपोर्ट में कहा कि प्रदेश 95 प्र.श. थर्मल पावर प्लांट से सल्फर डॉय आक्साईड का उत्सर्जन हो रहा है मात्र 5 प्रतिशत प्लांटस में फलू गैस डी सल्फाराझेशन सिस्टम एफजीडी लगाये गये है।

पर्यावरण बचाना संविधानिक कार्य है 9 रजत भार्गव एड. वेद प्रकाश अधौलिया, एड प्रभात यादव ने बताया कि राज्यपाल का संविधानिक कार्य है कि ये पर्यावण को बचाये इस कारण उन्हें निवेदन किया है।

पेटू मोर कंपनी एवं म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं. की मिलीभगत से बिजली बिलों में करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार

जबलपुर, देशबन्धु। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के आधार पर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के पदाधिकारियों द्वारा पे टू मोर कंपनी एवं बिजली विभाग की मिली भगत से बिजली बिलों में भारी भ्रष्टाचार किया गया उपरोक्त आरोप लगाते हुए ऊर्जा विभाग में शिकायत कर जांच की मांग की गयी। प्रांतीय संयोजक मनीष शर्मा ने बताया कि जबलपुर में पे टू मोर नामक निजी कंपनी जिसके संचालक प्रवीण कुमार साहू एवं प्रशांत साहू पिता सुदामा प्रसाद साहू द्वारा बिना किसी वैध अनुमति अथवा लायसेंस, अथॉरिटी के पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उत्तर दक्षिण, विजय नगर, शहरी संभाग क्षेत्र में उपभोक्ताओं को जारी किये जाने वाले विद्युत बिलों को स्वयं की रसीद प्रदान कर करोड़ों रूपये वसूल किये एवं स्वयं के खाते में जमा करवा लिये।

कुछ उपभोक्ताओं का पैसा बिजली कंपनी में जमा कर दिया और कुछ उपभोक्ताओं का पैसा गबन कर लिया गया जिसके फलस्वरूप जिन उपभोक्ताओं का पैसा नही जमा कियागया उनके बिलों में जोड़कर बिजली कंपनी द्वारा वसूली की गयी स्पष्ट है कि पे टू मोर कंपनी एवं बिजली विभाग द्वारा उक्त मामले में मिली भगत की गयी है यह फर्जीवाड़ा जनवरी 2019 से लेकर मार्च 2020 अवधि के दौरान किया गया।

मनीष शर्मा ने बताया कि बिजली विभाग में जब विभिन्न आरटीआई दायर की गयी उससे मिले जवाबों में स्पष्ट है कि बिजली विभाग द्वारा पे टू मोर कंपनी को किसी भी प्रकार का लायसेंस या अथॉरिटी उनके ऑफिस में बैठकर बिजली बिल वसूलने के संदर्भ में प्रदान किया गयाबिजली कंपनी द्वारा यह भी जानकारी दी गयी कि बिजली बिल की वसूली के लिए किसी भी निजी कंपनी को ठेका देने के लिए उपरोक्त अवधि या उपरोक्त अवधि के पहले कोई भी टेंडर नही निकाला गया था।

मुक्तभोगी उपभोक्ताओं द्वारा जब अधिक बिल वसूलने के संदर्भ में बिजली विभाग से शिकायत की गयी तब उपरोक्त मामले का खुलासा हुआ आरटीआई से प्राप्त जानकारी तथा प्रभावित उपभोक्ताओं द्वारा पुलिस में की गयी शिकायत एवं विद्युत कंपनी के संदर्भ में जानकारी प्रदान किये गये दस्तावेजों से स्पष्ट है कि पेटूमोर कंपनी के द्वारा अवैधानिक तरीके से बिजली विभाग के कर्मचारी या अधिकारियों की मिली भगत से उपरोक्त फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। उपरोक्त मंच के प्रफुल्ल सक्सेना, चंद्रमणि वर्मा, राकेश चक्रवर्ती, मयंक राज, विनीत आदि सदस्यों ने ऊर्जा विभाग में शिकायत करते हुए उपरोक्त भ्रष्टाचार में शामिल पे टू मोर कंपनी तथा बिजली कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है।

भोपाल गैस त्रासदी मामला, मॉनिटरिंग कमेटी की रिपोर्ट पर आवेदन पेश

हाईकोर्ट में समयाभाव के कारण सुनवाई टली

जबलपुर, देशबन्धु। भोपाल गैस त्रासदी मामले में मॉनिटरिंग कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर याचिकाकर्ता की ओर से एक आवेदन हाईकोर्ट में पेश किया गया। जिसमें कहा गया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 20 बिंदुओं में से सिर्फ 3 बिंदुओं पर ही कार्य हुआ है। जस्टिस शील नागू व जस्टिस अमरनाथ केसरवानी की युगलपीठ ने समयाभाव के कारण मामले की सुनवाई 31 अगस्त तक के लिये मुलतवीं कर दी।

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने साल 2012 में भोपाल गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन सहित अन्य की ओर से दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए भोपाल गैस पीड़ितों के उपचार व पुर्नवास के संबंध में 20 दिशा-निर्देश जारी किये थे। इन बिंदुओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने मॉनिटरिंग कमेटी गठित करने के निर्देश दिये थे। कमेटी को हर तीन माह में अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट के समक्ष पेश करनी थी। जिस पर न्यायालय उचित दिशा-निर्देश सरकार को देती। उक्त मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई जारी है। मामले के लंबित रहने के दौरान मॉनिटरिंग कमेटी की अनुशंसाओं का परिपालन नहीं किये पर एक अवमानना याचिका भी दायर की गई है। जिसमें आरोप है कि गैस पीड़ित व्यक्तियों के हेल्थ कार्ड तक नहीं बने है। अस्पतालों में आवश्यकता अनुसार उपकरण व दवाएं उपलब्ध नहीं है। बीएमएचआरसी के भर्ती नियम का निर्धारण नहीं होने के कारण डॉक्टर व पैरा मेडिकल स्टॉफ स्थाई तौर पर अपनी सेवाएं प्रदान नहीं करते है। मामले में आवेदक की ओर से आवेदन पेश किया गया। जिसमें कहा गया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 20 बिंदुओं में से सिर्फ 3 बिंदुओं पर कार्य हुआ है। बीएचएमआरसी में डाक्टर तथा मेडिकल स्टॉफकी कमी है। अस्पतालों में प्रर्याप्त जांच उपकरण व दवाईयां भी नहीं है। जिसके कारण पीड़ितों को उपचार के लिए भटकना पड़ रहा है। मॉनिटरिंग कमेटी की अनुशंसाओं का पालन नहीं किया जा रहा है। समयाभाव के कारण युगलपीठ ने याचिका पर सुनवाई 31 अगस्त को निर्धारित की है।

टीआई द्वारा झूठा प्रकरण दर्ज करने की एसपी करे जांच

हाईकोर्ट ने दिये निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। बेलबाग टीआई द्वारा आवेदक के खिलाफ झूठा प्रकरण दर्ज किये जाने का आरोप लगाने वाले मामले को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया। न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने मामले में कहा है कि यदि उक्त आरोप सही पाया जाता है कि बेलबाग टीआई ने झूठा प्रकरण दर्ज किया है, तो एसपी टीआई के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें।

जबलपुर निवासी सुरेश चंद जाट ने यह मामला दायर किया है। जिसमें कहा गया है कि वे रेलवे से सेवानिवृत्त हैं। आवेदक की ओर से कहा गया कि बेलबाग थाने के एसएचओ द्वेषपूर्ण तरीके से उन्हें बेवजह परेशान कर रहे हैं। एसएचओ ने याचिकाकर्ता के विरुद्ध झूठा प्रकरण भी दर्ज करा है। इससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी धूमिल हुई है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने एसपी को निर्देशित किया कि वे विधिवत जांच कर उचित कार्रवाई करे।

रिश्वतखोर आरआई को चार साल की सजा

लोकायुक्त की विशेष अदालत ने पांच हजार का जुर्माना भी लगाया

जबलपुर, देशबन्धु। लोकायुक्त की विशेष कोर्ट ने रिश्वतखोरी के मामले में राजस्व निरीक्षक राकेश श्रीवास्तव को दोषी करार दिया है। अदालत ने आरोपी को चार साल की सजा व पांच हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

अदालत के समक्ष लोकायुक्त की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रशांत शुक्ला ने पक्ष रखा। जिन्होनें बताया कि ग्राम सिवनी टोला निवासी शिकायतकर्ता सत्यम पटेल ने लोकायुक्त पुलिस में शिकायत की थी। जिसमें कहा गया था कि सिवनी टोला स्थित जमीन के डायवर्सन के लिये उसने तहसीली कार्यालय जबलपुर में आवेदन दिया था। जिसके लिये उसने आरआई राकेश श्रीवास्तव से संपर्क किया, राकेश ने उससे दस हजार रुपये की रिश्वत मांगी। अदालत को बताया गया कि प्रार्थी रिश्वत की राशि नहीं देना चाहता था, इसलिये वह डायवर्सन के लिये लगातार आरोपी से संपर्क करता रहा, लेकिन आरोपी राकेश टालमटोली करता रहा। 20 जनवरी 2020 को आवेदक ने पुन: एक आवेदन देकर लोकायुक्त पुलिस को बताया कि आरआई राकेश को उस पर शंका हो गई, इसलिये अब वह उससे रिश्वत की राशि नहीं लेगा। लेकिन प्रार्थी ने रिश्वत मांगने की पूरी बातचीत रिकार्ड कर ली। जिस पर लोकायुक्त पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई दौरान पेश किये गये गवाह व साक्ष्यों के मद्देनजर अदालत ने आरोपी आरआई राकेश को उक्त सजा से दंडित किया।

बर्खास्त होमगार्ड सैनिक को अपील करने की स्वतंत्रता

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट ने सेवा समाप्ति के मामले में होमगार्ड सैनिक को सक्षम अधिकारी के समक्ष अपील पेश करने की स्वतंत्रता दी है। जस्टिस जीएस आहलूवालिया की एकलपीठ ने उक्त निर्देश के साथ मामले का पटाक्षेप कर दिया। छिंदवाड़ा निवासी बुधमन रोडे की ओर से यह मामला दायर किया गया था। जिसमें कहा गया कि वह होमगार्ड सैनिक के पद पर पदस्थ था। अप्रैल 2022 में एक दिन उसकी ड्यूटी पुलिस आरक्षक के साथ रात्रि गश्त में लगी थी। उन्होंने चोरों से चुराया हुआ माल बरामद किया था। चोरी का माल आरक्षक ने जमा कराने की बजाय अपने पास रख लिया। तीन चोरों में से एक पकड़ा गया, जिससे चोरी के माल का खुलासा हुआ। इस पर आरक्षक और याचिकाकर्ता दोनों के खिलाफ जांच की गई। दोनों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। पुलिस आरक्षक को वापस सेवा में ले लिया गया, जबकि होमगार्ड सैनिक को बहाल नहीं किया गया, जिस पर हाईकोर्ट की शरण ली गई। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने मामले का पटाक्षेप करते हुए उक्त स्वतंत्रता दी है।

सात सौ नये अधिवक्ता नामांकित, दो हुए बहाल

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद ने सात सौ नये अधिवक्ताओं को नामांकित किया। इसी के साथ दो अधिवक्ताओं के नामांकन बहाल किये गये।

एसबीसी के वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने जानकारी दी कि गुरुवार को नामांकन समिति के अध्यक्ष राजेश शुक्ला, सदस्य आरके सिंह सैनी नामांकन प्रभारी देवेन्द्र पाण्डे, प्रणय खरे, अंकित सेन व यश ठाकुर के सहयोग से सात सौ से अधिक नामांकन आवेदनों पर हस्ताक्षर किये गये।

87 नामांकन आवेदन पत्र सही न होने पर विचार नही किया गया। इनमें से कुछ पर गंभीर अपराधिक प्रकरण पाये गये। श्री सैनी ने बताया कि नामांकन आवेदन पत्र भरते समय अपराधिक प्रकरण जो कि विचाराधीन है या उसमें सजायाफ्ता है उसकी जानकारी शपथ-पत्र में स्पष्ट रूप देनी होती है। ऐसा न करने की स्थिति में उनके संबंधित के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी।

फॉरेस्ट गार्ड को हाईकोर्ट से राहत

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट से एक फारेस्ट गॉर्ड को राहत मिली है। जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने फारेस्ट रेंज पन्ना की बीट विश्रामगंज में पदस्थ गार्ड को वर्तमान पदस्थाना में बने रहने के निर्देश दिए। इसके साथ ही डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफीसर पन्ना को निर्देशित गार्ड चंद्रपाल प्रजापति के स्थानांतरण संबंधी अभ्यावेदन पर 30 दिवस के भीतर सहानुभूति पूर्वक विचार कर आदेश पारित करे।पन्ना निवासी चंद्रपाल प्रजापति की ओर से यह मामला दायर किया गया था। जिसमें कहा कि सात माह के भीतर उसका स्थानातंरण किया जाना नियम विरुद्ध है। आवेदक की ओर से कहा गया कि 7 जुलाई 2023 को उनका स्थानांतरण फॉरेस्ट रेंज पन्ना से मंडला कर दिया गया। इससे पहले 5 अक्टूबर 2022 को याचिकाकर्ता को पन्ना के बफर जोन दहलान चौकी से पन्ना टाइगर रिजर्व में स्थानांतरित किया गया था। जहां 12 दिसंबर 2022 के आदेश से उन्हें विश्रामगंज फॉरेस्ट में पदस्थ किया गया। जिसको लेकर उसने अभ्यावेदन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिस पर हाईकोर्ट की शरण ली गई।

दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति योजना

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय डाक विभाग फिलैटली छात्रवृत्ति योजना दीन दयाल स्पर्श योजना वर्ष 2023-24 के अंतर्गत कक्षा 9 से 06 तक के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति प्रदाय करने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करता है, जिसमें कक्षा तक प्रत्येक 9 से कक्षा 6 10 कक्षा में चयनित 10 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी छात्रवृत्ति की राशि 6000/- एक वर्ष के लिए होगी विस्तृत जानकारीभारतीय डाक विभाग की वेबसाईट से अथवा प्रवर अधीक्षक डाकघर, जबलपुर संभाग जबलपुर से प्राप्त की जा सकती है। आवेदक को संबंधित विद्यालय में स्थित सक्रिय फिलैटली क्लब का सदस्य होनाचाहिए, यदि किसी विद्यालय में फिलैटली क्लब नहीं है तो विद्यार्थी प्रतियोगी का किसी भी डाकघर में/सक्रिय फिलैटली जमा खाता होना चाहिए बिना फिलैटली जमा खाते में आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा 2. छात्रवृत्ति की राशि मान्यता प्राप्तविद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 6वीं से 11वीं तक के नियमित छात्रों को वार्षिक आधार पर वितरित की जाती है 3 प्रतियोगी का विगत परीक्षा का परिणाम 60 प्रतिशत अथवा समांतर ग्रेड से अधिक होना चाहिए। स्तर 1 लिखित कि वज परीक्षा दिनांक 24 सितम्बर 2023 को आयोजित की जावेगी जिसमें बहुविकल्पीय 50 प्रश्न समसामयिकी, इतिहास, भूगोल, विज्ञान, खेल,संस्कृति प्रत्येक से प्रश्न एवं स्थानीय व राष्ट्रीय फिलैटली से संबंधित 05 क्रमश 10 एवं प्रश्न 15 रहेंगे, लिखित क्विज की समयअवधि एक घंटा रहेगी, लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र द्वारा स्थान एवं समय की सूचना दी जावेगी लिखित परीक्षा में उपस्थित होने के लिए कोई भी यात्रा व्यय देय नहीं होगा स्तर 02 लिखित कि वज में चयनित विद्यार्थियों को स्तर में भाग लेने हेतु फिलैटली प्रोजेक्ट प्रस्तुत करना होगा 02 फिलैटली प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 5 नवम्बर 2023 तकरहेगी फिलैटली प्रोजेक्ट हेतु विषय अलग से सूचित किये जायेंगे।

माझी समाज दिखायेगा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को काले झंडे

जबलपुर, देशबन्धु। माझी समाज में हुई विशेष बैठक में माझी समाज ने प्रदेश सरकार के विरोध में जाने का निर्णय लिया। सरकार द्वारा समाज को पिछले 20 वर्षों से आरक्षण के नाम पर गुमाह किया जा रहा है साथ पूरे प्रदेश में भाजपा के विधानसभा टिकिट बड़वारा से दी जाती थी वह भी छिन ली गई जिससे पूरे मध्यप्रदेश माझी समाज में बहुत ही आक्रोश है जिसके विरोध में माझी समाज जबलपुर द्वारा आज 25 अगस्त को निकाली जा रही प्रदेश सरकार की जन आर्शीवाद यात्रा में मुख्यमंत्री को समाज के द्वारा जगह-जगह काले झंडे दिखाकर अपना विरोध व्यक्त करेगा माझी समाज के सभी वरिष्ठ युवा साथी एवं महिला शक्ति से उपस्थिति की अपील माझी समाज के वरिष्ठ अशोक बर्मन, लल्ला केवट, आरडी रैकवार, धर्मेन्द्र केवट, पप्पू केवट सभी ने कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की है।

पुलिस को देख मृत चीतल को छोड़कर भागे शिकारी

सिहोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुर्रे सिहोरा मार्ग का मामला, पुलिस ने चीतल का किया अंतिम संस्कार

सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा एवं खितौला थाना क्षेत्र अंतर्गत शरदा वन परिक्षेत्र में चीतलों का शिकार कर ले जा रहे शिकारी पुलिस को देखकर मृत जानवरों को सड़क पर फेंक कर मौके से फरार हो गए।

मामला बुधवार रात करीब 2 बजे का है जब सिहोरा पुलिस को वन्य प्राणियों के शिकार की सूचना मिली मौके पर पहुंची सिहोरा पुलिस ने सड़क के किनारे बोर में भरे एवं आसपास पड़े हुए जंगली जानवरों के शवों को जप्त किया अनुमान यह लगाया जा रहा है कि वन्य प्राणियों के शिकार में सक्रिय कुछ लोगों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर शरदा वन क्षेत्र में रहने वाले वन्य प्राणियों में से चीरतलों का शिकार कर घर ले जाने की फिराक में थे, जैसे ही उन्हें पुलिस के आने की सूचना मिली वैसे ही शिकारी इन बोर में भरे जानवरों को मौके पर छोड़कर भाग निकले। सिहोरा पुलिस ने मामले की जानकारी सिहोरा वन अधिकारी को दी सूचना

के फौरन बाद ही रेंजर जेडी पटैल और अपनी सहायक कर्मचारी के साथ मौके पर पहुंच गए एवं शिकार किए हुए जानवरों को जप्त कर लिया।

सिहोरा वन विभाग रखता है शिकारियों पर कड़ी नजर-शरदा वन क्षेत्र सिहोरा नगर से लगभग 2 से 4 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है एवं वन विभाग के कर्मचारी लगातार वन्य प्राणियों पर नजर बनाए रखते हैं, साथ ही ऐसे शिकारी की भी तलाश में रहते हैं जो इन वन प्राणियों का शिकार करने के उद्देश्य से रात में विचरण करते हैं लेकिन शिकारी अंधेरों का फायदा उठाकर इन वन प्राणियों का शिकार करने में सफलता भी हासिल कर लेते हैं लेकिन शिकारी का शिकार करने के बाद यह इन्हें ठिकाने लगाने में सफल नहीं हो पाए बुधवार को भी ऐसा ही एक मामला सिहोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत हुआ जिसमें शिकारी ने दो युवा चीतलों एवं एक छोटे चीतल के बच्चे का शिकार किया, लेकिन इन्हें वह ठिकाने लगाने में सफल नहीं हो पाए। हालांकि जप्त किए हुए इन जंगली जानवरों को वन विभाग ने पशु चिकित्सक डॉ शुभ्रा व्योहार से पोस्टमार्टम कार्यवाही के उपरांत मृत चीतलों का अंतिम संस्कार कर दिया।

अज्ञात शिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज-मामले की जानकारी मिलने के रेंजर जे डी पटैल अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच के पश्चात उन्होंने अज्ञात शिकारियों के खिलाफ वन्य प्राणी अधिनियम की 9/39/50 धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सिहोरा चौबे परिवार एक बार फिर गौरंवावित पथ पर

सिहोरा, देशबन्धु। पहले पिता अब पुत्र ने सिहोरा नगर का गौरव बढ़ाया पहले पिता ने सम्मान पाया तो चंद्रयान 3 का हिस्सा बन पुत्र ने परिवार की खुशियों को बढ़ाया। गत दिवस 15 अगस्त को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित हुए छिंदबाड़ा ट्राफिक पुलिस उपाधीक्षक श्री रामेश्वर प्रसाद चौबेजी सिहोरा ब्राम्हण पुरा निवासी के पुत्र अपराजित चौबे चंद्रयान 3 सफल अभियान का हिस्सा बनकर अपनी सेवा दी चंद्रयान की सफलता के बाद संपूर्ण देश का गौरव बढ़ा इसके साथ सिहोरा नगर के सपूत की इसरो मे सेवा और सफलता मे भाग लिया पूरे परिवार सहित शुभचिंतको की शुभकामनाएं दीं।

नगर में आज कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन, महाघेराव, आमसभा

बरेला, देशबन्धु। नगर एवं परिक्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के निराकरण तथा भाजपा की केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ 25 अगस्त दिन शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से रामलीला रंगमंच थाने के सामने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा आम सभा का आयोजन किया गया है जिसमें प्रदेश एवं जिला स्तर के अतिथि पूर्व मंत्री विधायक गण उपस्थित हो रहे हैं ।आम सभाके उपरांत समस्त कांग्रेसी आक्रोश रैली के साथ नगर परिषद का घेराव करने रवाना होंगे जहा एस डी एम जबलपुर ,विघुत मंडल, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग,स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में ज्ञापन सौंपा जाएगा।ब्लॉक कांग्रेस, महिला, युवक, सेवादल एवं सभी प्रकोष्ठों ने कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

सार-समाचार

सगे भाइयों में मारपीट

पाटन देशबन्धु। जिले के पाटन थानांतर्गत सगे भाइयों में मामूली से वाद-विवाद पर एक भाई ने अपने ही सगे भाई को लोहे के हथियार से सिर पर वार करके चोट पहुंचाने का सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है। पाटन थाना प्रभारी नवल आर्य से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार कीरात 8.30 कमलेश चक्रवर्ती पिता सुखचैन चक्रवर्ती उम्र 30 वर्ष निवासी चौधरी मोहल्ला अपने भाई के घर के सामने खड़ा था तभी उसका भाई विशाल चक्रवर्ती पिता सुखचैन चक्रवर्ती निवासी चौधरी मोहल्ला उसके पास आया और बिना वजह गाली गलौज करने लगा उसने गालियां देने से मना किया तो उसके भाई ने लोहे की बलम का हत्ता उसके सिर में मार दिया,चोट लगने की वजह से वह जमीन पर गिर गया घटना को अंजाम देकर उसका भाई घटना स्थल से भाग गया पुलिस एवं मोहल्ले वालों की मदद से हॉस्पिटल पहुंचा वही पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज करके आरोपी की तलाश की जा रही है।

सेप आईडी बंद होने से महीनों से नगर पालिका के कार्य प्रभावित

पनागर, देशबन्धु। नगर पालिका परिषद पनागर में सेप आईडी विगत एक माह बंद पड़ी हुई है जिसके कारण नगर पालिका का पेमेंट सिस्टम ढप्प पड़ा हुआ है मामला यह है कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी का स्थानांतरण हो गया था जिसके कारण नगर पालिका नियंत्रण कार्यालय से सी एम ओ की आईडी को बंद कर दिया था लेकिन पुन: सी एम ओ पदस्थापना के महीने भर बाद भी आई डी चालू नही हुई है जिससे ई एम डी रिटर्न पेमेंट प्रोसेस ओर अन्य जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे है मूल निवासी से लेकर नए कार्डो का मूल्यांकन भी नही हो रहा है नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि हमारे माध्यम से उच्च अधिकारियों को लेटर दिया गया है अतिशीघ्र आई डी पुन: प्रारम्भ होने की संभावना है।

28 दिवसीय रोजारोन्मुखी प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

पनागर, देशबन्धु। शासकीय कला महाविद्यालय पनागर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ के द्वारा दो अल्पावधि स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण (सर्टिफिकेट) कार्यक्रम का आरंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. अरूण शुक्ल, संभागीय समन्वयक, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना जबलपुर एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पी. के. जैन, प्रशासनिक अधिकारी श्री अवधेश दुबे द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जलन से हुआ। इस अवसर पर प्रो. शुक्ल ने छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुये उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिये प्रेरित किया जिससे वे अपने पैरो पर खड़े होकर परिवार, समाज और देश की सेवा कर सके। इसी क्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. जैन ने आशीष वचन के रूप में छात्रों को आत्म निर्भर बनने के साथ मेहनत और लगन से आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया।

28 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत ''टैली कोर्स'' तथा ''वर्ली लिप्पन एवं मधुवनी आर्ट'' का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को नि:शुल्क दिया जायेगा। प्रशिक्षणोपरांत सफल विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा। टैली कोर्स के प्रशिक्षक श्री आशीष साहू एवं वर्ली लिप्पन एवं मधुवनी आर्ट प्रशिक्षक कु. श्रिया जैन ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण से संबंधित सामान्य जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मोनिका मसीह द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से संबंधित दिशा निर्देश देते हुये प्रत्येक दिन प्रशिक्षण में उपस्थित रहने को कहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के सह-प्रभारी डॉ. कमलेश मौर्य एवं आभार ज्ञापन डॉ. प्रशांत नामदेव द्वारा किया गया।

तहसीली कार्यालय में आज सौंपेंगे ज्ञापन

गांधीग्राम, देशबन्धु। मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जिला संरक्षक योगेंद्र दुबे, जिलाध्यक्ष अटल ने बताया है की प्रदेश कार्यकारणी के निर्णय के अनुसार 25 अगस्त को तहसील, ब्लॉक और अन्य कार्यालयों में कर्मचारी एक दिन के अवकाश पर रहेंगे । 25 अगस्त को तहसीली कार्यालय प्रांगण में 12 बजे एकत्रित होकर प्रदेश के मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन , मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन के नाम का मांग पत्र दिया जाएगा। आज सामूहिक अवकाश लेने के लिए कार्यालयों में जन संपर्क किया गया। जबलपुर जिला संरक्षक योगेंद्र दुबे, जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय, मध्य प्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संतोष मिश्रा, मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वदीप पटेरिया, म. प्र.तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अरवेंद्र राजपूत सहित अन्य ने उपस्थिति की अपील की है।

महात्मा तुलसीदास की जयंती मनाई

कुंडम, देशबन्धु। महात्मा गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर पंडित हरिशंकर शुक्ला एडवोकेट कुंडम द्वारा महात्मा तुलसीदास की जीवन गाथा को समस्त भक्त मंडली को विस्तार से जानकारी दिए काले बाबा मंदिर मंच में लगभग 32 वर्षों से हर मंगलवार को रामचरितमानस का आयोजन किया जाता है। तुलसीदास जी के बारे में उनकी गाथाओं पर रामायण का ग्रंथ जो लिखा जीवन मानव के लिए उसको देखकर जीवन निर्वाह करने के लिए रामायण प्रेरणा देती है मनुष्य को मुख्य रूप से अच्छे से अच्छे कामों को करना चाहिए बाबा गोस्वामी तुलसीदास की दोहा चौपाई सोरठा छंद से सुशोभित शब्दों को सविनय प्रणाम किया है और इस शुभ अवसर पर जो वैज्ञानिक हमारे चंद्रमा मैं पहुंचा हमारे भारतवर्ष का नाम रोशन सारे देशों में नाम को फैलाया है भारत देश का नाम रोशन करने पर उन वैज्ञानिकों को बार-बार नमन प्रेषित करते हैं है अब वहां पर वैज्ञानिक लोग खोज करेंगे भारतवर्ष का इतिहास विश्व में रच गया है कुंडम नगर के कुंडम तहसील के समस्त क्षेत्र वासियों ने चंद्रयान पर वैज्ञानिक लोग पहुंचे वैज्ञानिकों को बार-बार परिणाम नमन और धन्यवाद प्रेषित करते हैं इस अवसर पर वरिष्ठ कुंडम नगर के पंडित हरिशंकर शुक्ला एडवोकेट काले बाबा के मुख्य श्री मनोज सोनी जी डॉ एसपी खरे लक्ष्मी पाठकर शिक्षक पिंकू तिवारी सत्येंद्र शुक्ला कुंडम पूर्व सरपंच गुलाब बर्मन गायक हुब्बी लाल चक्रवर्ती पत्रकार किशन लाल प्रजापति मन्नू साहू शिक्षक पूर्व उपसरपंच महेश प्रजापति छोटे लाल रजक रामकुमार रजक सीताराम जी साहू अशोक साहू रामस्वरूप कछवाहा मुन्ना कछवाहा मोती कछवाहा सहित समस्त रामायण प्रेमी समस्त भक्तगण और समस्त मंचासीन कुंडम नगर के इस गोस्वामी तुलसीदास जी के जयंती पर सब लोग शामिल हुए और अपने-अपने विचार रखें।

अपनी योग्यताओं से सभी को लाभ पहुंचाते हैं कायस्थ

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा व्यंग्यकार अनूप श्रीवास्तव सम्मानित

जबलपुर, देशबन्धु। वर्तमान परिदृश्य में समाज को गुणी,अक्लमंद व कर्मठ व्यक्तियों की बहुत जरूरत है और कायस्थ समाज ने इस कमी को हमेशा से पूरा किया है। कायस्थ बुध्दिजीवियों का वर्ग है जो जति-पात से परे सारे विष्व में सभी से मिलकर रहते है और अपनी विभिन्न प्रकार की योग्यताओं और उपलब्धियों से सबंधों को लाभान्वित करते है।

विगत दिवस परसाई जन्मशतब्दी पर सदर स्थित एपीएन स्कूल सभागार में कायस्थ महासभा के सौजन्य से एवं क्षत्रिय महासभा के साथ एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें लखनऊ से पधारे चर्चित पत्रिका अट्टहास के प्रधान संपादक,एवं माध्यम संस्था के संस्थापक, व्यंग्यकार,कवि, पत्रकार श्री अनूप श्रीवास्तव का सम्मान शॉल, श्रीफल, अभिनन्दन पत्र से महासभा के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, महासभा के जिला अध्यक्ष अनूप वर्मा आदि ने किया। इस अवसर पर मंच से प्रतिष्ठित संस्था 'माध्यम' के संरक्षक अनूप श्रीवास्तव ने दो बड़ी घोषणाएं की, राजस्थान स्टेट के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में श्री फारुक आफरीदी एवं महाराष्ट्र स्टेट के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में डॉ अलका अग्रवाल सिग्तिया के नाम की घोषणा हुई। बाद में जयपुर से पधारे मुख्यमंत्री के ओएसडी, साहित्यकार फारुक आफरीदी एवं दैनिक भास्कर जयपुर के पूर्व सम्पादक, लेखक विनोद भारद्वाज का सम्मान महासभा के पदाधिकारियों ने किया। मुंबई से पधारी कहानीकार, व्यंग्यकार एवं परसाई मंच की डायरेक्टर डॉ अलका अग्रवाल सिग्तिया का सम्मान महासभा के चमन श्रीवास्तव ने किया। गुंजन कला सदन के सचिव प्रसिद्ध व्यंग्यकार, पत्रकार प्रतुल श्रीवास्तव एवं अन्य साथियों ने मुख्य अतिथि के लिए बनवाई गई विशेष पगड़ी पहनाकर अनूप श्रीवास्तव का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अट्टहास पत्रिका के परसाई विशेषांक के अतिथि सम्पादक जय प्रकाश पाण्डेय द्वारा पत्रिका की प्रतियां मंचासीन अतिथियों को भेंट की गई। व्यंग्यकार रमेश सैनी ने अपने उदबोधन में नयी पीढ़ी को स्वस्थ शिक्षा देने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए बताया कि 66 साल पहले माध्यम संस्था हरिवंशराय बच्चन और अन्य ख्यातिलब्ध साहित्यकारों को साथ लेकर हमारे द्वारा बनाई गई थी जिसकी देश भर में ईकाईयां हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर चित्रगुप्त महाराज का पूजन किया। लखनऊ से पधारे अनूप श्रीवास्तव का स्वागत प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने किया। जयपुर से पधारे फारुक आफरीदी का स्वागत श्री अजीत श्रीवास्तव ने किया।

राम को जन-जन का आराध्य बनाया तुलसी ने

नृत्य गोपाल मंदिर में मानस गोष्ठी आयोजित

पाटन देशबन्धु। जो वेदों के ब्रह्म थे,ऋषियों मुनियों और विद्वानों की जिज्ञासा का विषय थे,उन वेद वंदित राम को जन जन का. आराध्य बनाने का अद्भुत कार्य गोस्वामी तुलसी दास जी ने किया.तुलसी युग परिवर्तनकारी कवि हैं उन्होंने ग्रंथ रचना की भाषा परम्परा में परिवर्तन किया गाँव की भाषा में राम कथा लिखकर अपढ़,अल्प शिक्षित लोगों को भी राम भक्त बनाने का क्रन्तिकारी कार्य करके हिन्दू समाज पर बड़ा उपकार किया राम भक्तों की हर पीड़ी गोस्वामी जी की ऋणी रहेगी उक्त आशय के उदगार नृत्य गोपाल मंदिर में तुलसी जयंती पर आयोजित मानसकार नमन गोष्ठी में बोलते हुए पं देवेंद्र प्रसाद गोंटिया, नारायण शरण सिंह भागवत, परिवार संयोजक ठाकुर रणधीर सिंह, पं अरविन्द पं संतोष चौबे, सुखचैन प्रसाद विश्वकर्मा,राम कुमार पटेल, श्रीराम दिघरां आदि ने व्यक्त किये इस अवसर पर कृष्णा प्रसाद बेहूरे, सुरेंद्र सिंह,दामोदर पटेल, अरविन्द बेहूनिया, मदन दुबे, अवधेश यादव, धर्मेश सिंह सहित सैकड़ों मानस प्रेमी जन उपस्थित थे।

नृत्य गोपाल मंदिर में मनाया झूला उत्सव

पाटन, देशबन्धु। श्री नृत्य गोपाल मंदिर पाटन में पवित्र श्रावण मास में भगवान बाल कृष्ण के झूले डालकर झूला उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विश्व कल्याण के. उद्देश्य से श्री शिवजी का वैदिक पूजन श्री रुद्राभिषेक पं राजरुाम त्रिपाठी के आचार्यत्व में सम्पन्न हो रहा है.भक्तमना नर-नारी बड़ी संख्या में इस उपासना में सहभागिता कर रहे है.मंदिर न्यास प्रमुख ठाकुर रणधीर सिंह ने बताया कि यह उपासना-उत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी तक निरंतर चलेगा।

कृषकों को दलहन का भुगतान कराने के लिए सयुक्त किसान मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

सिहोरा, देशबन्धु। गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा ने शासन द्वारा क्रय की गई मूंग वह उड़द की फसलों की राशि का समय पर भुगतान करने के उद्देश्य से सिहोरा अनुवागी अधिकारी राजस्व को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम ज्ञापन सौंपते हुए खरीद की गई उपज कब भुगतान करने की मांग की है।

किसान मोर्चा ने अपने ज्ञापन में बताया कि शासन द्वारा मूँग वह उड़द की फसल को ग्रेडिंग कराकर खरीदी एजेंसियों एवं वेयरहाउस में क्रय किया गया एवं वेयरहाउस संचालकों तथा खरीद एजेंटीयों के द्वारा इनमें मिलावट की गई जिससे इन खरीद की गई संस्थानों मे भ्रष्टाचार के चलते शासन जांच कर रहा है इस जांच के कारण किसानों को अपनी उपज का भुगतान नहीं हो पा रहा चूँकि किसानों ने अपनी उपज को शासन के नियमों के मुताबिक ही बचा है भ्रष्टाचार में किसानों का कोई संबंध नहीं है लेकिन इन भ्रष्टाचारियों के द्वारा शासन को करोड़ों रुपए का चूना लगाने वाले लोगों पर कार्यवाही उचित है लेकिन किसानों को समय पर उनकी उपज का भुगतान न मिलने से धान की फसल में लागत लगाने के लिए किसानों के पास राशि नहीं है जिससे उनकी फसल का नुकसान हो सकने की संभावना संयुक्त किसान मोर्चा ने जाहिर की है वही संयुक्त किसान मोर्चा ने किसने की इस मांग पर शासन द्वारा ध्यान देते हुए शीघ्र भुगतान की मांग की है ज्ञापन सौंपने के दौरान ये रहे उपस्थित-मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने के दौरान भारती किसान यूनियन से अधिवक्ता रमेश पटेल,अखिल भारतीय ओबीसी महासभा अध्यक्ष इंद्रकुमार पटैल, छोटे पटेल, सहित कई किसान उपस्थित रहे।

भाजपा ने 20 सालों में प्रदेश को बनाया बीमारू से बेमिसाल राज्य

विधायक ने प्रेसवार्ता में दी पार्टी की उपलब्धियों की जानकारी

कुंडम, देशबन्धु। सिहोरा विधायक प्रदेश मंत्री नंदनी मरावी ने 24 अगस्त को पत्रकार प्रेसवार्ता के संबंध में मुख्य बिंदुओं पर समस्त क्षेत्र की जनता मध्य प्रदेश की जनता को जानकारी प्रेस वार्ता के माध्यम से संपूर्ण जानकारी दी गई। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार 1956 में प्रदेश के गठन के बाद से 2003 तक ज्यादातर समय कांग्रेस की ही सरकार रही हैं। इन सरकारों ने प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया है।

इसका मतलब था मध्य प्रदेश के उन राज्यों में शामिल था जो देश के विकास में बाधक थे 2003 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी भाजपा की सरकार ने प्रदेश को 20 सालों में बीमारू से बेमिसाल राज्य बना दिया है बंटाढार से बुलंदियों पर पहुंचा है पिछड़े से आग्रणी बनाया समृद्ध और खुशहाल राज बनाया मध्य प्रदेश को भाजपा सरकार ने आज विकास कार्यों की अनगिनत योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुंचा हर व्यक्ति को मध्य प्रदेश सरकार भाजपा ने लाभ दिलवा कर खुशहाल देश को बनाया और विकास के कार्य को किया है मध्य प्रदेश की जनता को अब तय करना है कि वह विकास के साथ है या घोटालो के साथ अगर वह विकास के साथ है तो उसे 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपना समर्थन देना मतदान करना तय करेगी आज सिहोरा विधानसभा में कितने कार्य किए गए जो अनगिनती हैं।

तीन बड़े जलाशय बांध बनाए गए 19 हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल खुलवाए गए आईटीआई भी खुलवाया गया सी एम राईज मॉडल स्कूल खुलवाए गए और सैकड़ो रोड बनवाई गई बड़े-बड़े नहर खेत तक पानी जाने के लिए पाइप के माध्यम से सिंचाई के लिए भी कार्य को किया गया अब मध्य प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मामा जी को हम धन्यवाद देना चाहते हैं जो सिहोरा विधानसभा की कुंडम तहसील सिहोरा विधानसभा में विकास कार्यों जाल बिछा दिया है इस अवसर मध्य प्रदेश की विधानसभा सिहोरा 102 के प्रभारी बनकर आए निरंजन देवखरे विधायक ठाणे मुंबई महाराष्ट्र जिला अध्यक्ष संतोष सिंह बरकड़े विधायक प्रतिनिधि कमलेश साहू सांसद प्रतिनिधि सतीश अवस्थी मंडल अध्यक्ष राजेश साहू जनपद अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह धुर्वे सोसाइटी समिति अध्यक्ष राधेश्याम साहू जनपद उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ठाकुर पूर्व जिला उपाध्यक्ष खिलाड़ी सिंह आर्मी पूर्व जनपद सदस्य अशोक जैन भाजपा अनुसूचित जनजाति जिला अध्यक्ष विजय बहादुर परस्ते पूर्व मंडल अध्यक्ष झुन्नीलाल झरिया अनुसूचित जनजाति के उपाध्यक्ष बिहारी सिंह भवेदी जनपद सदस्य श्रीमती अभिलाषा झरिया युवा नेता अंशु जायसवाल भाजपा मीडिया प्रभारी हुब्बी लाल चक्रवर्ती सहित भाजपा के हजारों कार्यकर्ता इस पत्रकार प्रेस वार्ता में शामिल रहे।

मेक्सिको में बस दुर्घटना में सोलह लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में मंगलवार को एक बस दुर्घटना में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 36 घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना मध्य मैक्सिकन राज्य प्यूब्ला में हुई। प्यूब्ला के आंतरिक विभाग ने सोशल मीडिया पर कहा कि दुर्घटना मंगलवार तड़के कुआकोनोपालन-ओक्साका राजमार्ग के 91केएम पर हुई। घायलों को तेहुआकान जनरल अस्पताल और अन्य चिकित्सा केंद्रों में ले जाया गया।

जापान ने समुद्र में रेडियोएक्टिव पानी छोड़ना शुरू किया: 133 करोड़ लीटर पानी अगले 30 साल रिलीज होगा

11 मार्च को 3 बजकर 42 मिनट पर जापान में 9.1 तीव्रता का भूकंप आया। इससे समुद्र की परत खिसकने से सुनामी आ गई। भूकंप के झटके महसूस होते ही फुकुशिमा में समुद्र किनारे बने न्यूक्लियर प्लांट के रिएक्टर बंद कर दिए गए। रिएक्टर की कूलिंग के लिए जनरेटर स्टार्ट कर दिए गए। इमरजेंसी जनरेटर गर्म रिएक्टर को ठंडा कर पाता, इससे पहले ही पानी प्लांट में घुस आया। इसके बाद इमरजेंसी जेनरेटर बंद हो गया जिससे गर्म रिएक्टर पिघलने लगा।

कुछ देर बाद न्यूक्लियर पावर प्लांट में भयानक विस्फोट होने लगे। आने वाले कई महीनों तक न्यूक्लियर रिएक्टर्स में चेन रिएक्शन होने से रोकने के लिए उसे 133 करोड़ लीटर समुद्र के पानी से ठंडा रखा गया। इससे पानी में 64 तरह के रेडियोएक्टिव मटेरियल घुल गए। इनमें कार्बन-14, आयोडिन-131, सीजियम-137, स्ट्रोनटियम-90 कोबाल्ट , हाइड्रोजन-3 और ट्राइटियम ऐसे एलिमेंट्स हैं, जो इंसानों के लिए हानिकारक हैं। इनमें से ज्यादातर रेडियोएक्टिव मटेरियल्स की लाइफ काफी कम होती है। इससे इनका असर खत्म हो चुका है। हालांकि, कार्बन-14 जैसे कुछ मटेरियल हैं जिसका असर कम होने में 5 हजार साल लगते हैं। इसके अलावा न्यूक्लियर रिएक्टर पानी में अभी भी ट्राइटियम के कण मौजूद हैं।

इससे क्यों डरे चीन-साउथ कोरिया के लोग?

रेडियोएक्टिव पाना छोड़े जाने पर चीन साउथ कोरिया को डर है कि ये सी फूड यानी मछली, क्रैब और समुद्री जीवों के जरिए इंसानों के शरीर तक पहुंच सकता है। ट्राइटियम के स्किन पर गिरने से नुकसान नहीं होता, लेकिन शरीर में घुसने से कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

हांगकांग और चीन ने तो जापान से सी फूड इंपोर्ट करने पर ही पाबंदी लगा दी है। वहीं, साउथ कोरिया की स्टुडेंट यूनियन ने सियोल में जापान की दूतावास में घुसपैठ करने की कोशिश की। कई छात्रों को हिरासत में लिया गया है। समुद्र में रेडियोएक्टिव पानी रिलीज करने के प्लान को ह की एटॉमिक एजेंसी ह्वश्व अप्रूव कर चुकी है। रेडियोएक्टिव मटेरियल को रिलीज करने के लिए, स्क्र प्रोसेस पूरी करनी पड़ती है। इसे पूरा करने के बाद ही रेडियोएक्टिव पानी को समुद्र में छोड़ा जा रहा है। एक हजार टैंक्स से रखे पानी को एक साथ नहीं बल्कि 30 साल तक रिलीज किया जाएगा। रोज 5 लाख लीटर रेडियोएक्टिव पानी समुद्र में मिलाया जाने का लक्ष्य रखा है।

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि समुद्र में इसका असर कम हो। फिलहाल जिस इलाके में पानी छोड़ा जाएगा वहां से 3 किलोमीटर तक के इलाके में मछली पकड़ने पर रोक लगा दी गई है। एक वैज्ञानिक रिचमोंड ने साइंस के मुद्दों को कवर करने वाली वेबसाइट नेचर को बताया कि 3 किलोमीटर के दायरे में मछली पकड़ने पर रोक लगाने से कुछ नहीं होगा। इसकी वजह समुद्री जीवों का लंबी दूरी तय करना है। इस इलाके की मछलियों को दूसरी बड़ी मछलियां खाएंगी जो समुद्र में दूर तक जाती हैं। अगर ये मछली सी फूड कंपनियों के जरिए आम लोगों तक पहुंचाएंगी तो रेडियोएक्टिव पार्टिकल्स इंसान के शरीर में आसानी से जा सकते हैं। रिचमोंड के मुताबिक इस रेडियोएक्टिव पानी का असर कब तक रहेगा इसे बता पाना काफी मुश्किल है। इसका असर लंबे समय तक भी रह सकता है। वहीं, स्वीडन में न्यूक्लियर केमिस्ट्री के प्रोफेसर मार्क फोरमेन का कहना है कि समुद्री जीवों पर रेडिएशन का असर काफी कम होगा, इसमें पाबंदियां लगाने जैसी कोई बात नहीं होनी चाहिए।

आज का इतिहास

1351–सुल्तान फिरोजशाह तुग़लक़ तृतीय की ताजपोशी
1916–टोटनबर्ग के युद्ध में रूस ने जर्मनी को पराजित किया।
1940–लिथुआनिया, लातविया और एस्तोनिया सोवियत संघ में शामिल हुए।
1957–भारतीय पोलो टीम ने विश्व कप जीता।
1963–सोवियत संघ के नेता जोसेफ स्टालिन के सोलह विरोधियों को फाँसी पर चढ़ा दिया गया।
1977–सर एडमंड हिलेरी का सागर से हिमालय अभियान हल्दिया बंदरगाह से शुरू।
1980–जिम्बाब्वे संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।
1991–बेलारूस सोवियत संघ से अलग होकर स्वतंत्र देश बना।
1994–भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का जन्म।
1997–मासूमा, इब्तेकार ईरान की पहली महिला उपराष्ट्रपति नियुक्त।
2001–लंदन में आस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर शेनवार्न टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले स्पिन गेंदबाज बने।

सुडोकू 6296

	7	9			5			
	5	1			6		4	
8						1		
7				8	9		3	
		3				5		
	1		2	5				6
		2						4
	4		1			3	5	
			5			8	6	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

बलराम जाखड़ की जयंती पर की श्रद्धांजलि अर्पित

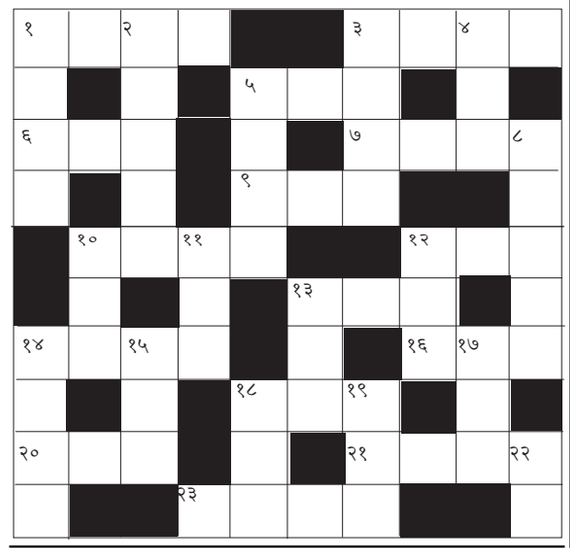

नई दिल्ली। लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ.बलराम जाखड़ की जयंती के अवसर पर संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। संसद सदस्यों, पूर्व सदस्यों, राज्य सभा के महासचिव, पी.सी.मोदी तथा लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों के अधिकारियों ने डॉ.जाखड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुजरात की एक फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव

भरूच/गुजरात। गुजरात के भरूच जिले में बुधवार को एक फैक्ट्री परिसर में जहरीली गैस का रिसाव हो गया। जिसकी चपेट में एक दर्जन से अधिक मजदूर आ गए। रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 18 मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार जब गैस रिसाव की घटना हुई तब फैक्ट्री में लगभग 2,000 कर्मचारी काम कर रहे थे।

झारखंड में ईडी की 32 जगहों पर छापामारी

रांची। झारखंड में शराब घोटाले मामले में ईडी की टीम ने आज सुबह रांची, देवघर और दुमका गोड्डा सहित राज्य के 32 ठिकानों पर छापेमारी की। सूत्रों ने बताया कि शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी के कारोबार में कथित रूप से शामिल मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव के ठिकाने पर भी ईडी की छापेमारी चल रही है। मंत्री के बेटे का पैसा शराब कारोबारी के कारोबार में लगा हुआ है और इसे लेकर ही ईडी मंत्री के बेटे के ठिकानें पर छापेमारी कर रही है। रांची में कुल सात जगहों पर ईडी रेड कर रही है। वहीं देवघर में कुल आठ जगहों पर छापेमारी की सूचना है। दुमका में शराब व्यवसायी योगेंद्र तिवारी के कार्यालय, उनके करीबियों और उनके परिजनों के ठिकाने पर छापेमारी जारी है।

भारत-बंगलादेश रेलवे लाइन पर ट्रैक कार का सफलतापूर्वक संचालन

अगरतला, (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने मंगलवार को अगरतला से भारत और बंगलादेश के बीच ढाका के माध्यम से कोलकाता को जोड़ने वाले सीमा पार कनेक्टिविटी के लिए नवनिर्मित रेलवे लाइन पर विशेष रूप से डिजाइन किए गए ट्रैक कार का सफल संचालन किया । रेलवे अधिकारियों ने बुधवार को यहां कहा कि ट्रैक कारों के निर्बाध संचालन ने बंगलादेश के अखौरा में अगरतला और गंगासागर रेलवे स्टेशनों के बीच एक रेलवे इंजन के ट्रायल रन का रास्ता साफ कर दिया। ट्रैक कार के अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शून्य रेखा तक पहुंचने में लगभग 75 मिनट लगे । अधिकारियों ने कहा कि परीक्षण ट्रेन के लिए सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप देने में कुछ दिन और लगेंगे। ऐसे संकेत हालांकि मिले हैं कि अति महत्वाकांक्षी भारत-बंगलादेश ट्रेन सेवा का शुभारंभ संभवः नौ सितंबर को होगा।

इमरान को आज मिल सकती है बेलः हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली तो सुप्रीम कोर्ट फैसला सुनाएगा

इस्लामाबाद। गुरुवार को इस्लामाबाद हाईकोर्ट में तोशाखाना केस की सुनवाई चीफ जस्टिस आमेर फारूक करेंगे। खास बात ये है कि इमरान के वकीलों ने उन्हें सुनवाई से हटाने की अपील सुप्रीम कोर्ट से की है। खान के वकीलों ने मंगलवार को दायर पिटीशन में कहा- जस्टिस आमेर इमरान को पसंद नहीं करते। लिहाजा, उनसे ईमानदारी से सुनवाई की उम्मीद नहीं है। उन्हें इस केस से हटाया जाए।

इमरान खान को अगर हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को रिहा भी करता है तो बहुत मुमकिन है कि वो घर न जा सकें। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की एक रिपोर्ट के मुताबिक- खान जब बेल के बाद बाहर आएंगे तो फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी और नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो की टीमें उनका इंतजार कर रही होंगी।

एफआई को सीक्रेट लेटर चोरी (साइफर गेट स्कैंडल) और नेब को 9 मई को हुई हिंसा मामले में खान से पूछताछ करनी है। यही वजह है कि खान जैसे ही बाहर आएंगे, ये दोनों एजेंसियां उन्हें अपने साथ ले जा सकती हैं। इस मामले में खास बात ये है कि खान को 90 दिन तक पूछताछ के लिए अपनी हिरासत में रख सकती है। इस दौरान उन्हें सुप्रीम कोर्ट समेत कोई अदालत जमानत भी नहीं दे सकेगी। राहत सिर्फ ये रहेगी कि खान को जेल के बजाय जांच एजेंसी के हेडक्वार्टर के कमरे में रखा जाएगा।

जांच एजेंसी गिरफ्तारी के लिए तैयार

चुनाव आयोग के सामने पिछली सत्ताधारी सरकार पाकिस्तानी डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने तोशाखाना गिफ्ट मामला उठाया था। कहा था कि इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था।

इमरान ने चुनाव आयोग को बताया था कि उन्होंने तोशाखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था, बेचने पर उन्हें 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। बाद में खुलासा हुआ कि यह रकम 20 करोड़ से ज्यादा थी। करीब दो साल पहले अबरार खालिद नाम के एक पाकिस्तानी शख्स ने इन्फॉर्मेशन कमीशन में एक अर्जी दायर की थी। कहा- इमरान को दूसरे देशों से मिले गिफ्ट्स की जानकारी दी जाए। जवाब मिला- गिफ्ट्स की जानकारी नहीं दी जा सकती। खालिद भी जिद्दी निकले। उन्होंने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान से पूछा था- आप तोहफों की जानकारी क्यों नहीं देते? इस पर खान के वकील का जवाब था- इससे मुल्क की सलामती यानी सुरक्षा को खतरा है।

दूसरे देशों से रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए अवाम को दूसरे देशों से मिले तोहफों की जानकारी नहीं दे सकते।

अल्जीरिया के साथ सहयोग में तेजी लाएं : रायसी

तेहरान, (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने अल्जीरिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों को विकसित करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने का आह्वान किया। इससे संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग को सक्रिय और दोनों पक्षों के बीच सहयोग में तेजी ला सकें। ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि ईरान की राजधानी तेहरान में अल्जीरिया की पीपुल्स नेशनल असेंबली के अध्यक्ष इब्राहिम बौघाली के साथ एक बैठक में श्री रायसी ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में सुधार की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

बयान में कहा गया कि श्री रायसी ने कहा कि अल्जीरियाई स्पीकर की तेहरान यात्रा पहले से ही विस्तारित द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

बयान के मुताबिक, ईरान प्रतिबंधों और दबाव को विकास के अवसरों में बदलने में कामयाब रहा है। श्री रायसी ने मैत्रीपूर्ण और भाईचारे वाले अल्जीरिया के साथ अपने अनुभव और उपलब्धियों को साझा करने के लिए अपने देश की तत्परता व्यक्त की। श्री रायसी ने कहा कि दोनों देशों का क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के प्रति समान दृष्टिकोण है और वे दोनों देशों और मुस्लिम दुनिया के हितों के अनुरूप अपने द्विपक्षीय रचनात्मक और उपयोगी सहयोग को बढ़ा सकते हैं। बयान के अनुसार, श्री बौघली ने दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनयिक आदान-प्रदान पर संतोष व्यक्त किया।

क्षेत्रीय देशों के साथ अफगानिस्तान के रिश्ते बेहतर : मुत्ताकी

काबुल, (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी ने दावा किया है कि अफगान कार्यवाहक सरकार के क्षेत्रीय देशों के साथ संबंध मजबूत होने की राह पर है। राज्य मीडिया ने श्री मुत्ताकी के हवाले से यह जानकारी दी है। मंगलवार को सरकारी समाचार एजेंसी 'बख्तर' के अनुसार श्री मुत्ताकी ने एक सरकारी जवाबदेही कार्यक्रम की बैठक में कहा कि पिछले साल 10,000 यूरोपीय सहित 70,000 विदेशी पर्यटकों ने अफगानिस्तान के विभिन्न हिस्सों की यात्रा की। प्रेस एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा कि सरकार ने पड़ोसी देशों के साथ सीमा मार्गों को खुला रखा है ताकि अफगान उत्पादों को विदेशों में निर्यात किया जा सके। एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय क्षेत्रीय देशों के साथ एक संयुक्त समिति के माध्यम से अफगान शरणार्थियों की समस्या को हल करने की योजना पर भी काम कर रहा है।

वर्ग पहेली 6296

बायें से दायें:-

१. इधर-उधर की बातें, गपशप
३. जहर पीना
५. हमेशा
६. वृद्धिकारक
७. बचा-खुचा
९. कलदार
१०. नियमबद्ध करना,
१२. नायाब
१३. यात्रियों का दल (उर्दू)
१४. क़त्ल करने की जगह
१६. निर्माण, सृजन
१८. नीति-विरुद्ध
२०. निषिद्ध, मनाही
२१. झूठ बोलने वाला
२३. किसी कहानी का मूल

ऊपर से नीचे:-

१. बुढ़ापा
२. स्वर्णनिर्मित
३. चीरने वाला, दिल दहलाने वाला
४. वर्षा ऋतु
५. निवारण, हल
८. रजामंद होना (मुहावरा)
१०. अवरोध रहित
११. अफसोस, दुख
१२. लाड़-प्यार, स्नेह
१३. वैधानिक (उर्दू)
१४. अधीनस्थ
१५. मुल्तवी, आगे के लिए बढ़ाया
१७. एक प्रसिद्ध पक्षी
१८. वरना
१९. अंधकार
२२. चिराग

वर्ग पहेली-6295

सा	व	२ शे	ष	■	■	३ प	रा	४ म	र्श
मू	■	ख	■	५ अं	ब	र	■	वे	■
६ हि	त	र	क्ष	क	■	७ दा	न	शी	८ ल
क	■	■	■	९ शा	र	दा	■	■	ल
■	१० आ	ग्ने	११ या	त्र	■	■	१२ अ	ल	का
■	रो	■	पि	■	१३ त	था	पि	■	र
१४ उ	प	१५ स्थि	त	■	बे	■	१६ तु	१७ ल	ना
त्त	■	र	■	१८ मि	ला	१९ प	■	गा	■
२० म	री	चि	■	लिं	■	२१ ना	स	म	२२ झ
ता	■	२३ त्र	यो	द	शा	ह	■	■	ड़ी

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

कवायद

चीन सीमा पर चीनी सेना की घुसपैठ पर नकेल कसेगी वायुसेना

न्योमा हवाई पट्टी को उन्नत करने की तैयारी पर चिढ़ा चीन

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। चीन सीमा पर चीनी सेना की घुसपैठ के तीन सालों के अंतराल में कब्जे को हटाने की खातिर होने वाली 19 दौर की बातचीत में शामिल अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय वायुसेना पूर्वी लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी, फुक्चे व न्योमा में एडवांस लैंडिंग ग्राउंड भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए और बेहतर बना रही है और भारत की इस तैयारी से लाल सेना चिढ़ी हुई है।

उसने इस पर 19वें दौर की बातचीत के दौरान आपत्ति भी जाहिर की है। इस समय पूर्वी लद्दाख में अपाचे अटैक हेलीकाप्टरों के साथ चिनूक हेलीकाप्टर, गरुड़ व एमआई हेलीकाप्टर दुश्मन पर कहर बरपाने को तैयार हैं। वायुसेना के अधिकारियों का कहना है कि न्योमा इलाके में वायुसेना के लिए एडवांस लैंडिंग ग्राउंड बहुत महत्व रखती है। एलएसी के पास होने के कारण यह रणनीतिक रूप से अहम हैं।

■ **न्योमा में वायुसेना के लिए एडवांस लैंडिंग ग्राउंड रखता है महत्व**

इससे लेह से एलएसी तक पहुंचने की दूरी कम हो जाती है। एलएसी तक साजो सामान व सैनिक पहुंचाना चंद मिनटों का काम है। भारत पूर्वी लद्दाख में दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ), फुकचे और न्योमा सहित कई विकल्पों पर विचार कर रहा है, जो चीन के साथ एलएसी से कुछ ही मिनटों की दूरी पर हैं।

न्योमा एएलजी से अपाचे हमले के हेलीकाप्टरों, चिनूक हेवी-लिफ्ट हेलीकाप्टरों और एमआई-17 हेलीकाप्टरों से गरुड़ स्पेशल फोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। दरअसल एलएसी के निकट होने के कारण न्योमा एएलजी का सामरिक महत्व है। यह लेह हवाई क्षेत्र और एलएसी के बीच महत्वपूर्ण अंतर को पाटता है, जिससे पूर्वी लद्दाख में जवानों और सामग्री की त्वरित आवाजाही को सक्षम बनाता है, जिससे इलाके की कठिनाइयों को पार किया जा सके। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना था कि एएलजी को जल्द ही लड़ाकू विमानों के संचालन के लिए अपग्रेड किया जा रहा है क्योंकि अधिकांश आवश्यक मंजूरी और अनुमोदन पहले ही आ चुके हैं। योजना के अनुसार, नए हवाई क्षेत्र और सैन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण सीमा सड़क संगठन द्वारा किया जाएगा।

इस क्षेत्र से लड़ाकू विमानों के संचालन की क्षमता से वायु सेना की विरोधियों द्वारा किसी भी दुस्साहस से तेजी से निपटने की क्षमता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी के बाद पूर्वी लद्दाख सेक्टर में निर्माण कार्य का उद्घाटन जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। लद्दाख में 646 किमी लंबी सीमा पर चीन की ओर से लगातार बढ़ रहे सैन्य दबाव के बीच भारत ने वर्ष 2008 की 31 मई को लद्दाख क्षेत्र में एलएसी से महज 23 किलोमीटर दूर अपनी एक और हवाई पट्टी खोली थी। इससे पहले वर्ष 2009 में मई तथा नवम्बर महीने में उसने दो अन्य हवाई पट्टियों को खोल कर चीन को चिढ़ाया जरूर था।

खेल जगत

हैरी ब्रूक को वर्ल्ड कप टीम से बाहर करना बड़ी गलती है : मार्क बुचर

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मार्क बुचर का मानना है कि विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम से युवा इन-फॉर्म बल्लेबाज हैरी ब्रूक को बाहर किया जाना एक गलती है। पिछले हफ्ते वर्ल्ड कप-2023 के लिए इंग्लैंड की संभावित और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए टीम की घोषणा हुई थी। उसमें ब्रूक को जगह नहीं मिली। ब्रूक को शायद इसलिए भी टीम से बाहर किया गया क्योंकि ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने एक बार फिर वनडे फॉर्मेट में वापसी की है। स्टोक्स की वापसी से इंग्लैंड को भारत में अपने वनडे विश्व कप खिताब का बचाव करने में मदद मिलेगी। टेस्ट और टी20 में जबरदस्त सफलता हासिल करने के बावजूद, ब्रूक ने इंग्लैंड के लिए केवल तीन वनडे मैच खेले हैं। ये तीनों वनडे मैच युवा बल्लेबाज ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। घरेलू स्तर पर ब्रूक ने 2019 में यॉर्कशायर के लिए 50 ओवर का गेम खेला था।

हम दूसरी बार महिला हॉकी एशियन ट्रॉफी खिताब जीत भारत का गौरव बढ़ाने को बेताब : सविता

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, (देशबन्धु)। भारत की कप्तान दुनिया की बेहतरीन गोलरक्षक सविता रांची में 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक झारखंड महिला हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपने ही घर में अपने ही दर्शकों के सामने खेलने को लेकर खासी रोमांचित हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम ने इससे पहले 2016 में पहली बार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता था और 2018 में उपविजेता रही थी। सातवीं महिला एशियन चैंपियंस हॉकी में शिरकत करने को लेकर भारत की कप्तान सविता ने कहा, भारतीय महिला हॉकी टीम अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपने गजब के प्रदर्शन से सुर्खियों में है।

हमारे लिए आगामी महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी बतौर टीम अपनी छाप छोडने का एक और मौका है। इस टूर्नामेंट में अपने घर में इस मौके का हम पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। हम अपने घर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर दूसरी बार महिला एशियन ट्रॉफी खिताब जीत भारत का गौरव बढ़ाने को बेताब हैं। हम हॉकी इंडिया, सरकार और सभी हितधारकों के आभारी हैं। हम इस बारमहिला एशियन ट्रॉफी हॉकी में यादगार प्रदर्शन करने को बेताब हैं।'

उन्होंने कहा, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान के रूप में यह सुनकर ही रोमांचित हूं कि एशियन महिला चैंपियंस ट्रॉफी रांची में होगी। यह घोषणा इस बात का प्रमाण है कि भारत के साथ एशिया में भी महिला हॉकी ने प्रगति कर अपनी एक अलग पहचान बनाई है

और इसमें अपने देश की नुमाइंदगी करना बड़े गर्व की बात है। अपने ही दर्शकों के सामने इसमें रांची में खेलना बेशक बहुत यादगार क्षण होगा। हमें अपने घरेलू दर्शकों का समर्थन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को प्रेरित करेगा। हम इस टूर्नामेंट में भारतीय महिला हॉकी के कौशल, संकल्प और संयुक्त ककी बानगी दिखाना चाहेंगे।

हमारे लिए यह टूर्नामेंट महज एक टूर्नामेंट ही नहीं उससे बहुत ज्यादा मायने रखता है। यह हमारी महिला हॉकी के आगे बढने की कहानी बयां करता है।यह हॉकी खिलाडियों की खेल भावना और उनके जज्बे और संकल्प की मिसाल पेश करता है।'

हॉकी 5 विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : नवजोत

नई दिल्ली। आक्रामक मिडफील्डर नवजोत कौर की कप्तानी में भारत सलाला (ओमान) में महिला एशियन हॉकी 5 विश्व कप क्वॉलिफायर इलीट पूल में अपने अभियान का आगाज शुक्रवार को मलयेशिया के खिलाफ मैच से करेगा। भारत की महिला टीम इस टूर्नामेंट में इलीट पूल में जापान, मलयेशिया और थाईलैंड के साथ है। भारत की कप्तान नवजोत कौर ने कहा, %महिला एशियन हॉकी 5 विश्व कप क्वॉलिफायर इलीट पूल में कुछ बेहतरीन टीमें शिरकत करेंगी और इसीलिए हमें इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा । हम कुछ भी तय मान कर नहीं चल सकते। हम अपनी चिर परिखित आक्रामक हॉकी खेल कर हॉकी 5 विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। हमारा लक्ष्य खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित कर शीर्ष स्थान पर रहने का रहेगा। हमने अपनी कमजोरियों को दूर करने पर मेहनत करने के साथ खुद को मजबूत बनाने में कसर नहीं छोडी हैं। वहीं दूसरे चैलेंजर्स पूल में मेजबान ओमान, चीन, हांगकांग, चीनी ताइपे, इंडोनेशिया, बांग्लादेश और ईरान की महिला हॉकी टीमें हैं। 2024 एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप में कुल 16 टीमें शिरकत करेंगी और बतौर मेजबान हांगकांग पहले ही इसके लिए क्वॉलिफाई कर चुका है। भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 2024 एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप के लिए क्वॉलिफाई करने के लिए एशियन हॉकी 5 विश्व कप क्वॉलिफायर इलीट पूल में शीर्ष तीन स्थान पाना जरूरी है। इनके अलावा अफ्रीका, अमेरिका, यूरोप और ओशनिया महाद्वीप से भी शीर्ष तीन-तीन टीमों 2024 एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप के लिए क्वॉलिफाई करेंगी। भारत की महिला टीम आखिरी बार मलयेशिया से महिला हॉकी एशिया कप 2022 में खेली थभ और तब भारतीय टीम 9-0 से विजयी रही थी लेकिन जापान से तब वह 0-2 से हार गई थी ।भारतीय महिला टीम इससे पहले दोंगी(द. कोरिया) में महिला एशियन ट्रॉफी में थाईलैंड से भिड़ी थी और तब 13-0 से विजयी रही थी।

अच्छा लगा कि लोग टेस्ट क्रिकेट पर कितना ध्यान दे रहे थे : पैट कमिंस

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि 2023 एशेज सीरीज में लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान एलेक्स कैरी द्वारा इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो की स्टंपिंग के बाद के प्रभाव ने उन्हें इस तथ्य से परिचित बना दिया है कि लोग खेल से जुड़ गये हैं। लॉर्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट के पांचवें दिन के खेल में, बेयरस्टो 52वें ओवर में 10 रन पर थे, जब वह कैमरून ग्रीन के बाउंसर पर नीचे झुक गए और अनजाने में अपनी क्रीज से बाहर चले गए।

डिलीवरी को पकड़ने के बाद कैरी ने तुरंत अंडरआर्म थ्रो किया और स्टंप्स पर अपना थ्रो मारने के बाद खुशी से उछल पड़े। ऑन-फील्ड अंपायर अहसान रजा और क्रिस गैफनी ने फैसले को ऊपर भेजा, जहां टीवी अंपायर मरायस इरस्मस ने बेयरस्टो के आउट होने की पुष्टि की।

बर्खास्तगी के बाद प्रशंसकों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिन्होंने वही पुरानी ऑस्ट्रेलियाई टीम, हमेशा धोखा दे रहे हैं के नारे लगाने शुरू कर दिए और पूरे दिन दर्शकों ने मजाक उड़ाया, साथ ही कुछ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को लंच के दौरान लॉन्ग रूम में एमसीसी सदस्यों से मौखिक दुर्व्यवहार का भी सामना करना पड़ा। चैनल सेवन के सनराइज शो में कमिंस ने कहा, मुझे लगता है कि बड़ी बात यह थी कि कितने लोग क्रिकेट के बारे में बोल रहे थे। यह [ऑस्ट्रेलिया में] सर्दियों का मध्य था और कुछ महीनों तक क्रिकेट मुख्य खेल था। इसलिए व्यक्तिगत रूप से, मुझे अच्छा लगा कि लोग टेस्ट क्रिकेट पर कितना ध्यान केंद्रित कर रहे थे और हर दिन प्रतियोगिता को पसंद कर रहे थे। और हमारे और उनके बीच पुरानी प्रतिद्वंद्विता भी है, हर एशेज श्रृंखला में कुछ न कुछ छूटता दिखता है।

अपनी टीम के साथी उस्मान ख्वाजा और डेविड वार्नर को एमसीसी सदस्यों से कुछ मौखिक आलोचना का सामना करने के बारे में बात करते

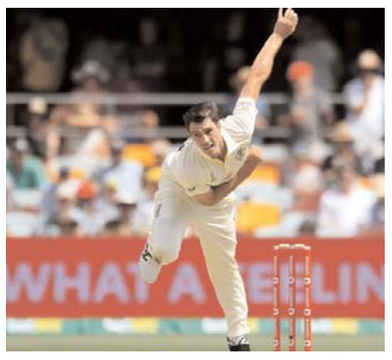

हुए कमिंस ने कहा, यह निश्चित रूप से काफी पुराना गुस्सा था। मैंने पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया है... लेकिन मैं कहूंगा कि अपने पूरे करियर में मैंने कम से कम 20 बार इस तरह का आउट देखा है और यह हमेशा आउट ही होता है। डेवी (डेविड वार्नर) और उस्सी (उस्मान ख्वाजा) कुछ सदस्यों की टिप्पणियों के बाद वापस चले गए, यह काफी गर्म हो रहा था। मुझे अन्य लोगों से गपशप मिली, फिर हम सभी ने गहरी सांस ली और शांत रहने का प्रयास किया। हमने ब्रेक लिया और फिर रीसेट हो गए। इंग्लैंड ने 2-0 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। हालाँकि ऑस्ट्रेलिया एशेज नहीं जीत सका, लेकिन वे कलश बरकरार रखने में सफल रहे।

हमारा लक्ष्य एशेज को बरकरार रखना था, जो हमने किया, लेकिन अब भी मैं पीछे मुड़कर देखता हूं और कुछ पलों को देखता हूं, जो अगर हमारे मुताबिक चलते तो सीरीज ड्रॉ की बजाय जीत होती। हमने 2019 में भी वहां कलश बरकरार रखा, इसलिए हमने जो हासिल किया है उस पर मुझे बहुत गर्व है। घर से बाहर जीतना कठिन है, कमिंस ने कहा, जो ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप्तान भी हैं।

कंडीशनिंग कैंप शुरू होने से पहले केएल राहुल की फिटनेस सुर्खियों में

बेंगलुरु। एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले टीम इंडिया छह दिनों के कंडीशनिंग कैंप में शामिल होगी। इस दौरान केएल राहुल की फिटनेस पर सबकी नजरें रहेगी। सोमवार को नई दिल्ली में एशिया कप टीम की घोषणा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि राहुल एनसीए में दाहिनी जांघ की चोट से उबर गए थे, लेकिन अभी भी उनकी फिटनेस से संबंधित कुछ समस्याएं हैं जिसके कारण उन्हें शुरुआती मैच से बाहर रखा जा सकता है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट के अनुसार, एनसीए की मेडिकल टीम राहुल के बल्लेबाजी कार्यभार से खुश है लेकिन उनके विकेटकीपिंग पर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेंगलुरु में होने वाले छह दिवसीय शिविर, जो अलूर में कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के श्री ओवल्स परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान ज्यादा फोकस केएल राहुल पर ही रहेगा।

इसमें कहा गया है, शिविर का उद्देश्य विश्व कप की तैयारी के अंतिम चरण पर ध्यान केंद्रित करने से पहले टीम बॉन्डिंग में एक अभ्यास के रूप में काम करना भी है। भारत के एशिया कप में भाग लेने के लिए 30 अगस्त को बेंगलुरु से कोलंबो के लिए रवाना होने की उम्मीद है। वे 4 सितंबर को नेपाल से खेलने से पहले 2 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। ग्रुप ए और बी से शीर्ष दो टीमें सुपर-4 में पहुंचेंगी, जहां वे कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में तीन और गेम खेलेंगे, जो 17 सितंबर को फाइनल की भी मेजबानी करेगा।

कार्लसन ने आखिरकार जीता विश्व कप

बाकू। भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानंद इतिहास रचने से चूक गये और उन्होंने फिडे विश्व कप 2023 के फाइनल में गुरुवार को नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया। दो दिन में दो मुकाबले ड्रॉ होने के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लसन ने टाईब्रेक के पहले गेम में काले मोहरों से खेलते हुए 31वीं वरीयता प्राप्त प्रज्ञानंद को मात दी, जबकि सफेद मोहरों से खेलते हुए उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को ड्रॉ पर रोक लिया। पांच बार विश्व चैंपियनशिप जीत चुके कार्लसन ने आखिरकार विश्व कप की ट्रॉफी भी अपने नाम कर ली। उन्हें इस जीत के लिये एक लाख दस हज़ार डॉलर के इनाम से नवाज़ा जायेगा, जबकि प्रज्ञानंद को 80,000 रुपये मिलेंगे।

टाईब्रेक के पहले रैपिड गेम में काले मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने प्रज्ञानंद की ई4 चाल का जवाब ई5 से दिया। दोनों खिलाड़ियों ने सटीक चालें चलीं लेकिन प्रज्ञानंद ने 42वीं

चाल पर प्यादे को ए5 से ए6 पर बढ़ाया, जो गलत साबित हुआ। कार्लसन इस गलती का फायदा उठाकर शह मात के करीब आ गये और प्रज्ञानंद ने हार मान ली। दूसरे गेम में कार्लसन ने ई4 से शुरुआत की और चौकसी के साथ खेलते हुए कोई गलती नहीं की। प्रज्ञानंद ने मात्र 22 चालों के बाद ड्रॉ पर सहमति जताई और कार्लसन विश्व कप फाइनल में 1.5-0.5 से विजयी हुए।

उल्लेखनीय है कि प्रज्ञानंद विश्व कप फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी थे। साथ ही, उन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये भी क्वालीफाई कर लिया है और वह कार्लसन और बॉबी फिशर के बाद ऐसा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। प्रज्ञानंद फिडे विश्व कप का फाइनल खेलने वाले दूसरे भारतीय भी थे, जबकि उनसे पहले सिर्फ विश्वनाथन आनंद ने ऐसा किया था।

एशिया कप से पहले अनुकूलन शिविर में हिस्सा लेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप के लिये चुने गये 18 भारतीय खिलाड़ी अगले तीन महीनों के ठसाठस कार्यक्रम को देखते हुए गुरुवार से बेंगलुरु में छह दिनों के अनुकूलन शिविर में हिस्सा लेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की ओर से गुरुवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, खिलाड़ियों ने शिविर के लिये अलुर में स्थित कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के श्री ओवल्स कैंपस पहुंचना शुरू कर दिया है। इस शिविर में जहां खिलाड़ियों की फिटनेस पर प्रमुखता से ध्यान दिया जायेगा, वहीं विश्व कप की तैयारी के आखिरी चरण में पहुंचने से पहले टीम समन्वय पर भी विशेष रूप से काम करेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, आयरलैंड टी20 श्रृंखला खेलने गये संजू सैमसन, जसप्रीत

बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा को छोड़कर सभी खिलाड़ी गुरुवार को फिटनेस मूल्यांकन से गुजरे। इसके बाद पहले दिन खिलाड़ियों ने कुछ इनडोर सत्रों में हिस्सा लिया। अब ये खिलाड़ी शुक्रवार से अनुकूलन और कौशल-आधारित अभ्यास के लिये समूहों में विभाजित किये जायेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार वेस्ट इंडीज में टी20 श्रृंखला छोड़कर लौटे वरिष्ठ खिलाड़ियों को पिछले दो हफ्तों में व्यक्तिगत फिटनेस और आहार योजना दी गई थी। खिलाड़ियों के लिये विशेष योजना तैयार करने की प्रथा अनोखी नहीं है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई कार्यभार के प्रति सतर्क रहा है। इस अनुकूलन शिविर में केएल राहुल और श्रेयस अय्यर पर विशेष ध्यान रहेगा। अय्यर जहां पूरी तरह फिट हैं, वहीं राहुल की मांसपेशी में खिंचाव की शिकायत है जिसकी वजह से वह एशिया कप के शुरुआती दो मैचों से बाहर रह सकते हैं। भारतीय टीम 30 अगस्त को बेंगलुरु से कोलंबो के लिये रवाना होगी। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत का अभियान दो सितंबर को पाल्लेकेले में चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होगा।

मुंबई सिटी से खेलने भारत आएंगे नेमार

कुआला लंपुर। मुंबई सिटी एफसी को एएफसी चैंपियंस लीग 2023-24 के ग्रुप डी में सऊदी अरब के अल हिलाल एसएफसी के साथ रखा गया है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने गुरुवार को ड्रॉ आयोजित करने के बाद यह जानकारी दी।

इसका अर्थ है कि हाल ही में अल हिलाल के साथ अनुबंध करने वाले ब्राज़ील के अनुभवी खिलाड़ी नेमार सब कुछ सही रहने पर मुंबई एफसी का मुकाबला करने के लिए भारत आयेंगे। एएफसी चैंपियंस लीग के मुकाबले घर और बाहर के प्रारूप में खेले जाएंगे। मुंबई सिटी एफसी अपने घरेलू मैच पुणे के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेलेगी। ग्रुप डी में मुंबई सिटी का सामना एफसी नासाजी मजांदरन और पीएफसी

नवबहोर नामंगन से भी होगा। भारतीय क्लब ने 2022-23 इंडियन सुपर लीग शील्ड और उसके बाद जमशेदपुर एफसी के खिलाफ क्लब प्ले-ऑफ जीतकर लगातार दूसरी बार एशिया की प्रमुख क्लब प्रतियोगिता के ग्रुप चरण के लिए क्वालीफाई किया है। रिकॉर्ड चार बार का एएफसी चैंपियंस लीग विजेता और पिछले छह में से चार सीजनों में फाइनल तक पहुंचने वाला अल हिलाल एसएफसी मुंबई सिटी की सबसे बड़ी परीक्षा साबित होगा। ईरान के 2021-22 हज़फ़ी कप का विजेता एफसी नासाजी माज़ंदरान और 2022 उज़्बेकिस्तान सुपर लीग का उपविजेता क्लब पीएफसी नवबहोर नामंगन एएफसी चैंपियंस लीग में पदार्पण करेगा।

राउंड रॉबिन लीग में खेले जाने वाले ग्रुप चरण के बाद ग्रुप विजेता और पांचों समूहों ने दूसरे स्थान पर रहने वाली शीर्ष तीन टीमें प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचेंगी। डेस बकिंघम की टीम ने पिछले सीज़न में एएफसी चैंपियंस लीग में शानदार प्रदर्शन किया था और इराक के अल कुवा अल जाविया पर दो जीत दर्ज करके सात अंकों के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रही थी।

सार संक्षेप

बारिश में धुला तीसरा टी20, भारत ने शृंखला जीती

डबलिन। भारत और आयरलैंड के बीच तीसरा टी20 मुकाबला बारिश में धुलने के बाद मेहमान टीम ने शृंखला 2-0 से जीत ली। मालाहाइड में लगातार बारिश होते रहने के कारण न ही टॉस हो सका और न ही एक भी गेंद फेंकी जा सकी। मैच शुरू होने के निर्धारित समय के करीब तीन घंटे बाद बादलों ने बरसना बंद किया, हालांकि इस समय तक मैदान अत्यधिक गीला हो चुका था। अंपायरों ने इसे ध्यान में रखते हुए स्थानीय समयानुसार शाम पांच बजकर 58 मिनट पर मैच रद्द करने का फैसला लिया। भारत ने पहले वर्षाबाधित टी20 में डकवर्थ लुइस पद्धति से दो रन से जीत हासिल की थी, जबकि दूसरे मुकाबले में आयरलैंड को 33 रन से हराया था। इस टीम के कई युवा खिलाड़ी अब चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों में रवाना होंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, तिलक वर्मा और संजू सैमसन एशिया कप खेलने वाली टीम के साथ श्रीलंका जायेंगे।

एशियाई खेलों से पहले तैराक माना ओडिशा में लेंगी प्रशिक्षण

भुवनेश्वर। टोक्यो ओलंपियन तैराक माना पटेल हांग्झोउ एशियाई खेलों के लिये भुवनेश्वर में नवनिर्मित इंडोर एक्वाटिक सेंटर में प्रशिक्षण लेंगी। यह शीर्ष तैराक ओडिशा जेएसडब्ल्यू तैराकी एचपीसी के तकनीकी निदेशक डगलस ईगर के मार्गदर्शन में एशियाड के लिये तैयारी करेंगी। माना ने अपनी तैयारियों पर कहा, मैं यह देखने के लिये उत्सुक हूं कि मैं कैसा प्रदर्शन करती हूं। उसके बाद देखेंगे कि आगे क्या होता है, फिलहाल मेरा पूरा ध्यान अपने प्रशिक्षण और एशियाई खेलों पर केंद्रित है। माना ने ओडिशा में प्रशिक्षण लेने के फैसले पर कहा, मुझे लगता है कि बदलाव होना अच्छा होता है।

बुमराह के साथ साझेदारी बेस्ट चल रही है, इसे आगे भी जारी रखना चाहता हूं : प्रसिद्ध कृष्णा

डबलिन। इंजरी के कारण करीब एक साल तक खेल से दूर रहे तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया में वापसी की और दमदार प्रदर्शन भी किया। आयरलैंड के खिलाफ तीसरा टी20 मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद भारत ने सीरीज 2-0 से जीत ली। इस दौरान पीठ की चोट के कारण लगभग 11 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे प्रसिद्ध ने जियोसिनेमा से आयरलैंड के खिलाफ अपने प्रदर्शन, रिकवरी के दौरान अपने परिवार और दोस्तों से मिले समर्थन और भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ बिताए समय के बारे में बात की।

भारतीय टीम में वापस आकर कैसा लग रहा है?

मुझे एक लंबी छुट्टी मिली थी। मेरे पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय था, तो मानसिक रूप से भी काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। मुझे फिर से गेंदबाजी करते हुए कम से कम छह सप्ताह हो गए हैं और मैं हर गेंद पर अपना बेस्ट देना चाहता हूं। मैं अपनी गेंदबाजी का विश्लेषण कर रहा हूं, सुधार के क्षेत्रों की पहचान कर रहा हूं और इस बात पर विचार कर रहा हूं कि मैं टीम में क्या नई चीजें ला सकता हूं।

आयरलैंड के खिलाफ अपनी वापसी से आप क्या समझते हैं?

मुझे लगता है कि प्रदर्शन अच्छा रहा है। अच्छा और फिट महसूस करने के साथ-साथ, मैं अच्छी तरह से दौड़ रहा हूं और अपनी लेंथ लाइन में गेंदबाजी कर रहा हूं। मेरा मानना है कि यही मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। हालांकि, लय में आने के लिए मुझे अभी और मेहनत करने की जरूरत है।

अपने रिहैब के दौरान आप किन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे?

एनसीए में हम जितने समय रहे, वो बेहद लाभकारी साबित हुआ। व्यक्तिगत रूप से हमने अपने उद्देश्यों के बारे में जो स्पष्टता बनाए रखी, उससे मुझे बहुत मदद मिली। हर

बार जब हमने कोई योजना बनाई, तो हमने पिछले सप्ताह की समीक्षा करना, वर्तमान स्थितियों का आकलन करना और यह समझना सुनिश्चित किया कि मैं दैनिक आधार पर कैसा महसूस कर रहा था।

इस निरंतर संचार ने हमें अपने प्रयासों को प्रभावी ढंग से काम करने की अनुमति दी। शुरुआत में, योजना का ध्यान शरीर को फिट करने पर था - यह सुनिश्चित करना कि मैं अच्छा महसूस करूं, अपनी फिटनेस पर काम करना और किसी भी चिंता का समाधान करना।

आपके पुनर्वास में आपके परिवार ने क्या भूमिका निभाई?

इस पूरी यात्रा के दौरान मेरा संयम बनाए रखने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। मैंने कभी भी ऐसे दिन का अनुभव नहीं किया जब मैंने ऐसा महसूस किया हो या सवाल किया हो कि मैं हर किसी की तरह क्यों नहीं खेल रहा हूं या भाग क्यों नहीं ले रहा हूं। लेकिन मुझे मेरे परिवार और दोस्तों का पूरा सपोर्ट मिला जिससे मुझे रिकवरी के दौरान मदद मिली।

हमें जसप्रीत बुमराह के साथ अपनी साझेदारी के बारे में बताएं।

मैं हमेशा उनकी क्षमताओं और चीजों को सरल बनाए रखने के तरीके का मुरीद हूं। दबाव में शानदार गेंदबाजी करने की उनकी कला की मैं लंबे समय से प्रशंसा करता रहा हूं। एनसीए में हमारी रिकवरी अवधि के दौरान मेरे पास उनके साथ रहने का पर्याप्त समय था। इससे हमें एक-दूसरे के बारे में और अधिक जानने का मौका मिला - हम कैसे तैयारी करते हैं और हम खेल की स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

यह एक अच्छा अनुभव रहा है। चाहे वह क्रिकेट, मानसिक पहलुओं या पुनर्वास संबंधी चिंताओं पर चर्चा हो, वह हर समय सहायक रहे हैं। हमारी साझेदारी बढ़िया चल रही है और हम इसे जारी रखने के लिए उत्सुक हैं।

आगामी टूर्नामेंटों से आपकी क्या उम्मीदें हैं?

विश्व कप से पहले 8-9 वनडे मैचों के साथ-साथ अभ्यास मैचों का होना हमारी तैयारी के लिए बेहद फायदेमंद है। टीम इंडिया ने बहुत सारे वनडे मैच खेले हैं और इससे प्रत्येक खिलाड़ी के भीतर टीम की सफलता में योगदान देने में अपनी-अपनी भूमिका के बारे में स्पष्ट समझ पैदा हुई है। व्यक्तिगत तौर पर, मेरा ध्यान निरंतरता हासिल करने और अपनी लय हासिल करने पर है।

सुडोकू 6296 का हल

2	7	9	4	1	5	6	8	3
3	5	1	8	7	6	2	4	9
8	6	4	9	3	2	1	7	5
7	2	5	6	8	9	4	3	1
6	9	3	7	4	1	5	2	8
4	1	8	2	5	3	7	9	6
5	8	2	3	6	7	9	1	4
9	4	6	1	2	8	3	5	7
1	3	7	5	9	4	8	6	2

SENSEX BSE 65252.34 ▼ 180.96 NSE 19386. 70 ▼ 57.30 MCX Gold 58760 ▼ 59 silver 73732 ▼ 59

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ 82.58 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी कोषों के प्रवाह के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 14 पैसे की बढ़त के साथ 82.58 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह लगातार तीसरा दिन है जबकि रुपया लाभ में रहा है। पिछले तीन सत्रों में रुपया 55 पैसे मजबूत हुआ है। इससे यह सोमवार के अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.11 प्रति डॉलर से उबर पाया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.55 पर खुला।

आरबीआई ने बढ़ाई ऑफलाइन डिजिटल पेमेंट की सीमा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने गुरुवार को उन क्षेत्रों में जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर है या उपलब्ध नहीं है, वहां पीआई-एलआईटीई वॉलेट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ऑफलाइन भुगतान लेनदेन की ऊपरी सीमा को मौजूदा 200 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया है। हालांकि, भुगतान साधन पर ऑफलाइन लेनदेन की कुल सीमा किसी भी समय 2,000 रुपये रहती है। आरबीआई ने 'ऑफलाइन मोड में छोटे मूल्य के डिजिटल भुगतान के लिए लेनदेन सीमा बढ़ाने' पर एक परिपत्र में कहा, 'ऑफलाइन भुगतान लेनदेन की ऊपरी सीमा को बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है।'पीआई पर छोटे मूल्य के लेनदेन की गति बढ़ाने के लिए, बैंकों के लिए प्रसंस्करण संसाधनों को अनुकूलित करने के लिए सितंबर 2022 में यूपीआई-लाइट नामक एक ऑन-डिवाइस वॉलेट लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य लेनदेन विफलताओं को कम करना था।वहीं, अब यूपीआई लाइट ट्रेंड में है और वर्तमान में प्रति माह 10 मिलियन से अधिक लेनदेन इसके द्वारा होते हैं। इस महीने की शुरुआत में, आरबीआई ने यूपीआई-लाइट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नियर फील्ड कम्युनिकेशन तकनीक का उपयोग करके ऑफलाइन लेनदेन की सुविधा देने का प्रस्ताव दिया था। एनएफसी के माध्यम से लेनदेन के लिए पिन वेरिफिकेशन की जरूरत नहीं होती है। बताया गया था कि यह सुविधा न केवल खुदरा डिजिटल भुगतान को सक्षम करेगी बल्कि तेजी से काम करने में भी मदद करेगी, साथ ही उन स्थितियों में लेनदेन हो सकेगा।

उत्पादन कमी से चढ़े मेंथा तेल के भाव, तेजी थामने लगा अतिरिक्त मार्जिन

नई दिल्ली। *मेंथा तेल की कीमतों पर तेजी सवार है। इसकी वजह प्रतिकूल मौसम से इसके उत्पादन में कमी आना है। इस महीने मेंथा तेल के भाव करीब 100 रुपये किलो बढ़ चुके हैं। बाजार जानकारों के मुताबिक आगे इसकी कीमतों में 100 से 150 रुपये किलो की तेजी और आ सकती है। इसकी वायदा कीमतों में आ रही तेजी को थामने के लिए एमसीएक्स ने इवेंट आधारित 2.5 फीसदी अतिरिक्त मार्जिन लगा दिया है।*

मेंथा तेल के भाव 100 रुपये किलो चढ़े - एमसीएक्स पर एक अगस्त को मेंथा तेल का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 889 रुपये किलो के भाव पर बंद हुआ था, इसने आज 1,005 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर छू लिया। हालांकि मुनाफावसूली और अतिरिक्त मार्जिन लगने से खबर लिखे जाने के समय आज यह 975 रुपये किलो के भाव पर कारोबार कर रहा था। उत्तर प्रदेश के मेंथा उत्पादक क्षेत्र बाराबंकी में मेंथा तेल के हाजिर भाव 1,120 रुपये किलो चल रहे हैं। इस माह इसकी कीमतों में 100 रुपये की तेजी आ चुकी है।

उत्पादन में कमी से महंगा हो रहा है मेंथा तेल - उत्तर प्रदेश के मेंथा तेल कारोबारी अनुराग रस्तोगी ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि बारिश के कारण मेंथा की फसल को नुकसान हुआ था। जिससे मेंथा तेल का उत्पादन 20 से 25 फीसदी घटने का अनुमान है। जिससे इस महीने मेंथा तेल की कीमतों में 100 रुपये की तेजी आ चुकी है। कमोडिटी एक्सपर्ट इंद्रजीत पॉल ने कहा कि वर्ष 2023-24 में करीब 32,000 टन मेंथा तेल का उत्पादन होने की संभावना है, जो वर्ष 2022-23 के उत्पादन करीब 42,000 टन से 23 फीसदी कम है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी व करेंसी हेड अनुज गुप्ता कहते हैं कि उत्पादन में कमी के साथ ही मेंथा तेल की निर्यात मांग भी ठीक है। इससे भी मेंथा तेल महंगा हुआ है।

आगे और महंगा हो सकता है मेंथा तेल - मेंथा तेल की कीमतों में आगे और तेजी आ सकती है। रस्तोगी ने कहा कि उत्पादन में कमी को देखते हुए मेंथा तेल के दाम अगले एक महीने में 100 से 150 रुपये किलो और बढ़ सकते हैं। पॉल के मुताबिक हाल में निकल रही निर्यात मांग के लिए स्टॉकिस्ट मेंथा तेल की खरीद बढ़ा रहे हैं। ऐसे में इसके भाव 12,00 रुपये किलो तक जा सकते हैं।

तेजी थामने लगा इवेंट आधारित अतिरिक्त मार्जिन - एमसीएक्स ने मेंथा तेल की वायदा कीमतों में आ रही तेजी को थामने के लिए अतिरिक्त मार्जिन लगा दिया है।

रिफंड का वक्त घटाकर 10 दिन करने की योजना में टैक्स विभाग

नई दिल्ली। *प्रत्यक्ष कर से सकल संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और कॉर्पोरेशन कर दोनों शामिल है, 6.6 लाख करोड़ रुपये रहा है राजस्व विभाग कर रिफंड की प्रक्रिया और उसके भुगतान की व्यवस्था में तेजी लाने और इसकी अवधि 16 दिन से घटाकर 10 दिन करने पर काम कर रहा है।*

उम्मीद की जा रही है कि नई समयसीमा चल रहे वित्त वर्ष में लागू कर दी जाएगी। एक सरकारी अधिकारी ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, 'वित्त वर्ष 2022-23 में कर रिटर्न के प्रॉसेसिंग में औसतन 16 से 17 दिन लगे। वहीं इसके पहले के वित्त वर्ष 2021-22 में यह समयावधि 26 दिन थी। अब हम कर रिटर्न के प्रॉसेसिंग की अवधि घटाकर 10 दिन करने और साथ साथ रिफंड करने पर काम कर रहे हैं।' इस वित्त वर्ष के दौरान 1 अप्रैल से 21 अगस्त के बीच अब तक 72,215 करोड़ रुपये रिफंड जारी किया गया है। इसमें 37,775 करोड़ रुपये कॉर्पोरेट और 34,406 करोड़ रुपये व्यक्तिगत करदाताओं को की गई वापसी शामिल है। रिफंड के बाद प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.88 लाख करोड़ रुपये रहा है। प्रत्यक्ष कर से सकल संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और कॉर्पोरेशन कर दोनों शामिल है, 6.6 लाख करोड़ रुपये रहा है। राजस्व विभाग व्यवस्था में तेजी लाने के लिए उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे कर रिटर्न की तेज प्रॉसेसिंग सुनिश्चित हो सके और बगैर देरी किए तेजी से रिफंड जारी हो सके। इसके पहले के वित्त वर्ष में आकलन वर्ष 2022-23 में प्रॉसेस किए गए टैक्स रिटर्न के प्रतिशत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई थी। अधिकारी ने कहा कि अगर मौजूदा धारणा को देखें तो इस वित्त वर्ष में हम उम्मीद कर रहे हैं कि प्रॉसेसिंग के वक्त में और सुधार होगा और इससे रिफंड जारी करने के वक्त में कमी आएगी। अधिकारी ने कहा कि रिटर्न से जुड़े करीब सभी जांच और आकलन इलेक्ट्रॉनिक होते हैं और इसमें करदाता और कर अधिकारियों के बीच बगैर किसी व्यक्तिगत आमना सामना हुए जांच के लिए मामले चुने जाते हैं। विभाग का विचार है कि रिटर्न की प्रॉसेसिंग और रिफंड साथ साथ किया जाना चाहिए। **साभार-बिजनेस स्टैंडर्ड**

सितंबर से कम हो सकती हैं सब्जी की कीमतें - आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली। *सितंबर से सब्जियों की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण टमाटर की कीमतें हैं, जो पहले से ही कम होने लगी हैं क्योंकि सप्लाई ज्यादा उपलपब्ध है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि जुलाई में सब्जियों की कीमतों में जो बढ़ोतरी देखी गई थी, वह अब उलटने लगी है। यह कमी मुख्य रूप से टमाटर की कीमतों में देखी जा रही है, क्योंकि बाजारों में अधिक टमाटर लाए जा रहे हैं, जिससे कीमतें नीचे जा रही हैं।*

इसके अलावा, प्याज की सप्लाई प्रबंधन के लिए भी कदम उठाए गए हैं, जिससे कीमतों को स्थिर करने में भी मदद मिल रही है। कुल मिलाकर, यह अनुमान है कि सितंबर से सब्जियों की मुद्रास्फीति दर काफी धीमी हो जाएगी। उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति का मुख्य माप जुलाई में 15 महीने के उच्चतम 7.4 प्रतिशत पर पहुंच गया। यह वृद्धि पिछले तीन महीनों तक 6 प्रतिशत की ऊपरी सीमा से नीचे रहने के बाद हुई। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण टमाटर और अन्य सब्जियों की कीमतों में वृद्धि थी।

विशेष रूप से, पिछले साल की समान अवधि की तुलना में सब्जियों की कीमतें 37 प्रतिशत बढ़ गईं, जिसमें 201 प्रतिशत की भारी वृद्धि के साथ टमाटर सबसे आगे रहा। इन कारकों के कारण, फूड की मुद्रास्फीति दर दोगुनी से अधिक हो गई, जो जून में 4.7 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई में 10.6 प्रतिशत हो गई। हालांकि, अगर हम फूड और ईंधन को गणना से हटा दें, तो जुलाई में मुख्य मुद्रास्फीति दर गिरकर 4.9 प्रतिशथ हो गई। दास ने बताया,हालांकि यह अभी भी कुछ हद तक 4.9 प्रतिशत पर है, लेकिन पिछले पांच महीनों में मुख्य मुद्रास्फीति में धीरे-धीरे कमी से पता चलता है कि हमारी मौद्रिक नीति पर असर पड़ रहा है।

फूड प्राइस को लेकर सतर्क है आरबीआई - गवर्नर दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक खाद्य-संबंधी मूल्य झटकों को व्यापक प्रभाव डालने से रोकने के लिए सतर्क रहेगा। इन प्रभावों के परिणामस्वरूप कीमतों में अधिक व्यापक और स्थायी वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा, क्योंकि सब्जियों की कीमतों में उछाल अस्थायी होने की संभावना है, हम इन मूल्य वृद्धि के शुरुआती प्रभाव के ठीक होने का इंतजार कर सकते हैं। इससे समग्र मुद्रास्फीति में अस्थायी उछाल आ सकता है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहेंगे कि ये शुरुआती प्रभाव आगे न बढ़ें।

रिलायंस, एचडीएफसी बैंक में बिकवाली से बाजार ने गंवाई तेजी

मुंबई। *एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को खरीदार बन गए और उन्होंने 614.32 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक में बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार में तीन दिन से जारी तेजी पर ब्रेक लग गई जिससे सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए।*

बीएसई सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 180.96 अंक या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65,252.34 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 65,913.77 के उच्चतम और 65,181.94 के निचले स्तर तक गया था। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी भी 57.30 अंक या 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,386.70 पर बंद हुआ। निफ्टी के 35 शेयरों में गिरावट आई जबकि 15 हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर सबसे ज्यादा 4.99 प्रतिशत गिरा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, टाटा स्टील, विप्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए।

5 शेयरों का चंद्रयान-3 से है नाता, आज दिनभर बने रहे रॉकेट!

नई दिल्ली। *चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद जहां देश के लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है, तो वही शेयर बाजार में भी देश की इस सफलता का असर दिखाई दिया है. इसरो के इस मून मिशन को सफल बनाने में मदद करने वाली कंपनियों के शेयर तो गुरुवार को दिनभर रॉकेट की रफ्तार से भागते हुए नजर आए.कुछ शेयरों ने 10 फीसदी की छलांग लगाई, तो वहीं कुछ 12 फीसदी की उछाल भरते नजर आए.*

बुधवार 23 अगस्त 2023 को शाम 6.04 बजे पर चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के सबसे खतरनाक माने जाने वाले साउथ पोल पर सॉफ्ट लैंडिंग की चंद्रयान-3 मिशन की सफलता में इसरो के वैज्ञानिकों के साथ ही देश की कई कंपनियों का भी अहम रोल रहा है. इनमें गोदरेज एयरोस्पेस, टाटा स्टील, सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स, एमएटीआर टेक्नोलॉजी, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स समेत कई फर्में शामिल हैं. खास बात ये है कि चंद्रयान के लिए कंपोनेंट्स मुहैया कराने से लेकर अन्य किसी भी तरह से मददगार साबित होने वाली इन कंपनियों के शेयरों में बीते 14 जुलाई 2023 चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग के बाद से ही तेजी देखने को मिल रही थी और सफल लैडिंग के बाद इनमें तूफानी तेजी देखने को मिली है.

लैडिंग के बाद इन पांच शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी

सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स - सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में चंद्रयान-3 मिशन की सफलता को लेकर पहले से ही उत्साह देखने को मिल रहा था. बीते कारोबारी दिन बुधवार को ये स्टॉक 14.51 फीसदी की उछाल मारते हुए बंद हुआ था. तो वहीं सफल सॉफ्ट लैंडिंग की खबर का असर भी इसपर दिखाई दिया और खबर लिखे जाने तक दोपहर 2 बजे तक ये स्टॉक 11 प्रतिशत उछलकर 1,820.15 रुपये पर ट्रेड कर रहा था. निवेशकों को इस अवधि में हुए फायदे पर गौर करें तो बीते 14 जुलाई को लॉन्चिंग डे पर कंपनी के एक शेयर की कीमत 1465.65 रुपये थी. इस शेयर ने अपने इन्वेस्टर्स को छह महीने में 216 फीसदी, एक साल में 307 फीसदी और पांच साल में 387 फीसदी का रिटर्न दिया है. कारोबार के अंत में ये स्टॉक 7.70 फीसदी या 126.50 रुपये की तेजी लेते हुए 1,769.95 रुपये पर क्लोज हुआ.

पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी- पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी का स्टॉक भी गुरुवार को शेयर बाजार की शुरुआत के साथ जबरस्त तेजी लेते हुए खुला था. शुरुआती कारोबार में ये 12.45 फीसदी की छलांग लगाते हुए 807.05 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था. हालांकि इसमें कुछ गिरावट देखने को मिली है और दोपहर 2 बजे तक ये 766.90 रुपये के लेवल पर कारोबार कर रहा था. वहीं कारोबार के अंत में ये स्टॉक 7.28 फीसदी कीतेजी के साथ 769.95 रुपये पर बंद हुआ. बता दें बीते 14 जुलाई को इस शेयर की कीमत 681 रुपये था. इस स्टॉक के जरिए निवेशकों को मिले रिटर्न की बात करें तो एक महीने में 12.66 फीसदी, छह महीने में 63.69 फीसदी, एक साल में 22.18 फीसदी और पांच साल में 55.71 फीसदी का रिटर्न दिया है.

3- **मटर टेक्नोलॉजी**- चांद पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग स्पेस सेक्टर से संबंधित देश की तमाम कंपनियों के लिए एक मील का पत्थर है. इस मिशन में योगदान देने वाली एक और कंपनी मटर टेक्नोलॉजी है, जिसके शेयर भी तूफानी रफ्तार से भागते नजर आए. यही नहीं गुरुवार को इस स्टॉक ने उछाल मारते हुए अपने 52 वीक का हाई लेवल 2440 रुपये को भी छू लिया. हालांकि, कारोबार आगे बढ़ने के साथ इस शेयर में कुछ गिरावट जरूर देखने को मिली है. दोपहर 2 बजे तक मटर टेक का शेयर भी 7.40 फीसदी चढ़कर तेज रफ्तार के साथ 2384.90 रुपये पर ट्रेड कर रहा था. हालांकि, शेयर बाजार बंद होने पर ये शेयर 4.07 फीसदी या 90 रुपये उछलकर 2,311 रुपये पर क्लोज हुआ.. हालांकि, गुरुवार को जोरदार शुरुआत के बाद इसमें कुछ कमी दर्ज की गई और ये 537 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहा था. बाजार बंद होने पर ये 533 रुपये पर क्लोज हुआ.

लॉर्सन एंड ट्रूब्रो - बात करें लॉर्सन एंड ट्रूब्रो कंपनी की, तो इसने चंद्रयान-3 मिशन में एलवीएम-3 एम-4 को बनाने में बड़ा योगदान दिया है. बुधवार को ये लैंडिंग डे पर एलएन्डटी स्टॉक 1.47 फीसदी की उछाल के साथ 2718.10 रुपये पर क्लोज हुआ था, वहीं गुरुवार को कारोबार की शुरुआत के साथ ही ये 1.60 फीसदी की उछाल के साथ 2,761 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था. हालांकि, दोपहर 2 बजे के करीब इसमें गिरावट देखने को मिली और मार्केट में कारोबार खत्म होने पर ये 2688.65 रुपये पर क्लोज हुआ. बीते 14 जुलाई को कंपनी के एक स्टॉक की कीमत 2472 रुपये थी. रिटर्न की बात करें तो बीते छह महीने में इस शेयर ने अपने निवेशकों को 26 फीसदी, एक साल में 42 फीसदी और पांच साल में 100 फीसदी का रिटर्न दिया है।

रियलमी ने अपने स्मार्टफोन पोर्टफोलियो में 11 सीरीज 5जी लॉन्च की घोषणा की

नई दिल्ली। सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने आज अपनी हीरो नंबर सीरीज और एआईओटी सेगमेंट में चार अत्याधुनिक उत्पादों रियलमी 11 5जी, रियलमी 11एक्स 5जी, रियलमी बड्स एयर 5 और रियलमी बड्स एयर 5 प्रो के लॉन्च की घोषणा की। इन अत्याधुनिक डिवाइसेज में उन्नत विशेषताओं और सहज डिजाइन का शानदार मिश्रण है, जो आपके अनुभव को और ज्यादा बेहतर बनाने के लिए बनायी गई हैं। लॉन्च के अवसर रियलमी के प्रवक्ता ने बताया रियलमी इनोवेशन में सबसे आगे रहता है और यूजर्स को अत्याधुनिक तकनीक व विशेषताएँ प्रदान करता है, जिनसे उन्हें शानदार यूजर अनुभव मिलता है। हम रियलमी 11 सीरीज 5जी और अपनी एआईओटी सीरीज में रियलमी बड्स एयर 5 सीरीज पेश करके बहुत उत्साहित हैं, जो इनोवेशन और उत्कृष्टता की ओर हमारी प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं। ये चार बेहतरीन उत्पाद स्मार्टफोन और एआईओटी उद्योग में नए मानक स्थापित कर देंगे। इन डिवाइसेज में लीप-फॉरवर्ड विशेषताएँ और इनोवेटिव डिजाइन है, जो आपके अनुभव को नये आयाम में ले जाएँगे। इसके अलावा अपनी 5वीं वर्षगांठ के साथ हमने अपने ब्रांड को लीप अप पर केंद्रित किया है, और अगले पांच वर्षों के लिए 'नो लीप नो लॉन्च' की उत्पाद नीति बनायी है। अगले पांच सालों में हम विश्व में युवाओं का पसंदीदा टेक्नोलॉजी ब्रांड बनने और इमेजिंग टेक्नोलॉजी, परफॉर्मेंस, एवं औद्योगिक डिजाइन ठोस प्रगति करने पर केंद्रित रहेंगे। रियलमी के इस अभूतपूर्व सफर में साथ देने के लिए आप सबका धन्यवाद।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती एआई प्रतिभा वाले शीर्ष 5 देशों में शामिल-लिंक्डइन रिपोर्ट

नई दिल्ली। *भारत में पिछले सात वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में स्किल का हवाला देने वाले लिंक्डइन प्रोफाइल की संख्या 14 गुना बढ़ गई है।*

इसी के साथ टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ती प्रतिभा के साथ भारत दुनिया के टॉप पांच देशों में शामिल हो गया है। भारत, सिंगापुर, फिनलैंड, आयरलैंड और कनाडा सबसे आगे - लिंक्डइन के पहले 'फ्यूचर ऑफ वर्क स्टेट ऑफ वर्क एआई' के अनुसार, भारत, सिंगापुर, फिनलैंड, आयरलैंड और कनाडा में एआई स्किल अपनाने की दर सबसे तेज है। स्किल को अपनाना टेक्नोलॉजी से परे कई उद्योगों तक फैला हुआ है जिसमें रिटेल, शिक्षा और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष के दौरान 43 प्रतिशत भारतीय वर्कफोर्स ने अपने संगठनों में एआई के इस्तेमाल में वृद्धि देखी है। इस उछाल ने सभी कर्मचारियों में से 60 प्रतिशत और जेन जी जेनरेशन के कर्मचारियों में से 71 प्रतिशत को यह मानने के लिए प्रेरित किया है कि एआई स्किल प्राप्त करने से उनके करियर की संभावनाओं में सुधार हो सकता है। तीन में से दो भारतीयों ने कहा कि वे 2023 में कम से कम एक डिजिटल स्किल सीखेंगे रिपोर्ट में 25 देशों के विश्लेषण से पता चला है कि पिछले साल चैटजीपीटी के लॉन्च के बाद अपने प्रोफाइल में एआई स्किल जोड़ने वाले लिंक्डइन सदस्यों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई के युग में क्रेटिविटी और संचार जैसे सॉफ्ट स्किल पर जोर भारत में विशेष रूप से मजबूत है। लगभग 91 प्रतिशत शीर्ष अधिकारी एआई स्किल के बढ़ते महत्व को पहचानते हैं, जो वैश्विक औसत 72 प्रतिशत से अधिक है।भारतीय वर्कफोर्स का ज्यादातर हिस्सा भी इस भावना से सहमत है। 10 में से 7 (69 प्रतिशत) पेशेवरों का मानना है कि रचनात्मकता और समस्या समाधान जैसे सॉफ्ट कौशल उन्हें काम में एक नया दृष्टिकोण लाने की अनुमति देते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत के आधे शीर्ष अधिकारियों का लक्ष्य 2023 में एआई टेलेंट का कौशल बढ़ाना या उन्हें नियुक्त करना है। साथ ही, 57 प्रतिशत अधिकारी अगले साल अपने संगठनों में ढ के इस्तेमाल को बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज

फोन- 4067270, 9826035338
प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 12000-13000, मीडियम बोल्ड 13000-14000, फाइन 14000-15000, एक्स्ट्रा बोल्ड 14500-15000, चना दाल एवरेज 6300-6500 चना दाल मार्का 6600-6800, मसूर दाल एवरेज 7000-7200, मसूर दाल फाइन 7400-7500, उड़द छिलका 8000-8500, फाइन 8500-9000, उड़द धुली 9000-9500, फाइन 10000-11000, मूंग दाल छिलका 8500-9000, मूंग दाल फाइन 9000-9500, मूंगदाल धुली 9000-9500,फाइन 9500-10000।
चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3200, बेस्ट 3200-3300, बीपीटी चालू 3800-4000, फाइन 4200-4500,एचएमटी-4500-4900 फाइन-5200-5400 दुबराज भाटापारा 5000-5500, जेजेएल चालू 5200-5300, फाइन 5500-5600, बासमती कनकी चालू 2500-2800, बासमती कनकी मीडियम 3200-3600, बेस्ट 4000-4500, मोगरा-5000-5200, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-7500, बासमती 8000-10000, बेस्ट 11000-11500 पोहा-4000-4200, फाइन 4400-4600, मुसुरा-5000-5500, फाइन- 6800-7200, रु.।

सोहन लाल एण्ड संस

रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-60400 चांदी टंच- 73600 चांदी रिफाइन -75350

दुल्हन श्री आभूषण

कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-60400 चांदी टंच- 73600 चांदी रिफाइन -75350

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	82.57
एक यूरो	89. 52
एक ब्रिटिश पाउंड	104. 37
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	53. 13
एक जापानी येन	0. 56

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 114 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 116 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-118 प्रति कि.
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स- 65 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180रु. किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स

शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6400, 6 एम एम 6400, 8 एम एम 6000, 10 एम एम 5800,12 एम एम, 5]00 एवं 16 एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.-9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596
देग्रासे-सी-31/7/22

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें। देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अत: विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

मुख्यमंत्री का जन दर्शन कार्यक्रम आज

जबलपुर/दमोह, देशबन्धु। मुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज अपने जबलपुर प्रवास के दौरान जन दर्शन कार्यक्रम करेंगे। यह भीड़ भरी दर्शन यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों पर भ्रमण करेगी। मुख्यमंत्री चौहान कटंगी से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय पहुंचेंगे तथा वहां स शीतलामाई वार्ड स्थित शीतलामाता मंदिर से इस रैली का आगाज करेंगे। यह रैली जनता को संबोधित करते हुये सभी विधानसभाओं भ्रमण करते हुये इस विधानसभा चुनाव में समर्थन मागेंगी।

इस कार्यक्रम के लिये नगर के भाजप कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत मंच लगाये हैं। जिस पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौदूर होंगे और

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का अभिनंदन करेंगे। इसी कड़ी में भाजपा नेता आलोक ओंकार तिवारी अपने समर्थकों के साथ शीतलामाई मंदिर से मुख्यमंत्री के साथ इस रैली में शामिल होंगे। और संपूर्ण रैली में उनके साथ भागीदार होंगे।

इस जन दर्शन रैली में प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव सहित अन्य भाजपा नेता शामिल होंगे। इस जनदर्शन कार्यक्रम में शामिल होने की अपील भाजपा नेता आलोक ओंकार तिवारी, विशाल दत्त, दिपांकर बैनर्जी, अनिल तिवारी, आलोक तिवारी, असीम त्रिवेदी, नंदकुमार यादव, दिप मेंहदेले, नवीन रिछारिया, अमित जैन, चक्रेश नायक, अजय तिवारी, जय कुमार जैन, पिंटू तिवारी, विजय सरावगी, शुभम मिश्रा, और मंगू गोयल सहित भाजपा के समस्त कार्यकर्ताओं ने जन आशीर्वाद रैली का स्वागत करने व शामिल होने की अपील की है। इस यात्रा के लिये पुलिस प्रशासन भी पूरे शहर में मुस्तैद हो चुका है।

उफनाती नदी में गिरी कार, पटवारी की मौत

जबलपुर/दमोह, देशबन्धु। दमोह में देर रात एक कार अनियंत्रित होकर पुल से नदी में गिर गई। हादसे में कार सवार आदित्य सोनी की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला।

आदित्य सोनी रीवा में पटवारी के पद पर पदस्थ रहे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार रीवा में पटवारी के पद पर पदस्थ आदित्य सोनी अपनी कार से देर रात दमोह से पथरिया की ओर रवाना हुए. जब वे सुनार नदी पुल से गुजर रहे थे। इस दौरान कार अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। देर रात हुए हादसे की खबर आज सुबह पुलिस अधिकारियों को लगी तो वे मौके पर पहुंच गए। जिन्होने क्रे न की मदद से कार को बाहर निकाला गया। देखा तो कार के अंदर आदित्य सोनी मृत हालत में पड़े रहे. हादसे की खबर मिलते ही परिजन, रिश्तेदारों सहित अन्य लोग मौके पर पहुंच गए, जिन्होने आदित्य को इस हालत में देखा तो फूट-फूट कर रोए. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है।

Gyan Ganga Institute of Technology & Sciences, Jabalpur
Admission as per DTE Norms in
Institutional Preference Seats (Management Quota)
for Bachelor of Pharmacy (B.Pharma.)
Date : 26th Aug.'23 | Time : 10.00 am onwards
Interested candidates may contact for registration along with complete documents.
Bargi Hills, Tilwaraghat Road, Jabalpur (M.P.) - 482003
Contact : 9425323089, 9893556449, 7000732288, 9584679586

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 110
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 112
छोटा ब्रॉयलर - रु. 114
मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 118
मुर्गा मीडियम - रु. 116
मुर्गा बड़ा - रु. 114
मुर्गा जम्बो - रु. 114
मो.-9039925000, 9425800409

ब्यूटी इंडस्ट्री में अपना सुनहरा कॅरियर बनाये
जबलपुर का सरकारी मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठान
(ब्यूटी पार्लर के सभी कोर्स मे 50% डिस्काउंट)
LOOK SALON & ACADEMY (ONLY FOR FEMALE)
FREE FREE FREE FREE
हेयर वाश, हेयर कट, फेस ब्लीच, हैंड डी -टेन पैक, फेस डी -टेन पैक,
7828416648,7987003927
239, जय नगर, गढ़ा रोड, लेबर चौक, जबलपुर म.प्र.
कॉल करके अपॉइंटमेंट प्राप्त कर इस विज्ञापन की कटिंग लेके आने पर इनमें से कोई भी एक सर्विस (उम्र 15+ महिलाओं के लिए) फ्री है।

बधाई...बधाई...बधाई...
केसर बिसेन जिला पंचायत सदस्य सभापति महिला बाल विकास को जन्मदिन की
हार्दिक बधाई शुभकामनाएं
केसर बिसेन
सुनील जैन, शैलेन्द्र चौकसे, महेन्द्र बाहेशवर, महेन्द्र सिंह चौहान, विनय जैसवाल, योगेन्द्र छोटू राहगडाले, प्रमोद बोरकर, सुखदेव सेन
चुनन बाई ठाकरे
विनीत- ब्लॉक कांग्रेस नगर कांग्रेस युवक कांग्रेस सेवादल महिला कांग्रेस कांग्रेस आईटी सेल समस्त कांग्रेस जन कटंगी बालाघाट

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888
FOLLOW BY SAMDAREEYA_CINEMAS
समदड़िया सिनेमा
MORNING SHOW OFFER RS. @ 100/- (CONDITION APPLY)
DREAM GIRL-2: 09:15 AM 10:00 AM 12:30 PM 03:00 PM 05:45 PM 08:15 PM 09:00 PM 10:45 PM
GADAR-2: 10:00 AM 12:00 PM 01:15 PM 04:15 PM 05:00 PM 07:30 PM 10:45 PM
GRAN TURISMO IN ENGLISH 06:30 PM IN HINDI 09:30 AM
AKELLI 02:45 PM
OMG-2 11:45 AM 03:15 PM 08:00 PM 11:30 PM
JAILER IN HINDI 11:00 PM

D-11089/23